me as

07 August 1974, 03:40,

विस्तृत कुंडली विश्लेषण

- वार्षिक राशिफल
- करिअर
- वित्त
- प्रेम जीवन / विवाह
- दोष
- उपाय

आपके भरोसे की सराहना करें

Saurabh Mohnot

आपका बहुत-बहुत धन्यवाद

मुद्रण और टाइपसेटिंग उद्योग का केवल एक नकली पाठ है। लोरेम इप्सम 1500 के दशक से ही उद्योग का मानक डमी पाठ रहा है, जब एक अज्ञात प्रिंटर ने एक प्रकार की गैली ली और उसे एक प्रकार की नमूना पुस्तक बनाने के लिए तैयार किया। यह न केवल पाँच शताब्दियों तक जीवित रहा है, बल्कि इलेक्ट्रॉनिक टाइपसेटिंग में भी छलांग लगाता रहा है, मूलतः अपरिवर्तित रहा है। इसे 1960 के दशक में लोरेम इप्सम अंशों वाले लेट्रासेट शीट के रिलीज के साथ लोकप्रिय बनाया गया था, और हाल ही में लोरेम इप्सम के संस्करणों सहित एल्डस पेजमेकर जैसे डेस्कटॉप प्रकाशन सॉफ्टवेयर के साथ इसे लोकप्रिय बनाया गया था।

वैदिक ज्योतिष

वैदिक ज्योतिष, जिसे ज्योतिष के नाम से भी जाना जाता है, ज्योतिष की एक प्राचीन प्रणाली है जिसकी उत्पत्ति हजारों साल पहले भारत में हुई थी। 'वैदिक' शब्द 'वेद' शब्द से आया है, जो हिंदू धर्म के सबसे पुराने पवित्र पाठ का अनुवाद करता है और ज्योतिष प्रणाली के अंतिम आधार के रूप में कार्य करता है। 'ज्योतिष' शब्द संस्कृत से लिया गया है, जो 'प्रकाश के विज्ञान' को संदर्भित करता है, जो मानव जीवन पर आकाशीय पिंडों के प्रभाव पर अपना ध्यान केंद्रित करता है।

वैदिक ज्योतिष और पश्चिमी ज्योतिष के बीच प्राथमिक अंतर यह है कि वे ग्रहों के स्थान को कैसे ट्रैक करते हैं।

मिथुन लग्न

आपकी लग्न राशि मिथुन है जो आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण राशि है। मिथुन राशि का स्वामी बुध है और यह आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण ग्रह है।

लाभकारी ग्रह: बुध, शुक्र, शनि
प्रतिकूल ग्रह: सूर्य, मंगल
मारक ग्रह: चंद्रमा, बृहस्पति
योगकारक ग्रह: कोई नहीं

आपका जीवन रोमांच और सीखने के अवसरों की एक श्रृंखला है। मिथुन लग्न के लोगों में एक मजबूत लेकिन अंतर्निहित जिज्ञासा होती है। अपने सामाजिक क्षेत्र में कुशलता से आगे बढ़ने के लिए ज्ञान की भूख जरूरी है। आप कई विषयों में पारंगत हो सकते हैं लेकिन आपका ज्ञान अक्सर सतही होता है। आप कड़ी मेहनत में विश्वास नहीं करते बल्कि स्मार्ट काम में विश्वास करते हैं।

मिथुन आपको एक जिज्ञासु स्वभाव, जीवन में स्वतंत्रता की इच्छा और सामाजिक रूप से सक्रिय होने का मौका देता है। आप बेचैन, तनावग्रस्त और अधीर दिखाई देते हैं और यह मुख्य रूप से कई कार्यों में आपकी भागीदारी के कारण है। आप एक बहुत अच्छे वक्ता या लेखक हैं, लेकिन आप इसका इस्तेमाल लोगों को प्रभावित करने के लिए करते हैं। यह रवैया हमेशा सराहा नहीं जाता है, खासकर संवेदनशील लोगों द्वारा। आप शारीरिक की तुलना में बौद्धिक संबंध को अधिक महत्व देते हैं इसलिए आपके रिश्तों में अक्सर तीव्रता की कमी होती है। आपके पास हास्य की अच्छी समझ है। आप भावुक या प्रखर नहीं हैं।

आप हंसमुख, अप्रत्याशित, मज़ेदार और समाज के मानदंडों का पालन नहीं करते हैं। संवाद करने की आपकी इच्छा अपार है और आप बहुत सी बातें करना पसंद करते हैं, और अंतहीन व्याख्या करते हैं। आप चतुर हैं और बौद्धिक भी हैं। आपके लुक्स भ्रामक हैं और आप बहुत तेज स्वभाव के हैं। आप अपने आसपास के लोगों को अपनी बुद्धि से आश्चर्यचकित करते हैं। लोग अक्सर आपकी बुद्धि और चतुराई की सराहना करते हैं। आपको जीवन का अर्थ जानने की प्रबल इच्छा है। परिवेश का निरंतर अवलोकन और विश्लेषण आपके व्यक्तित्व का आंतरिक हिस्सा है। आप अपना ध्यान खो देते हैं, क्योंकि आपके दिमाग में हमेशा कुछ न कुछ

चलता रहता है। आप कम ध्यान देने की अवधि के कारण अपने विचारों को प्रसारित नहीं कर सकते। आप आसानी से पैसा बनाते हैं और कई स्त्रोतों से कमा सकते हैं। आपका दूसरा घर का मालिक चंद्रमा है और ग्यारहवें घर का मालिक मंगल ग्रह है। कमाई में उतार-चढ़ाव अपेक्षित हैं। आपको रक्त या हड्डियों से संबंधित समस्याएं हो सकती हैं और मोटापे से संबंधित बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे फैटी लिवर।

अपनी निजी जगह और स्वतंत्रता का होना आपके लिए साझेदारी और संबंधों में सर्वोपरि है। आप दूसरों पर हावी होना पसंद नहीं करते हैं। जीवन जीने दो और जीने दो का मंत्र है। आपके रिश्ते मजाकिया टिप्पणियों और बौद्धिक बहस से भरे हुए हैं।

लग्न क्या है

वैदिक ज्योतिष में लग्न एक बहुत महत्वपूर्ण अवधारणा है। इसे उदीयमान राशि के रूप में भी जाना जाता है, जो कि जन्म के दौरान पूर्वी क्षितिज में उठने वाली राशि है। लग्न को कुंडली के सबसे महत्वपूर्ण पहलुओं में से एक माना जाता है क्योंकि यह सभी भौतिक पहलुओं को प्रभावित करता है।

लग्न आपके शरीर और स्व को नियंत्रित करता है। यह आपको जीवन में क्या मार्गदर्शन करता है, इसके बारे में महत्वपूर्ण सुराग भी प्रदान करता है। वैदिक ज्योतिषी व्यक्तियों की विशेषताओं की गहरी समझ रखने के लिए लगन का विश्लेषण करते हैं। लग्न में उदय होने वाली राशि की औसत अवधि दो घंटे होती है, इसलिए बारह राशियों में से प्रत्येक को सौर दिन की चौबीस घंटे की अवधि में अपना विशिष्ट समय स्लॉट मिलता है।

लगन आपकी कुंडली का पहला घर भी है और किसी भी ज्योतिषीय अध्ययन का प्रारंभिक बिंदु है। वैदिक ज्योतिष में लग्न के स्वामी का स्थान भी बहुत महत्व रखता है और भविष्यवाणियों में मदद करता है। लग्न राशि पर शासन करने वाले ग्रह का व्यक्ति के जीवन में बहुत प्रभाव पड़ता है।

.

पूर्वभाद्रपदा नक्षत्र

पूर्वा भाद्रपद - पूर्व हैप्पी फीट

आपका नक्षत्र पूर्वा भाद्रपद है क्योंकि चंद्रमा आपके जन्म के समय पूर्वा भाद्रपद नक्षत्र में था।

स्थान: 20.00 कुंभ राशि से 3.20 मीन राशि तक

शासक: बृहस्पति

प्रतीक: अंतिम संस्कार खाट

देवता: अजिकापद

वर्ना: पुजारी

अक्षर: से, सो, दे, दी

यह एक परिवर्तनकारी नक्षत्र है। इस नक्षत्र के तहत जन्मे लोग उच्चतर कारण के लिए खुद को बलिदान कर देते हैं। वे इस दुनिया में एक बदलाव लाना चाहते हैं। एक भावुक स्वभाव है, थोड़ा अतिवादी और भोगवादी। नक्षत्र में दो चेहरों वाले व्यक्ति का आइकन होता है। यह मृत्यु के समय संभवतः भूतकाल और भविष्य को देखने के लिए संदर्भित हो सकता है। भयभीत, नर्वस और गुस्से में वे बहुत सनकी हो सकते हैं। उनका जीवन कभी-कभी उदासी और समस्याओं से भरा होता है। उन्हें दुर्घटनाओं और चोटों से सावधान रहना चाहिए। वे कट्टरपंथी और गैर-अनुरूपवादी हैं, जिनके पास परिणामों की परवाह किए बिना, जनता को प्रभावित करने के लिए उत्कृष्ट बोलने की क्षमता है।

नक्षत्र क्या हैं

प्राचीन ऋषियों ने राशि चक्र (बारह राशियों के अलावा) को 27 नक्षत्रों या 13.20 डिग्री के नक्षत्रों में विभाजित किया है। नक्षत्र (नक्षत्र) का प्राचीन वैदिक शास्त्रों में उल्लेख है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, सभी सत्ताईस नक्षत्र राजा दक्ष की बेटियां हैं। चंद्रमा का विवाह उन सभी से होता है। चंद्रमा प्रत्येक दिन एक नक्षत्र में लगभग एक दिन व्यतीत करता है और इस प्रकार चंद्र माह लगभग 27 दिनों की संख्या में होता है। नक्षत्रों को उसके स्वामी, देवता, लिंग, जाति, प्रजाति आदि जैसी कई विशेषताओं के अनुसार

वर्गीकृत किया जाता है। चंद्रमा का नक्षत्र जन्म का समय, जन्म नक्षत्र कहलाता है। इन नक्षत्रों को आगे पाडा के रूप में ज्ञात चार तत्वों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक 3.20 डिग्री (नवमांश के रूप में जाना जाता है)। इन पादों या उपविभागों में ग्रहों की नियुक्ति का अध्ययन महीन भविष्यवाणियों के लिए किया जाता है। प्रत्येक राशि में कुल मिलाकर नौ पाद होते हैं। इस प्रकार हम देख सकते हैं कि विभिन्न प्रयोजनों के लिए नक्षत्रों का उपयोग किया जाता है। इसके प्रमुख उपयोगों में से एक दशा या ग्रहों की अवधि के शुरुआती बिंदु को निर्धारित करना है जो कि प्रमुख अवधियों और उप अवधियों में समय को विभाजित करता है, और किसी भी महत्वपूर्ण गतिविधि के लिए एक मुहूर्त या शुभ समय चुनना है।

.

कुंडली सार - राशि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
मीन चंद्र राशि
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वैदिक ज्योतिष में चंद्र राशि या राशि को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। स्वस्थ और सफल जीवन के लिए एक खुश दिमाग एक प्रमुख मानदंड है। इसी तरह, अपने जीवन को समग्र रूप से देखने के लिए, राशि का विश्लेषण नेटल चार्ट के साथ किया जाना चाहिए।

आपका नेटल चार्ट आपके व्यक्तित्व, रूप, दूसरों पर प्रभाव और आपकी प्रतिक्रियाओं को दर्शाता है। आपकी राशि आपके भावनात्मक कोर पर राज करती है। ये चंद्र राशि भविष्यवाणियां मुख्य रूप से मन, आंतरिक स्व और भावनाओं से संबंधित हैं।

आपकी कुंडली में चंद्रमा मीन राशि में है और इसलिए आपकी चंद्र राशि या राशि मीन है।

मीन राशि पर बृहस्पति ग्रह का शासन है, जो ज्ञान, बुद्धि और खुशी का ग्रह है।

आपके पास एक कल्पनाशील दिमाग और छठी इंद्रिय भी है। आप वास्तविक दुनिया की तुलना में अपनी कल्पना में अधिक आराम पाते हैं। आप अपनी खुशी फिल्मों, साहित्य या ऐसी किसी भी चीज में पाएंगे जो आपको वास्तविक दुनिया की कठोरता से दूर ले जा सके।

आप स्वभाव से अत्यधिक सहानुभूतिशील हैं, और आप दूसरों के दर्द को महसूस करने की क्षमता रखते हैं। आप बदले में कुछ भी उम्मीद किए बिना दूसरों की मदद करने से नहीं हिचकिचाते।

आपमें दूसरों को उनके दृष्टिकोण से आंकने की अद्वितीय क्षमता है। यदि कोई आपके प्रति बुरा या कठोर हो रहा है, तो प्रतिक्रिया करने के बजाय आप मूल कारण को समझने और उनके दृष्टिकोण से सोचने का प्रयास करेंगे। यह असाधारण क्षमता आपको दूसरों

के साथ विवादों से बचने और शांतिपूर्ण जीवन जीने की क्षमता देती है।

आपके सेंस ऑफ ह्यूमर और चुटकुलों में कुछ बौद्धिक गुण होते हैं। आपकी आलोचना को समझना भी मुश्किल है क्योंकि यह व्यंग्य से भरी हुई है।

आप एक अनुपस्थित दिमाग वाले व्यक्ति के रूप में भी सामने आ सकते हैं क्योंकि आप वास्तव में दूसरों की बात नहीं सुन रहे हैं और अपनी कल्पनाशील दुनिया और विचारों में तल्लीन हैं। इस कारण से, आपका सामाजिक जीवन या तो अस्तित्वहीन है या बहुत भ्रम से भरा हुआ है।

आप विनम्र, मृदु हृदय और संवेदनशील व्यक्ति हैं। आपके समझौता और मिलनसार रवैये को अक्सर आपकी कमजोरी समझा जाता है। मीन राशि अंतिम राशि है और इसलिए यह अपने व्यक्तित्व में सभी राशियों के गुणों का योग रखती है। यह सभी के साथ तालमेल साझा करता है और इसलिए आप सभी के प्रति दयालु हैं।

शुभ/अच्छे वर्ष : 6, 12, 24, 39, 56
अशुभ/बुरे वर्ष : 8, 13, 36, 48

कुंडली सार - आरूढ़ लग्न

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀
सिंह अरुधा लग्न
❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀

आपका अरुधा लग्न सिंह है!

आपका व्यक्तित्व, व्यवहार और स्वभाव आपके परिवार या करीबी लोगों को अच्छी तरह से पता है। लेकिन जो लोग आपको नहीं जानते, वे आपकी छवि को कैसे देखते हैं, यह अरुधा लग्न में प्रकट होता है।

आपका अरुधा लग्न आपके वास्तविक स्व के बारे में नहीं है, बल्कि यह इस बारे में है कि दुनिया आपके बारे में क्या सोचती है। तो, निम्नलिखित गुण आपके पास हो सकते हैं या नहीं भी हो सकते हैं, लेकिन दूसरे आप में इन गुणों को देखते हैं:

आपके व्यक्तित्व में शाही आकर्षण का एक निश्चित स्तर है जो दूसरों को आकर्षक लगता है। आप हंसमुख और आकर्षक और किसी भी स्थिति में आत्मविश्वासी हैं। आप अहंकारी, शक्तिशाली, बहादुर और कठोर हैं। आप यात्रा के शौकीन, स्वतंत्र विचारक, साहित्य प्रेमी, दार्शनिक ज्ञान के शौकीन हैं।

आप अपने बारे में काफी जागरूक हैं। आप उस छवि के प्रति सचेत हैं जिसे आप दुनिया के सामने पेश करते हैं। आप जीवन को एक ऐसे मंच के रूप में लेते हैं जहां आपको हमेशा एक अच्छा प्रभाव डालना होता है। यही कारण है कि आप महत्वाकांक्षी हैं और आप जिस किसी भी चीज में शामिल हैं, उसमें अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रवृत्ति रखते हैं।

आपका नाटकीय व्यक्तित्व है। आप नखरे और भावनाओं से भरे हुए हैं। क्रोध और आक्रामकता आपके व्यक्तित्व के कमजोर क्षेत्र हैं। आप अपने निर्णयों और धन को लेकर आवेगी होते हैं। आप बहुत आशावादी और आत्मनिर्भर हैं। आपके पास अपने जीवन की लगभग सभी समस्याओं का समाधान है। आप लगातार इस बात में रुचि रखते हैं कि आपके सामाजिक दायरे में कौन क्या कर रहा

है। आप दूसरों पर हावी होना पसंद करते हैं।

आप अति-आशावादी हैं। आप वास्तविक और व्यावहारिक दृष्टिकोण से बहुत दूर हैं। जीवन के प्रति आपका नाटकीय दृष्टिकोण कभी-कभी आपको वास्तविकता से दूर कर देता है। आप नाटक में फंस जाते हैं और वास्तविक चीज़ों से बेखबर हो जाते हैं।

आप हंसमुख, सहज और विनोदी हैं। आप उन पर अपना प्यार बरसाते हैं जो आपकी प्रशंसा करते हैं और आपको महत्व देते हैं। आपकी उम्र चाहे जो भी हो, आप स्वभाव से बच्चों की तरह होते हैं। आप काफी उदार और दयालु हैं। आप हमेशा के लिए युवा दिखना चाहते हैं और चाहते हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁
क्या है अरूधा लग्न
❁❁❁❁❁❁❁❁❁

लग्न सत्य पीठ या सत्य की स्थिति है। अरूधा लग्न माया पीठ या भ्रम की स्थिति है। दोनों आपके स्वयं का प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन वे अलग-अलग संस्करणों या स्वयं की वास्तविकता के लिए खड़े हैं। लग्न आपके वास्तविक स्व के बारे में है और अरूधा लग्न कथित स्व के बारे में है। अरूधा लगन "स्वयं, जैसा कि इस माया दुनिया द्वारा माना जाता है" के बारे में है।

अरूधा लग्न मूल रूप से जातक के बारे में दुनिया की धारणाओं और भ्रम को दर्शाता है और यह जीवन के कई भौतिक पहलुओं के लिए उपयोगी है।

लग्न सच्चे स्व को दर्शाता है। कोई बुद्धिमान है या नहीं, इसका संबंध सच्चे स्व से है। लेकिन कोई प्रतियोगी परीक्षा में सफल होता है या नहीं, यह कथित स्वयं से संबंधित है। एक बुद्धिमान व्यक्ति असफल हो सकता है और औसत बुद्धि वाला व्यक्ति सफल हो सकता है। यह धारणाओं से संबंधित है। इसलिए लग्न का उपयोग किसी की बुद्धि का निर्धारण करते समय एक संदर्भ के रूप में किया जाता है, और अरूधा लग्न का उपयोग प्रतिस्पर्धा और प्रसिद्धि में सफलता का निर्धारण करते समय किया जाता है।

बाहरी प्रभाव आंतरिक सत्य से अधिक मायने रखते हैं। लोग किसी व्यक्ति को कैसे देखते हैं यह इस भौतिक संसार के भ्रमों से निर्धारित होता है। वे धारणाएं केवल भ्रम हैं, और वास्तविकता उनसे भिन्न हो सकती है। अरूधा हमें भौतिक दुनिया के भ्रम और वास्तविकता के बीच अंतर करने में मदद करती है।

कुंडली सार - गुलिक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी कुंडली में गुलिक पंचम भाव में है

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

विस्तुतिर्विधनोऽल्पायुषी क्षुद्रो नपुंसकः गुलिके सुतभावस्थे स्त्रीजितो नास्तिको भवेत् ६६

आपको अपने जीवन में लगातार संघर्षों का सामना करना पड़ेगा।

संतान और संतान से जुड़े मामले आपको परेशान करेंगे। संतान में देरी होगी, और आपको अपने बच्चों से संबंधित मुद्दों का भी सामना करना पड़ सकता है।

आपके जीवन में शैक्षिक अंतराल हो सकता है। ज्ञान संग्रह करना आपके लिए आसान नहीं होगा। हो सकता है कि आपको वह शिक्षा न मिले जिसके आप हकदार हैं या जिसकी आप आकांक्षा रखते हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

गुलिक के लिए उपाय

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

दीपं शिवालये भक्त्या गोधृतेन प्रदापयेत्।

महान ऋषि पाराशर के अनुसार, शाम को नियमित रूप से भगवान शिव की पूजा करनी चाहिए, सुबह भगवान सूर्य और भगवान विष्णु को प्रणाम करना चाहिए, और एक मंदिर में भगवान शिव के सामने 'घी' का पवित्र दीपक जलाना चाहिए। यह गुलिक के प्रतिकूल स्वभाव से उत्पन्न होने वाली बुराई को ढाल देगा।

कुंडली सार - युति

शनि + शुक्र

आपकी कुंडली में शनि-शुक्र की युति है क्योंकि शनि और शुक्र एक ही घर में हैं। शनि परिश्रम और न्याय है, शुक्र भौतिकवाद और प्रेम है। यह अनिवार्य रूप से एक ऐसे व्यक्ति को दर्शाता है जो बहुत मेहनत करेगा और बहुत अधिक धन और भाग्य पैदा करेगा। यह एक बहुत ही शुभ संयोग है और आमतौर पर ऐसे लोगों में देखा जाता है जो जाने से पहले अपने जीवन में एक विरासत का निर्माण करते हैं।

ये दोनों मित्र ग्रह हैं लेकिन शुक्र लाभकारी है जबकि शनि लाभकारी नहीं है। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र और शनि एक साथ एक घर में होते हैं, वे अक्सर कलाकार होते हैं। ऐसे व्यक्ति के पास एक अच्छा कौशल और ललित कलाओं में रुचि होगी, विशेष रूप से ड्राइंग, पेंटिंग और स्कल्पटिंग। शनि और शुक्र का मिलन भी व्यक्ति को बौद्धिक बनाता है। ऐसे ग्रहों के संयोजन वाले लोगों को यात्रा करना और दुनिया को देखना पसंद है। इसके अलावा, वे साहसी हैं और चुनौतियों से लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह संयोजन कभी-कभी जीवनसाथी / प्रियजनों से अलगाव का कारण भी बन सकता है।

वैवाहिक जीवन के संबंध में प्रतिकूल होने के कारण व्यक्ति घरेलू आनंद का आनंद लेने के लिए संघर्ष कर सकता है। साथी के साथ अक्सर कलह होती है और प्यार में शारीरिक संतुष्टि की कमी होती है। उनका विवाहित जीवन चुनौतियों और परीक्षणों की एक श्रृंखला है। व्यर्थ और एकांत की भावना के साथ व्यक्ति को एक अकेले व्यक्ति की तरह रहना पड़ सकता है। इसके अलावा, व्यक्ति सुख-सुविधाओं का त्याग करता है और जीवन में एक कठिन रास्ता चुनता है जो जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं से भरा होता है। हालांकि, जब यह संयोजन सकारात्मक होता है, तो व्यक्ति का विवाह या साथी धन का स्रोत बन जाता है, जिससे समृद्धि होती है।

सूर्य + बुध

आपकी कुंडली में सूर्य-बुध की युति है क्योंकि सूर्य और बुध एक ही घर में हैं। यह प्रसिद्ध बुध-आदित्य योग है। यह एक सकारात्मक संयोजन है। व्यक्ति एक विद्वान व्यक्ति होगा और नाम और प्रसिद्धि पाने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करेगा। व्यक्ति में

असाधारण संचार और बोलने की क्षमता है।

यह संयोजन सामान्यतः देखा जाता है क्योंकि सूर्य और बुध हमेशा पास होते हैं। उन क्षेत्रों में अच्छी सफलता देखी जाती है जहां संचार सर्वोपरि है। यदि आपके करियर के लिए लिखित या मौखिक संचार की आवश्यकता है, तो आपको अपार सफलता मिलेगी।

यह संयोजन नेतृत्व और प्रशासनिक गुणों को बढ़ाता है। लोग आपकी सलाह और निर्देशों का पालन करेंगे। लोग आपकी बुद्धिमत्ता और तेजी से निर्णय लेने की क्षमताओं की प्रशंसा करते हैं।

अनफा योग

आपकी कुंडली में शुभ अनाफा योग है क्योंकि आपकी कुंडली में चंद्रमा से बारहवें घर में कम से कम एक ग्रह है।

वैदिक ज्योतिष में चंद्रमा मन पर शासन करता है। जब कुंडली में इसके दोनों ओर के ग्रह अच्छी तरह से समर्थित हों तो चंद्रमा मजबूत होता है। जब चंद्रमा से बारहवें घर में ग्रह हों तो यह कुंडली की ताकत को बहुत बढ़ा देता है। एक खुश चंद्रमा एक शांत अवचेतन के साथ-साथ बहुतायत और भौतिक समृद्धि का सूचक है।

खुश अवचेतन और अच्छी तरह से मजबूत चंद्रमा का आपके सोच पैटर्न और परिणामी कार्यों पर सीधा सकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

यह योग आध्यात्मिक विकास और आंतरिक जागरूकता को बढ़ाता है

समाज में प्रसिद्धि और सम्मान

चंद्रमा के पास महत्वपूर्ण ग्रह विशेष रूप से चंद्रमा से 12 वें स्थान पर होने का अर्थ है कि इस जीवन काल में पिछले जन्म कर्मों के आधार पर भाग्य का होना। इस जीवन काल में परिणामी प्रभाव एक असाधारण मानसिक शक्ति, प्रतिभा और क्षमता है जिसका उपयोग आप एक मजबूत सामाजिक और पेशेवर जीवन के निर्माण के लिए करेंगे।

प्रसिद्ध लोग जिनकी कुंडली में यह योग है: थियोडोर रूजवेल्ट और भारतीय रहस्यवादी रामकृष्ण परमहंस

पर्वत योग

आपकी कुंडली में शुभ पर्वत योग है क्योंकि केंद्र में शुभ ग्रह है और आपकी कुंडली में छठे / आठवें भाव या तो खाली हैं या लाभकारी ग्रहों द्वारा कब्जा कर लिया गया है।

यह योग जीवन में धन और समृद्धि का आश्वासन देता है

आप उदार, परोपकारी, विनोदी और समाज में आदर और प्रशंसा पाने वाले हैं

➤ आप अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में अत्यधिक भावुक हैं

आपका सार्वजनिक जीवन अच्छा रहेगा, कोई शत्रु नहीं होगा

वासी योग

आपकी कुंडली में शुभ वशी योग है क्योंकि चंद्रमा के अलावा अन्य ग्रह आपकी कुंडली में सूर्य से बारहवें घर में हैं।

आप बुद्धिमान और गुणी हैं।

आप कुशल, परिपक्व और दयालु हैं

➤ आपके पास बहुत अच्छा लिखित या बोलने का कौशल है

आपको एक अच्छा पारिवारिक जीवन प्राप्त होगा

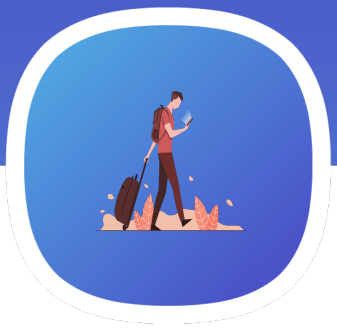

उभयचरी योग

आपकी कुंडली में शुभ ओभयाचारी योग है क्योंकि आपकी कुंडली में चंद्रमा के अलावा अन्य ग्रह सूर्य के दोनों ओर मौजूद हैं।

आप अपने जीवन का आनंद लेंगे और यात्रा करने के शौकीन होंगे

➤ आप एक अच्छे वक्ता हैं और अपने हास्य और बात करने के तरीके से दूसरों को प्रभावित कर सकते हैं

➤ आप बहुत से लोगों द्वारा प्रशंसित हैं और लोकप्रिय भी हैं

आप इस जीवन में धन और ऐश्वर्य का संचय करेंगे

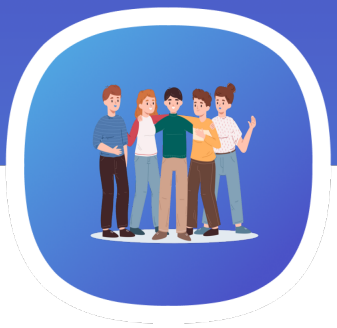

नभासा पासा योग

आपकी कुंडली में शुभ नभास पास योग है। यह योग आपकी कुंडली में बन रहा है क्योंकि सभी ग्रह (राहु और केतु को छोड़कर) पांच राशियों में स्थित हैं।

अच्छा सामाजिक जीवन

➤अच्छे दोस्तों और परिवार के साथ धन्य

धन और समृद्धि

नभासा दल सर्प योग

आपकी कुण्डली में अशुभ नभास दला सर्प योग है। यह योग आपकी कुण्डली में इसलिए बन रहा है क्योंकि सभी अशुभ ग्रह केन्द्र भाव में विराजमान हैं।

क्रूर
दुश्मनों से घिरा
जीवन में बाधाएं

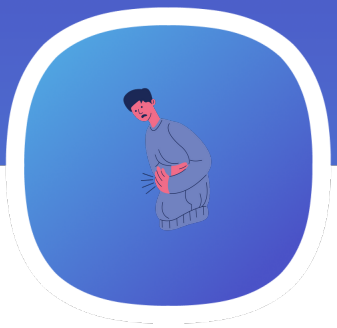

देहस्थूल्य योग 2

आपकी कुण्डली में अशुभ देहस्तौल्य योग है। यह योग आपकी कुण्डली में बन रहा है, क्योंकि गुरु लग्न में स्थित है या जल राशि से लग्न को देख रहा है।

कमजोर शारीरिक निर्मित

➤ चयापचय संबंधी समस्याओं की संभावना

कमजोर पाचन

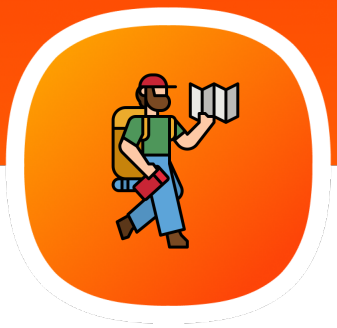

सदा संचार योग

आपकी कुण्डली में शुभ सदा संचार योग है। यह योग आपकी कुण्डली में बन रहा है, क्योंकि लग्न स्वामी चल राशि में स्थित है या लग्न स्वयं चल राशि है।

खानाबदोश जीवन

आपको स्थिर या उबाऊ जीवन पसंद नहीं है

यात्रा करने और नई जगहों की खोज करने का शौक

विदेश यात्रा और स्थानांतरण

जरा योग

आपकी कुण्डली में जरा योग है। आपकी कुण्डली में यह योग बन रहा है, क्योंकि दसवें भाव में दसवें, दूसरे या सातवें भाव के स्वामी स्थित हैं।

इस जीवन में एक से अधिक लोगों के साथ रोमांटिक संबंध
इस जीवन में कम से कम एक टूटा हुआ रोमांटिक रिश्ता जो दुख का कारण बन सकता है

सतकलत्र योग

आपकी कुण्डली में शुभ सतकलत्र योग है। आपकी कुण्डली में यह योग बन रहा है, क्योंकि सप्तम भाव (या शुक्र) का स्वामी गुरू या बुध से युति या दृष्टि में है।

अच्छा जीवनसाथी

घर में सद्भाव और शांति

दांपत्य जीवन में प्यार और खुशियां

राज योग 21

आपकी कुण्डली में शुभ राज योग है। यह योग आपकी कुण्डली में बन रहा है, क्योंकि त्रिकोण भाव का स्वामी केन्द्र भाव में विराजमान है।

धन और ऐश्वर्य

सरकार से लाभ

समृद्धि और बहुतायत

मान्यता और सामाजिक स्थिति

राज योग 22

आपकी कुण्डली में शुभ राज योग है। यह योग आपकी कुण्डली में बन रहा है, क्योंकि केन्द्र भाव का स्वामी त्रिकोण भाव में विराजमान है।

धन और ऐश्वर्य

सरकार से लाभ

समृद्धि और बहुतायत

मान्यता और सामाजिक स्थिति

वेशि योग

आपकी कुंडली में शुभ वेसि योग है क्योंकि चंद्रमा के अलावा अन्य ग्रह आपकी कुंडली में सूर्य से दूसरे भाव में हैं।

आपको सौभाग्य और समृद्धि का आशीर्वाद प्राप्त होगा

आप एक स्व-निर्मित व्यक्ति हैं जो अपने दृढ़ निश्चय और कड़ी मेहनत के कारण जीवन में बहुत आगे बढ़ेंगे

आप एक विकसित आत्मा हैं और अध्यात्म या मनोगत में अच्छी रुचि रखते हैं

आप अपने निजी और पेशेवर जीवन के बीच एक अच्छा संतुलन बनाएंगे

आप इस जीवन का एक अच्छा हिस्सा आत्म-साक्षात्कार और आंतरिक विकास में व्यतीत करेंगे

बुधादित्य योग

आपकी कुंडली में शुभ बुध आदित्य योग है क्योंकि आपकी कुंडली में सूर्य और बुध की युति है।

बुद्धिमान

कुशल

अच्छी प्रतिष्ठा

आराम और ऐश्वर्य

जीवन में खुशियाँ

गुरू मंगल योग

आपकी कुंडली में शुभ गुरू मंगल योग है। यह योग आपकी कुंडली में बन रहा है, क्योंकि बृहस्पति और मंगल या तो एक ही घर में हैं या एक दूसरे पर दृष्टि डाल रहे हैं।

➤ अपने कार्यक्षेत्र के विशेषज्ञ

निडर

जानकार

कठिनाइयों और बाधाओं को दूर करने की क्षमता

सफल

सूर्य

सूर्य प्रतिनिधित्व

Me, सूर्य प्रतीक नेतृत्व, पिता, आत्मा, सरकार.

सूर्य आपकी कुंडली में 21° डिग्री, आश्लेषा नक्षत्र, दृष्टि । राहु

सूर्य राशि:कर्क

कर्क राशि में सूर्य

कर्क एक जल राशि है, और इसका स्वामी चंद्रमा है, जो एक स्त्री जल ग्रह है। सूर्य ज्वलंत पुरुष ग्रह है लेकिन यह चंद्रमा के साथ एक दोस्ताना संबंध साझा करता है। विरोधाभासी ऊर्जाओं के बावजूद, ये ग्रह एक-दूसरे को संतुलित करते हैं, जैसे कि हमारे माता और पिता एक साथ काम करते हैं। चंद्रमा के प्रभाव के साथ, व्यक्ति के पास आमतौर पर एक चंचल और खानाबदोश दिमाग होता है। उन्हें दृढ़ निर्णय लेना मुश्किल लगता है और यह पहलू उनके जीवन को बाधित करता है। व्यक्ति राजा के गुणों के साथ पैदा होता है और बहुत प्रसिद्धि अर्जित करता है। वह शादी या जीवन साथी से जुड़े प्यार और खुशी का आनंद लेने के लिए संघर्ष करता है।

कर्क राशि में सूर्य के साथ लोग गुणी और कुशल होते हैं। वे जीवन में एक पवित्र मार्ग का अनुसरण करते हैं और नैतिक सिद्धांतों का पालन करते हैं। ऐसे लोग अच्छे दिखने वाले होते हैं और एक चुंबकीय व्यक्तित्व रखते हैं। अंतरिक्ष और वातावरण से संबंधित गतिविधियाँ उन्हें बहुत रुचि देती हैं, इसलिए वे वैज्ञानिक या शोधकर्ता या भौतिक विज्ञानी जैसे व्यवसायों में अच्छा करेंगे। वे कलाकार भी बन सकते हैं क्योंकि उन्हें कला और रचनात्मक क्षेत्र में गहरी रुचि है। इन लोगों को हालांकि अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए सामान्य से अधिक कठिन परिश्रम करना पड़ता है और यह उन्हें कई बार परेशान करता है। कुल मिलाकर, यह एक सकारात्मक संयोजन है।

सूर्य स्थान:दूसरा भाव

वैदिक ज्योतिष में दूसरा घर वित्त, परिवार, भोजन आदि के बारे में है। व्यक्ति आर्थिक रूप से स्वतंत्र होना चाहता है, व्यापार से या सरकार से पैसा कमाएगा। वह व्यक्ति सरकार का प्रवक्ता बन सकता है। व्यक्ति शाही भोजन खाना पसंद कर सकता है या अलग भोजन खाना पसंद कर सकता है। धन की प्रबल इच्छा देखी जा सकती है। यदि सूर्य कमजोर है, तो आंखों के लिए परेशानी हो सकती है, चेहरे के क्षेत्र में समस्याएं जैसे जलन। वाणी में दोष हो सकता है। विचारों को व्यक्त करने में कठिनाई।

फलादीपिका के अनुसार, जिस व्यक्ति की कुंडली में सूर्य दूसरे घर में है, वह इस जीवन में ज्यादा नहीं सीखेगा, वह मुखर होगा और हकलाने जैसी बातें कर सकता है

सूर्य स्वामी:तीसरा भाव

साहसी और बहादुर। व्यक्ति रोमांच से प्यार करता है और उसके पास रोमांच से भरा जीवन होगा। वह एक निर्भीक वक्ता होंगे। वह एक परिपक्व व्यक्ति होगा। प्रभावी ढंग से और आधिकारिक रूप से बोलने की उनकी क्षमताओं के कारण, उनके कई दोस्त और अनुयायी होंगे। वे अभिव्यंजक वक्ता होंगे और बहुत प्रभावी ढंग से संवाद करेंगे। वह कोई जिम्मेदारी लेने से नहीं हिचकिचाएगा और हिम्मत से स्थिति को संभालेगा। उसके कम भाई-बहन होंगे। एक अच्छी तरह से निर्मित काया और व्यक्तित्व। उसे विशेष रूप से सरकारी एजेंसियों के लिए लेखन के प्रति जुनून हो सकता है।

सूर्य स्वामी:तीसरा भाव स्थान:दूसरा भाव

वीरता या भाषण के माध्यम से धन का संचय। प्रभावशाली और आक्रामक तरीके से बात करना।

सूर्य जैमिनी सूत्रा | भ्रात्रकारक

Sun is the Bhratrakaraka planet in your chart as it occupies the 3rd highest degree after Atmakaraka. Sun signify Authority, Father , Status & Vitality. It indicates authoritative father or siblings having profession related to Government servant, Administrative officer, Magistrate, Doctor, Politician, Teacher etc.

WHAT IS BHRATRAKARAKA

Karaka means indicator, to make or do, to produce or create, and also that which is instrumental in bringing about an action. The Bhratrakaraka planet is the indicator of Father & Siblings. The Bhratrakaraka planet will govern the kind of father or siblings you have and the kind of relationship you have with them.

चन्द्र

चन्द्र प्रतिनिधित्व

Me, चन्द्र प्रतीक माँ, भावनाएँ, मन, देखभाल.

चन्द्र आपकी कुंडली में 2° डिग्री, पूर्वभाद्रपदा नक्षत्र, दृष्टि । मंगल, शनि, राहु

चन्द्र राशि:मीन

मीन राशि में चंद्रमा

मीन एक भावनात्मक राशि है और मीन का यह पहलू तब बढ़ जाता है जब चंद्रमा इस राशि में होता है क्योंकि चंद्रमा भी भावनाओं से संबंधित होता है। चंद्रमा के साथ मित्रवत संबंध साझा करने वाला बृहस्पति मीन राशि का स्वामी है।

कुल मिलाकर, चंद्रमा की यह स्थिति व्यक्ति के लिए अच्छा काम करती है। हालांकि, ऐसे लोग उच्च उम्मीदों को स्थापित करते हैं, दोनों दूसरों से और साथ ही खुद से भी। इस उच्च अपेक्षा से मानसिक शांति की कमी हो सकती है। ये लोग अत्यधिक संवेदनशील होते हैं और बहुत सोचते हैं। वे अपने आस-पास के वातावरण में भावनाओं को महसूस कर सकते हैं। वे अत्यधिक सशक्त और चौकस हैं। वे परिवेश और आसपास के लोगों को सावधानी से अवशोषित करते हैं।

उनके पास एक मजबूत अंतर्ज्ञान भी है, इसलिए अक्सर वे अवचेतन स्तर पर लोगों के साथ जुड़ सकते हैं। उन्हें हमेशा दूसरे व्यक्ति की मनःस्थिति को समझने के लिए मौखिक संचार या स्वीकारोक्ति की आवश्यकता नहीं होती है। वे अच्छे मनोविज्ञान के हो सकते हैं। ये लोग ललित कला और संगीत जैसे रचनात्मक क्षेत्रों में भी अच्छा करते हैं। आध्यात्मिक शास्त्रों का उनका ज्ञान भी असाधारण है। ये लोग एक स्वतंत्र जीवन जीना चाहते हैं, सुखद और खुशहाल चीजों से भरा जीवन। वे स्वभाव से बहुत विनम्र होते हैं और जीवन में बहुत खुशी और धन कमाते हैं। चंद्रमा की यह स्थिति मजबूत धार्मिक प्रवृत्ति और नौकायन के प्रति झुकाव भी देती है।

चन्द्र स्थान:दसवां भाव

दशम भाव पेशे, वर्तमान कर्म, सार्वजनिक जीवन आदि को दर्शाता है। उनकी प्राथमिक प्रेरणा अधिकार, शक्ति और उनके लक्ष्य हैं। अच्छी सार्वजनिक छवि रखने और लोगों के साथ संवाद करने की इच्छा रखने की तीव्र लालसा भी है। वे भौतिक सफलता प्राप्त करेंगे। वे सहकर्मियों से भावनात्मक रूप से जुड़े होंगे। वे अपनी नौकरी को लेकर संवेदनशील हैं। कार्यस्थल में उनके लिए दोस्त बनाना आसान होगा। उन्हें कार्य स्थल या कार्यालय में साजिश और राजनीति के अधीन किया जाएगा। कुंडली में अकेला चंद्रमा होना अच्छा नहीं है। (किसी भी ग्रह के बिना दोनों तरफ)। चंद्रमा पर कुछ मजबूत पहलू या द्रष्टि होनी चाहिए। अन्यथा करियर में बहुत उतार-चढ़ाव आएंगे। स्थिर कैरियर की कमी उनके जीवन को बर्बाद कर सकती है। दशम भाव कर्मों के बारे में भी है। ये व्यक्ति सार्वजनिक रूप से रहना पसंद करते हैं और वे बहिर्मुखी होते हैं। सामाजिक सुधारों पर काम करने, दूसरों की मदद करने आदि की प्रबल इच्छा हो सकती है। वे स्वभाव से बहुत कूटनीतिक होंगे। उनकी माँ बहुत कैरियर उन्मुख व्यक्ति हो सकती हैं। हो सकता है कि उस व्यक्ति को माँ से घर में आवश्यक पोषण न मिला हो। चंद्रमा भी 'अन्नकारक' है। यह भोजन को दर्शाता है। उनके लिए उपयुक्त व्यवसाय होटल उद्योग, कृषि, दूध / दूध उत्पाद, फार्मास्यूटिकल्स, दवा निर्माण, रसायन आदि हैं।

फलादीपिका के अनुसार, व्यक्ति अपने शत्रुओं पर विजयी होगा और अपने सभी उपक्रमों में सफलता प्राप्त करेगा। वह धर्म-कर्म में लगा रहेगा और अच्छे लोगों का समर्थक होगा।

चन्द्र स्वामी:दूसरा भाव

दूसरा घर वित्त, परिवार, भोजन की आदतों, भाषण आदि का प्रतिनिधित्व करता है। कुंडली में इस संयोजन वाले लोगों के लिए, परिवार सबसे महत्वपूर्ण पहलू है। वे अपने परिवार से प्यार करते हैं और भावनात्मक रूप से उनसे जुड़े होते हैं। वे मधुर भाषण और अंतर्मुखी के साथ मृदुभाषी हो सकते हैं। दूसरा घर शिक्षा या घर पर प्राप्त शिक्षाओं के बारे में भी है। वे घर पर आराम और पोषण का आनंद लेंगे। उनके जीवन में माँ का एक मजबूत प्रभाव होगा। उनकी रचनात्मक प्रतिभा बचपन में देखी जाती है। पैसों के मामलों में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। उन्हें भावनात्मक रूप से खर्च नहीं करना चाहिए। वे विशेष रूप से परिवार के लिए बहुत खर्च करेंगे। एक मौका है कि वे लॉटरी की तरह अचानक और अप्रत्याशित धन प्राप्त कर सकते हैं। उन्हें मनोगत अध्ययन में भी रुचि हो सकती है। वे जूस, पेय, दूध और दूध उत्पादों के शौकीन होंगे।

चन्द्र स्वामी:दूसरा भाव स्थान:दसवां भाव

मास कम्युनिकेशन या मार्केटिंग या सोशल मीडिया मार्केटिंग से संबंधित व्यवसायों में सफलता देखी जाती है। परिवार और आपके काम के बीच एक मजबूत संबंध है। पारिवारिक व्यवसाय में अच्छी सफलता देखने को मिलती है। सरकार या पिता से धन / लाभ। पेशेवर जीवन आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण होगा।

चन्द्र जैमिनी सूत्रा | दारा कारक

Moon is the Darakaraka planet in your chart as it occupies the 7th highest degree after Atmakaraka. Moon

signify Mother, Emotions , Mind & Care. It indicates caring and emotional spouse having profession related to mental work, Philosopher, Spiritual Person, Business in Liquids or Big Bureaucrats. Your partnerships in the fields related to mind/care/psychology/public service is indicated.

WHAT IS DARAKARAKA

Karaka means indicator, to make or do, to produce or create, and also that which is instrumental in bringing about an action. The Darakaraka planet is the indicator of Marriage & Partnerships.

मंगल

मंगल प्रतिनिधित्व

Me, मंगल प्रतीक शारीरिक शक्ति, रक्त, आक्रामकता, साहस और भाई.

मंगल आपकी कुंडली में 13° डिग्री, मघा नक्षत्र, दृष्टि I गुरू, शनि

मंगल राशि:सिंह

सिंह राशि में मंगल

सिंह राशि का स्वामी सूर्य है, जो मंगल के साथ अनुकूल है। मंगल और सूर्य दोनों ही मर्दाना उग्र ग्रह हैं। यह एक सकारात्मक संयोजन है क्योंकि व्यक्ति को मंगल से योग्यता और सूर्य से चमकने का आत्मविश्वास मिलता है। सिंह राशि में मंगल के साथ पैदा हुए लोग स्वभाव से काफी मद्दगार और उदार होते हैं। वे चतुर और बुद्धिमान हैं और अपनी क्षमताओं का बुद्धिमानी से उपयोग करना जानते हैं। ये लोग अपने मन में कई तरह के हथकंडे और विचार रखते हैं।

मंगल की यह स्थिति यात्रा का शौक भी दिलाती है। व्यक्ति पहाड़ी स्थानों और जंगलों में जाना पसंद करता है। सिंह राशि में मंगल के साथ कविता और ललित कलाओं में गहरी रुचि संभव है। यहां मंगल सीखने की एक बड़ी क्षमता देता है।

उनकी शारीरिक ऊर्जा असीम है और उनकी रचनात्मकता अपार है। इन लोगों में दृढ़ इच्छाशक्ति और आत्मविश्वास भी होता है। उनके व्यक्तित्व में नेतृत्व की गुणवत्ता घनीभूत होती है। यद्यपि वे शारीरिक रूप से प्रदर्शनकारी हो सकते हैं, वे अंदर से काफी स्नेही प्राणी हैं। ये लोग हमेशा उत्साहित मूड में रहते हैं और अपने आस-पास की खुशहाली और खुशी बनाए रखते हैं। सिंह राशि के लोग अपनी यौन क्षमताओं पर गर्व करते हैं। जुनून और गर्व की अधिकता उन्हें बदनामी और परेशानियां ला सकती है।

मंगल स्थान:तीसरा भाव

तृतीय भाव साहस, आत्म प्रयास, संचार, भाइयों आदि को दर्शाता है। तृतीय भाव में मंगल किसी भी कुंडली में एक अच्छा संयोग है। लेकिन मंगल अनुकूल होना चाहिए। इस घर में मंगल व्यक्ति को निडर संचारक बनाता है जो पत्रकारिता, पुलिस, गुप्त सेवाओं के क्षेत्र में मदद करता है। वे वाद-विवाद में अच्छे रहेंगे। उन्हें विभिन्न स्थानों की यात्रा करना भी पसंद है। वे स्पोर्ट्समैन के रूप में अच्छा करेंगे क्योंकि तीसरा घर पूर्ण रूप से मंगल ऊर्जा का उपयोग करता है। उनके सह-जन्म विशेषकर छोटे भाई-बहन भी स्वभाव से बहुत साहसी और प्रतिस्पर्धी होंगे और व्यक्ति से लाभान्वित होंगे।

फलदीपिका के अनुसार, व्यक्ति गुणों से लैस होगा, शक्तिशाली, प्रसन्न और बहादुर होगा। वह दूसरों के वश में नहीं होगा। लेकिन वह भाइयों की खुशी से वंचित रह जाएगा।

मंगल स्वामी:ग्यारहवां भाव

ग्यारहवां घर लाभ, इच्छाओं, उपलब्धियों आदि के बारे में है। वे अत्यधिक ऊर्जावान और उत्साही होंगे। वे अत्यधिक आश्वस्त होंगे और उन्हें लगता है कि उनके लिए कुछ भी हासिल करना असंभव नहीं है। वे बहुत घमंडी भी बन सकते हैं। अगर वे अपने अहंकार को नियंत्रित करते हैं, तो वे अपने करियर में शानदार प्रदर्शन करेंगे। ज्यादातर वे किसी और के लिए काम करने के बजाय व्यवसाय या खुद कुछ करना पसंद करते हैं। वे कड़ी मेहनत में विश्वास नहीं करते हैं लेकिन वे अपने काम को बहुत प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में अच्छे होंगे। वे अत्यधिक भावुक होंगे और वे विपरीत लिंग को आसानी से आकर्षित करते हैं। उनके साथ असामान्य यौन प्रवृत्ति हो सकती है। उनके कई साथी हो सकते हैं। मित्र मंडली के भीतर, वे बहुत सक्रिय / लोकप्रिय होंगे। उन्हें बोरिंग लोग पसंद नहीं हैं।

वे राजनीति, रियल एस्टेट, इंजीनियरिंग उद्योग, विस्फोटकों, हथियारों और गोला-बारूद, कृषि उत्पादों, सुरक्षा सेवाओं, रक्षा, तांबे के उत्पादों और चिकित्सा उपकरणों से लाभ कमाते हैं।

मंगल स्वामी:ग्यारहवां भाव स्थान:तीसरा भाव

संचार और बहादुरी (खेल, सेना आदि) के क्षेत्र के माध्यम से वित्तीय लाभ। भाई-बहनों के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध। वित्तीय सफलता के मार्ग में संघर्ष और बाधाएँ। पत्रकारिता या लेखन से जुड़े लोगों के लिए अच्छा संयोग है।

मंगल स्वामी:छठा भाव

छठा भाव रोगों, संघर्षों, शत्रुओं, ऋण, प्रतिस्पर्धा आदि का द्योतक है। यह एक युद्ध के मैदान की तरह है। यहां मंगल की ऊर्जा बहुत आरामदायक होगी। खिलाड़ियों के लिए यह स्थिति अच्छी होगी, क्योंकि इससे उन्हें प्रतियोगिता जीतने में मदद मिलेगी। विरोधियों पर काबू पाने के लिए उनके पास मजबूत प्रवृत्ति होगी। छठा घर दसवें घर का पूरक है। यह सेवा का घर है। व्यक्ति अपने कार्य स्थल पर बहुत सक्रिय और प्रतिस्पर्धी होगा। दूसरों के लिए उनकी प्रतिस्पर्धी भावना से मेल खाना बहुत मुश्किल होगा। वे दूसरों पर हावी होने की कोशिश कर सकते हैं। वे उन लोगों को पसंद नहीं कर सकते हैं जो उन्हें निर्देश देते हैं। उन्हें टीम वर्क के माहौल में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। वे कठिन तरीके से धन अर्जित करते हैं। वे ऋण के माध्यम से भूमि, संपत्ति प्राप्त कर

सकते हैं। वे बल या मजबूरी से शत्रु से भूमि भी प्राप्त कर सकते हैं। वे अपनी आक्रामकता के कारण घाव या चोट का भी सामना करते हैं। उन्हें कुछ सर्जरी का भी सामना करना पड़ सकता है।

मंगल स्वामी:छठा भाव स्थान:तीसरा भाव

भाई-बहन के साथ कठिन संबंध। छोटी आवश्यकताओं के लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता होगी। संचार या बोलने (शारीरिक या भावनात्मक) के साथ मुद्दे। बाधाएं और देरी आपके जीवन का हिस्सा होगी। सोच समझकर बोलें।

मंगल जैमिनी सूत्रा | पुत्रकारक

Mars is the Putrakaraka planet in your chart as it occupies the 5th highest degree after Atmakaraka. Mars signify Courage , Physical Strength , Aggression ,Competitive Spirit & Brother.Your creativity/intelligence in the fields related to Engineering/Army/Police/Medical is indicated. It indicates wise and knowledgeable children having profession related to Engineering, Police, Military, Surgeon, Investigator.

WHAT IS PUTRAKARAKA

Karaka means indicator, to make or do, to produce or create, and also that which is instrumental in bringing about an action. The Putraakarka planet is the indicator of Children , Intelligence & Creativity. The Putrakaraka planet governs Progeny , Your creative side and your intelligence.

बुध

बुध प्रतिनिधित्व

Me, बुध प्रतीक शिक्षा, बुद्धि, द्वैतवाद, मित्र और भाषण.

बुध आपकी कुंडली में 9° डिग्री, पुष्य नक्षत्र, दृष्टि | राहु

अस्त बुध

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
बुध अस्त है या कमजोर
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

सूर्य से निकटता के कारण बुध ग्रह ने आपकी कुंडली में अपनी शक्ति खो दी है। यह एक नकारात्मक संयोजन है। यह बुध ग्रह से संबंधित मामलों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। एक सिद्धांत है कि बुध कभी अस्त नहीं होता है क्योंकि यह हमेशा सूर्य के पास होता है और यह एक सकारात्मक बुध आदित्य योग बनाता है। बुध सूर्य से कितनी दूर है, इस पर निर्भर करता है कि यह एक नकारात्मक स्थान है और बुध से संबंधित मामलों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। आपकी संचार प्रतिभा और कौशल को इस जीवनकाल में मदद की आवश्यकता होगी। गलत समय या गलत जगह पर बात करने की आपकी प्रवृत्ति हो सकती है। आपके जीवन में सच्चे दोस्तों की कमी हो सकती है। यह अक्सर उन लोगों से जुड़ा होता है जिनका जीवन भाषण, त्वचा, बुद्धि और दोस्तों के संबंध में कठिन होता है। यह आमतौर पर उन लोगों में देखा जाता है जिन्हें पुरानी त्वचा विकार है। चाहे आपके कपड़ों का रंग हो या आपकी कार का, हरे रंग से बचें।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
एक अस्त ग्रह क्या है
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

जब कोई ग्रह सूर्य के बहुत अधिक निकट हो जाता है, तो सूर्य के निकट होने के कारण वह अपनी किरणों को खो देता है। सूर्य की

किरणों से आच्छादित अस्त ग्रह को कमजोर ग्रह (स्वतंत्र रूप से कार्य करने के लिए कमजोर) माना जाता है। ऐसा ग्रह सूर्य के माध्यम से स्वयं को अभिव्यक्त करता है।

यदि आप मंच पर अकेले हैं, तो आप सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लेते हैं? उसी क्षण एक विश्व प्रसिद्ध हस्ती आती है और आपके बगल में खड़ी हो जाती है। क्या होगा? अचानक आप गैर-मौजूद प्रतीत होते हैं। यह एक ग्रह की स्थिति है जो शक्तिशाली सूर्य के करीब है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
अस्त ग्रह - विभिन्न भावों के स्वामी
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

प्रथम गृह स्वामी – कमजोर शारीरिक संरचना

दूसरा घर का मालिक - कमजोर पारिवारिक संबंध, वाणी की समस्या

तृतीय भाव का स्वामी – संचार में गलतफहमी, भाई-बहनों के साथ तनावपूर्ण संबंध

चतुर्थ भाव का स्वामी – माता के संबंध में कष्ट या अलगाव, शिक्षा में व्यवधान/ व्यवधान

पंचम भाव का स्वामी – संतान की समस्या, पेट की समस्या

छठे भाव का स्वामी – रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर, अधीनस्थों से परेशानी

सप्तम भाव का स्वामी - संबंध और विवाह में परेशानी

अष्टम भाव का स्वामी - साझेदारी या विवाह में समस्या

नवम भाव का स्वामी - पिता के संबंध में भाग्य में कमी, कष्ट या अलगाव का संकेत

दशम भाव का स्वामी – अधिकार या कार्यस्थल पर तनावपूर्ण संबंध

ग्यारहवें भाव का स्वामी – मित्र अधिक अनुकूल नहीं रहेंगे, सामान्य तौर पर लाभ कठिन रहेगा

बारहवें भाव का स्वामी - हानि या अलगाव की भावना।

बुध राशि:कर्क

कर्क राशि में बुध

कर्क राशि चंद्रमा के स्वामित्व वाली चलती जल राशि है। चंद्रमा बेलगाम भावनाओं और विचारों से संबंधित है। स्वामी ग्रह के प्रभाव से कर्क राशि वालों को मिजाज और दिशाहीन भावनाएं मिलती हैं लेकिन जब बुध, जो कि एक तटस्थ पृथ्वी राशि है, कर्क राशि में है, तो यह भावनाओं की तरंगों में स्थिरता लाता है। यह व्यक्ति को सही दिशा में भावनाओं और मन को केंद्रित करने के लिए ज्ञान के साथ जोड़ता है।

कर्क राशि में बुध व्यक्ति को गहरा विचारक बनाता है। ऐसा व्यक्ति भावुक होता है लेकिन मानसिक शक्ति और याददाश्त मजबूत होती है। वे बहुत ज्ञान प्राप्त करते हैं और जीवन में अपने व्यावहारिक अनुभवों से सीखते हैं।

ये लोग आसानी से नाम, दिनांक और ऐतिहासिक घटनाओं जैसी जानकारी को याद कर सकते हैं। वे दूसरों के प्रति काफी सहानुभूति रखते हैं और अच्छे श्रोता हैं। उनकी कल्पना विशाल और रचनात्मक है। उनके पास एक मजबूत अंतर्ज्ञान भी है जो उन्हें मनोवैज्ञानिक स्तर पर भी लोगों से जुड़ने में मदद करता है। ये लोग अपने प्रेमी या जीवनसाथी को लेकर काफी भावुक होते हैं। ये अपने साथी के प्रति वफादार और वफादार रहते हैं। वे देशभक्त भी हैं। वे अपने बोलने में काफी धाराप्रवाह हैं और मुखर संचारक हैं, जो हमेशा एक उत्तर के साथ तैयार रहते हैं।

बुध स्थान:दूसरा भाव

दूसरा घर भाषण, धन, परिवार, भोजन की आदतों का प्रतीक है। वे अद्भुत संचारक हैं, बहस में अच्छे हैं, उनके पास बहुत अच्छा तर्क कौशल होगा, लेकिन वे आलोचक भी हो सकते हैं। वे कई भाषाओं में पारंगत हो सकते हैं। यदि राहु या बारहवें घर के स्वामी के साथ बुध का संबंध है, तो वे विदेशी भाषा भी सीख सकते हैं। वे धन के मामलों में बहुत बुद्धिमान होंगे। वे वित्तीय लक्ष्यों पर अच्छी योजना बनाएंगे। इसलिए वे बैंकरों, धन प्रबंधकों, सलाहकारों आदि के रूप में अच्छा कर सकते हैं। व्यवसायी, उद्यमी, शिक्षक आदि के लिए स्थिति अच्छी होगी। वे गायक, कलाकार भी हो सकते हैं। वे स्वभाव से बहुत दानशील भी हो सकते हैं। दूसरे भाव में बुध का प्रभाव या दृष्टि अष्टम भाव पर है। वे अपनी बुद्धि और तर्क का उपयोग गुप्त विज्ञान या आध्यात्मिकता में भी करेंगे। वे ज्योतिष, दर्शन आदि विषयों में गहराई तक जा सकते हैं।

फलदीपिका के अनुसार, व्यक्ति अपनी बुद्धिमत्ता से अपनी आजीविका कमाता है। वह कविताओं की रचना करेंगे और अपने भाषण में सुसंस्कृत होंगे। उसे मीठा खाना बहुत पसंद होगा।

बुध स्वामी:प्रथम भाव

पहला घर व्यक्तित्व, शरीर, सिर आदि को दर्शाता है। बुध संचार और बुद्धि के बारे में है। बुध सक्षम बनाता है कि व्यक्ति को संवाद करने की अत्यधिक आवश्यकता है। पहला घर स्वयं के बारे में है, इसलिए वे अपनी भावनाओं और विचारों को जनता तक पहुंचाना चाहते हैं। वे बहुत चतुर, प्रतिभाशाली, कूटनीतिक लोग होंगे। वे बहुत कामुक होते हैं और उनमें हास्य की अच्छी समझ होती है। वे दिखने में अच्छे और बहुत युवा होंगे। उन्हें एक साथ कई काम करना पसंद है। उनके पास एक समय में एक से अधिक कार्य सोचने और करने की क्षमता है। लेकिन उनके साथ समस्या यह है कि वे किसी भी चीज़ में विशेषज्ञता हासिल नहीं कर सकते। वे कभी भी किसी एक क्षेत्र में महारत हासिल नहीं कर पाएंगे क्योंकि वे कई क्षेत्रों में जाना चाहते हैं। एक समूह में, वे लोकप्रिय चेहरा होंगे, क्योंकि वे कई चीजों को जानते हैं और वे विभिन्न विषयों पर बात कर सकते हैं। उनके पास व्यावसायिक कौशल और समस्या सुलझाने की क्षमता होगी। वे उद्यमी, राजनयिक, लेखक आदि बन सकते हैं।

बुध स्वामी:प्रथम भाव स्थान:दूसरा भाव

परिवार के लिए धन संचयकर्ता। परिवार की आवाज। धन सृजन जीवन का मुख्य उद्देश्य है। खाने का शौकीन ।

बुध स्वामी:चौथा भाव

चतुर्थ भाव सुख, घर, वाहन, भूमि, शिक्षा, माता आदि से संबंधित होता है। बुध व्यक्ति को अच्छी तरह से शिक्षित बनाता है। वे बहुत जल्दी सीखेंगे। उन्हें अपने परिवार और मातृभूमि के साथ गहरा भावनात्मक लगाव होगा। वे सभी प्रकार के संचार जैसे सड़क, रेल, दूरसंचार, इलेक्ट्रॉनिक्स, इंजीनियरिंग, वाणिज्य, विदेशी सेवाओं आदि से संबंधित शिक्षा में रुचि रख सकते हैं। साथ ही बुध पर अन्य ग्रहों के प्रभाव का भी अध्ययन किया जाना चाहिए। वे घर बैठे बिजनेस कर सकते हैं। वे शिक्षा से संबंधित व्यवसाय भी कर सकते हैं जैसे शैक्षणिक संस्थान, व्यवसाय प्रबंधन, व्यापार, सूचना प्रौद्योगिकी स्थापित करना।

बुध स्वामी:चौथा भाव स्थान:दूसरा भाव

माता से धन या संपत्ति का अनुगमन। माँ के साथ गहरा बंधन। खुशी सामान्य रूप से माँ या घर से जुड़ी होती है।

बुध जैमिनी सूत्रा | ग्यातिकारक

Mercury is the Gyatikaraka planet in your chart as it occupies the 6th highest degree after Atmakaraka. Mercury signify Intellect , Speech, Duality , Education & Friends.You think alot and prone to brain related illnesses. It indicates conflicts/enemity with friends. This also indicated difficulties in communicating/expressing yourself , Because of shyness ,stammering or some other reason. Mercury denotes duality - Indicating 2 friends by your side always.

WHAT IS GYATIKARAKA

Karaka means indicator, to make or do, to produce or create, and also that which is instrumental in bringing about an action. The Gyatikaraka planet is the indicator of Conflict , Disease, and Spirituality. The Gyatikaraka planet governs enemies , Your spiritual side and your physical pain/illnesses.

गुरू

गुरू प्रतिनिधित्व

Me, गुरू प्रतीक बुद्धि, विस्तार, संतान, सफलता.

गुरू आपकी कुंडली में 23° डिग्री, पूर्वभाद्रपदा नक्षत्र, दृष्टि | मंगल

वक्री गुरू

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
वक्री बृहस्पति
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी कुंडली में वक्री बृहस्पति है। यह बृहस्पति से संबंधित जीवन के मामलों को सकारात्मक और नकारात्मक दोनों तरह से प्रभावित करेगा। जिन लोगों की कुंडली में वक्री बृहस्पति है, वे अपने जीवन में एक प्रवृत्ति का अनुभव करते हैं। उन्हें अक्सर ज्ञान और ज्ञान से संबंधित बाधाओं और चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। यह बुद्धि, शिक्षा, निर्णय लेने और खुशी से संबंधित मामलों को प्रभावित करेगा। वे शुरू में शैक्षिक प्रयासों से अभिभूत हो जाएंगे और वे या तो मना कर देंगे या पूरा करने से हिचकिचाएंगे लेकिन वे इसे धीरे-धीरे पूरा करेंगे। वे अंततः सफल होंगे और लाभ प्राप्त करेंगे लेकिन असफलताओं और निराशाओं की श्रृंखला के बाद। एक वक्री बृहस्पति में अक्सर गलत निर्णय लेने, करियर में रुकावट या शिक्षा में बाधाएँ शामिल होती हैं। वे हिचकिचाएंगे और मानते हैं कि उनके पास कार्य को पूरा करने के लिए आवश्यक ज्ञान नहीं है। अपने स्वयं के ज्ञान के साथ संघर्ष उन्हें एक मजबूत व्यक्तित्व में बदल देगा। संघर्ष उन्हें अपने अवरोधों से छुटकारा पाने में मदद करता है। अंतिम सफलता उनकी अपेक्षा से कहीं अधिक होगी।

शिक्षा के दौरान फोकस खोने की प्रबल संभावना होगी। उनके लिए वास्तव में खुश और संतुष्ट रहना बहुत मुश्किल है। इसे आमतौर पर एक मानसिक ठहराव के रूप में देखा जाता है और वे इससे सफलतापूर्वक लड़ते हैं। जीवन में गलत निर्णय लेने की प्रवृत्ति रहेगी, जिसका एहसास उन्हें जीवन में बाद में होगा।

उन्हें शिक्षकों, शिक्षा, खुशी और बच्चों से संबंधित चुनौतियों का भी सामना करना पड़ सकता है। वे अंततः सभी बाधाओं पर विजय प्राप्त करेंगे।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
वक्री ग्रह क्या होते हैं
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वैदिक ज्योतिष में पृथ्वी को संदर्भ बिंदु मानकर सभी गणनाएं की जाती हैं। हमारे सौर मंडल में, ग्रह अलग-अलग गति से सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं। पृथ्वी भी ऐसा ही कर रही है। इसलिए, यदि एक निश्चित समय में वे कक्षा में ऐसी स्थिति में आ जाते हैं कि वे पृथ्वी से पीछे जाते हुए प्रतीत होते हैं। यह ग्रहों की वक्री गति है। उस समय के ग्रह को वैदिक ज्योतिष में वक्री ग्रह कहा जाता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
क्या वक्री ग्रह बलवान होता है?
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वक्री ग्रहों को सफलता का स्वाद चखने से पहले कई बार कार्य करने की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि व्यक्ति को कई बाधाओं का सामना करना पड़ेगा लेकिन जीवन में बहुत कुछ हासिल होगा।
ऐसा कहा जाता है कि वक्री ग्रह में विशेष शक्तियां होती हैं जो लगातार बाधाओं का निडर होकर सामना करने से बढ़ती हैं। वक्री ग्रह का सकारात्मक प्रभाव पाने का सबसे अच्छा तरीका है अगर लगन दिखाना है। अभ्यास व्यक्ति को पूर्ण बनाता है, और इसलिए एक वक्री ग्रह द्वारा आशीर्वादित अंतिम सफलता व्यक्ति की अपेक्षा से कहीं अधिक होती है।

ऐसा कहा जाता है कि वक्री ग्रह का प्रभाव आसान नहीं होगा, लेकिन लंबी अवधि के प्रयास के कारण अंतिम सिद्धि या परिणाम अधिक समृद्ध हो सकता है। इस प्रकार, वक्री ग्रह की अवधि असाधारण रूप से कठिन होगी लेकिन अंत में असाधारण रूप से फलदायी होगी।

गुरू राशि:कुम्भ

कुंभ राशि में बृहस्पति

कुम्भ राशि पर शनि का स्वामित्व है, जो बृहस्पति के साथ एक तटस्थ संबंध साझा करता है। जब बृहस्पति कुंभ राशि में है, जो कि शनि का राशि चक्र है, तो इसकी ऊर्जा शनि के नकारात्मक प्रभाव के कारण उतनी प्रभावी नहीं है। कुंभ राशि में बृहस्पति होने वाले लोग, ईमानदार और मिलनसार होते हैं। वे धनी या भौतिकवादी की तुलना में अधिक बौद्धिक और ज्ञानवान हैं।

ये न्यायप्रिय लोग हैं जो खुली बाहों के साथ विविधता को स्वीकार करते हैं। वे जाति, पंथ, रंग या नस्ल की परवाह किए बिना सभी वर्गों के लोगों के साथ समान व्यवहार करते हैं। वे अपने व्यवहार और कार्रवाई में निष्पक्ष और ईमानदार हैं। वे विनम्र और मानवीय, सहिष्णु और दयालु होते हैं। वे बुद्धिमान भी हैं और उनके पास समस्याओं का अभिनव समाधान है।

उनके विचार मौलिक होते हैं। वे कल्पनाशील होते हैं और बहुत सोचते हैं। वे भावनात्मक रूप से दूसरों से अलग हो जाते हैं, और इस अनिच्छुक स्वभाव के कारण विचारों में खो जाते हैं। यह उनके दार्शनिक मन और ध्यान की प्रकृति के कारण है। हालांकि ये लोग थोड़ा अनुशासनहीन होते हैं।

गुरू स्थान:नौवां भाव

नवम भाव भाग्य, ज्ञान, विद्या, पिता आदि के लिए है। जिस व्यक्ति की कुंडली में यह संयोग होता है, वह एक सम्मानित व्यक्ति होगा और विशाल धन अर्जित करेगा। वे धर्म और नैतिक मूल्यों का पालन करेंगे। वे परंपरा और धर्म के कर्मकांड सिद्धांतों का पालन करेंगे। वे शिक्षकों, प्रचारकों, धर्म और आध्यात्मिकता पर सार्वजनिक वक्ताओं आदि के रूप में अच्छा करेंगे। जो काम वे करते हैं वह जरूरी नहीं कि धार्मिक हो लेकिन नैतिक होना चाहिए। वे अपने क्षेत्र के शिक्षकों की तरह होंगे और लोग उनका सम्मान करेंगे और उनसे सलाह लेंगे। व्यक्ति का पिता भी समाज में सम्मानित होगा, और उसके पास धन और भाग्य होगा। अगर बृहस्पति नकारात्मक है, तो वे अपने धर्म में कट्टरपंथी बन सकते हैं। उनके पास बहुत मजबूत विश्वास होगा और वे दूसरों पर भी अपने विचारों को लागू करने की कोशिश करेंगे।

फलदीपिका के अनुसार, व्यक्ति धनी होगा और बुद्धिमान बच्चे होंगे। वह प्रसिद्ध होगा और पुण्य कर्म और धार्मिक संस्कार करने के लिए उत्सुक होगा। वह राजा का मंत्री बनेगा

गुरू स्वामी:सातवां भाव

सातवां घर विवाहित जीवन, जीवनसाथी, साझेदारियों आदि का प्रतिनिधित्व करता है। इनका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा। वे शादी के बाद समृद्ध होंगे। जीवनसाथी परिपक्व होगा और सम्मानजनक बड़े परिवार से होगा। जीवनसाथी समर्पित, संस्कारी, अच्छा व्यवहार करने वाला और जीवन के पारंपरिक मूल्यों से युक्त और अच्छा चरित्र, ज्ञान आदि रखने वाला होगा। जीवनसाथी की आध्यात्मिकता और धर्म में रुचि हो सकती है। वे नैतिकता और जीवन मूल्यों का धार्मिक रूप से पालन करते हैं। वे रिश्ते को बहुत गंभीरता से लेते हैं चाहे शादी या कोई कानूनी / व्यावसायिक रिश्ते। वे सुनिश्चित करते हैं कि दूसरे खुश हैं।

गुरू स्वामी:सातवां भाव स्थान:नौवां भाव

एक खुशहाल और संतुष्ट विवाहित जीवन। जीवनसाथी और साझेदारी से जुड़े क्षेत्रों में भाग्यशाली। बौद्धिक और शिक्षित जीवनसाथी। लंबी यात्रा फलदायी रहेगी। अच्छी सफलता और धन अगर व्यक्ति पिता के व्यवसाय से जुड़ा है। साझेदार आपके जीवन पर अच्छा प्रभाव डालेंगे, चाहे वह जीवन साथी हो या व्यावसायिक भागीदार।

गुरू स्वामी:दसवां भाव

दशम भाव कर्म, सार्वजनिक जीवन, गतिविधि, करियर आदि को इंगित करता है। यह घर मूल रूप से हमारे दिन-प्रतिदिन के कर्म हैं। सामान्यतः वे कर्म और विचारों में अच्छे कर्म करते हैं। वे सच्चे और दूसरों के लिए मददगार होंगे। वे किसी को नुकसान नहीं

पहुंचाएंगे। वे समर्पण, प्रतिबद्धता के साथ काम करते हैं और अपना जीवन पूरी संतुष्टि और खुशी के साथ जीते हैं। जो पेशे उनके अनुरूप हैं, वे हैं बैंकिंग, निवेश बैंकिंग, वित्तीय सलाहकार, अध्यापन, एक मंत्री के रूप में, निर्माण क्षेत्र, प्रकाशन, पुजारी आदि में। इसके अलावा वे धार्मिक नेता, परोपकारी, धार्मिक उपदेशक, पुजारी, पवित्र पुस्तकों के प्रकाशक आदि हो सकते हैं। ।

गुरू स्वामी:दसवां भाव स्थान:नौवां भाव

एक अत्यधिक सफल जीवन। इसके बजाय जीवन और पेशे में एक महत्वपूर्ण प्रभाव होगा। पिता के व्यवसाय में अच्छी सफलता देखी जाती है। व्यवसाय या सेवा के माध्यम से सरकार के साथ व्यापार करना लाभदायक होगा। ज्ञान बांटने या ज्ञान के माध्यम से अपार सफलता। उपयुक्त पेशे शिक्षक या शोधकर्ता हैं।

गुरू जैमिनी सूत्रा | अमत्यकारक

Your Amatyakaraka planet is Jupiter or Guru in Sanskrit.Jupiter is the planet of wisdom, Knowledge, Religion etc. So amatyakaraka Jupiter can indicate Profession related to Teachers, Professors, Scholars, Priests, Religious leaders etc. Jupiter also signify Money. SO amatyakaraka Jupiter can give Banking Profession as well.

WHAT IS AMATYAKARAKA

Karaka means indicator, to make or do, to produce or create, and also that which is instrumental in bringing about an action. The Amatya Karaka planet, the Career / Karma / Action planet, is the one that you have the most influence on your career or profession.

शुक्र

शुक्र प्रतिनिधित्व

Me, शुक्र प्रतीक विवाह, सौंदर्य, विलासिता, आकर्षण और धन.

शुक्र आपकी कुंडली में 27° डिग्री, वर्गोत्तम, पुनर्वसु नक्षत्र, दृष्टि I गुरू

वर्गोत्तम शुक्र

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
आपकी कुंडली में शुक्र वर्गोत्तम है
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
शुक्र आपकी जन्म कुंडली और आपकी नवांश कुंडली में एक ही राशि में स्थित है।
शुक्र आपकी कुंडली में शक्तिशाली है
आप रचनात्मक हैं और उन क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन करेंगे जिनमें एक निश्चित स्तर की रचनात्मकता या कला की आवश्यकता होती है।
आपके पास आकर्षक व्यक्तित्व और दूसरों को प्रभावित करने की क्षमता है
आप ऐश्वर्य के प्रति अत्यधिक आकर्षित होते हैं। आपको ब्रांडेड कपड़े, नवीनतम फोन और जीवन की अन्य विलासिता के मालिक होने की इच्छा होगी
आप इस जीवन में अच्छी संपत्ति अर्जित करेंगे
आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
वर्गोत्तम ग्रह क्या है?
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वर्गोत्तमांशे यदि लग्ननाथे स्वोच्चांशके वा स्वसुहृद्गृहांशे।

शुभान्वित ना शुभदृष्टिपाते नशे भवेदाभरणांत सौख्यः।। (Ch. 2.95)

अर्थ :
जब ग्रह - 1. वर्गोत्तम, या 2. उच्च नवांश में, या 3. अपने या मित्र के द्रेकाण में, या 4. एक लाभकारी के साथ जुड़ा हुआ, या 5. एक लाभकारी ग्रह से संबंधित होने पर जातक मृत्यु तक एक आरामदायक जीवन व्यतीत करता है। ।

वर्गोत्तम मुख्य रूप से एक विशिष्ट डिवीजनल (या वर्गा) चार्ट के संदर्भ में प्रयोग किया जाता है, जिसे नवांश डिवीजन (नौवां डिवीजन) के रूप में जाना जाता है। यह ग्रह तब वर्गोत्तम हो जाता है जब यह नेठाल चार्ट के साथ-साथ नवमांश चार्ट में एक ही राशि में होता है।

वर्गोत्तम शब्द में दो संस्कृत शब्द, वर्गा और उत्तम शामिल हैं। वर्ग का अर्थ है कि विभाजन और वैदिक ज्योतिष में यह संभागीय चार्ट को संदर्भित करता है, जो जीवन के विशिष्ट क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करता है। नवमांश नौवां भाग होने के कारण सबसे महत्वपूर्ण संभागीय चार्ट है, और यह आपकी समृद्धि और वैवाहिक जीवन से भी जुड़ा है। दूसरा शब्द उत्तम का अर्थ है सर्वश्रेष्ठ।

एक वर्गोत्तम ग्रह को एक शक्तिशाली और लाभकारी ग्रह माना जाता है क्योंकि इसकी ऊर्जा जन्म कुंडली और नवांश राशि दोनों में समान स्तर पर होती है। एक वर्गोत्तम ग्रह कुंडली में अन्य नकारात्मक कारकों की परवाह किए बिना, व्यक्ति को सर्वोत्तम संभव तरीके से आशीर्वाद देने में सक्षम है।

शुक्र राशि:मिथुन

शुक्र मिथुन राशि में

मिथुन, बुध के स्वामित्व में है, जो शुक्र के साथ एक दोस्ताना संबंध साझा करता है। जब मिथुन राशि की हवा शुक्र के पानी से मिलती है, तो एक चुलबुली शख्सियत बन जाती है। मिथुन राशि में शुक्र ग्रह वाले लोग एक बच्चे की तरह होते हैं और उनके व्यक्तित्व में बचकाना व्यवहार होता है। वे इस जीवन का अधिकतम लाभ उठाना चाहते हैं, और हर संभव अर्थों में इसका आनंद लेते हैं। ये लोग खुले, प्रत्यक्ष, मैत्रीपूर्ण, मिलनसार, अधीर और बेचैन हैं। वे चंचल और संकीर्ण भी हो सकते हैं।

वे हमेशा एक उत्साहित मूड में रहते हैं, बिल्कुल एक बच्चे की तरह लेकिन उनमें परिपक्वता की भावना की कमी होती है। रोमांस के प्रति उनका नजरिया भी बच्चों जैसा है। वे प्यार में बहुत आशावादी हैं और हर नए रिश्ते को नई आशाओं और उम्मीदों के साथ अपनाते हैं। यह अति-अपेक्षा कई रोमांटिक संबंधों को जन्म दे सकती है।

बोलने की तीव्र आवश्यकता है, उन विचारों को, जो उन्हें परेशान कर रहे हैं। ये लोग अपनी भावनाओं को छिपा नहीं सकते। उन्हें विशेष रूप से दोस्तों और एक सक्रिय सामाजिक जीवन की आवश्यकता होती है। वे अपने विवाहित जीवन में आने वाली

समस्याओं के बारे में सोचते हुए अपना दिमाग नहीं लगाते हैं। मिथुन राशि में शुक्र कलाओं की प्रबल इच्छा देता है। व्यक्ति लेखन और कविता में भी निपुण हो सकता है।

शुक्र स्थान:प्रथम भाव

पहला घर व्यक्तित्व, शरीर, सिर आदि को दर्शाता है। वे व्यक्तित्व के मामले में बहुत ही आत्म केन्द्रित होंगे। वे अपने व्यक्तित्व और उपस्थिति के बारे में बहुत सोचते हैं वे अपनी सकारात्मक छवि बाहरी दुनिया को दिखाना चाहते हैं। वे बहुत भावुक और महत्वाकांक्षी होंगे। वे एक धनी परिवार में पैदा होंगे। वे काफी अच्छे दिखने वाले और समृद्ध होंगे। वे महंगी वस्तुओं को खरीदना और आरामदायक जीवन जीना पसंद करेंगे। वे विपरीत लिंग के लिए बहुत आकर्षक होंगे। वे कई क्षेत्रों में बहुत ज्ञानी होंगे। उन्हें संगीत, ललित कला, नृत्य, रचनात्मकता आदि में रूचि होगी। वे हर चीज में सुंदरता देखेंगे।

फलादीपिका के अनुसार, यदि शुक्र लग्न में स्थित है, तो व्यक्ति के पास एक सुंदर और आकर्षक शरीर होगा और वह खुश और लंबे समय तक जीवित रहेगा।

शुक्र स्वामी:बारहवां भाव

बारहवां घर हानि, अस्पतालों, व्यय, मुक्ति, दान आदि का प्रतिनिधित्व करता है। ऐसी स्थिति वाला व्यक्ति एक भव्य जीवन शैली में रहना पसंद करता है। वे लक्जरी और महंगी वस्तुओं पर पैसा खर्च करेंगे। वे यात्रा पर खर्च कर सकते हैं, विशेष रूप से विदेश यात्रा पर। वे बहुत कामुक हो सकते हैं। यह बिस्तर और नींद का घर है। इस घर में शुक्र आरामदायक बिस्तर सुख देता है। वे बहुत रोमांटिक और कामुक होंगे। उन्हें अपने पार्टनर से भी यही उम्मीद होती है। वे महंगे सामानों से सजे अपने बेडरूम को बहुत साफ-सुथरा रखेंगे। यह आध्यात्मिकता का घर है। वे आध्यात्मिकता सीखने की कोशिश करेंगे लेकिन उच्च आध्यात्मिक क्षेत्र का अनुभव करना उनके लिए कठिन होगा। आध्यात्मिक रूप से प्रबुद्ध होने के लिए, उन्हें अपने अत्यधिक जुनून को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। यदि कुंडली में शुक्र नकारात्मक है, तो वे शुक्र द्वारा प्रतिनिधित्व किए गए रोगों जैसे यौन रोग, मधुमेह आदि के कारण अस्पताल में भर्ती हो सकते हैं। उन्हें महिलाओं की वजह से जेल भी हो सकती है।

शुक्र स्वामी:बारहवां भाव स्थान:प्रथम भाव

विदेशी पुनर्वास। बहुत खर्च करना। मोक्ष / अध्यात्म साधक। कामुकता।

शुक्र स्वामी:पांचवा भाव

पंचम भाव बुद्धि, रचनात्मकता, पूर्व कर्म, विद्या, संतान, सट्टा लाभ आदि को दर्शाता है। शुक्र व्यक्ति को कल्पना शक्ति प्रदान करता है। यह महत्वाकांक्षा और सकारात्मक मानसिकता देता है। यह व्यक्ति को बहुत बुद्धिमान भी बनाता है। वे बहुत भावुक और संवेदनशील होंगे। वे रोमांटिक होंगे और अपने जीवन साथी से भी यही उम्मीद करेंगे। उनके पास उच्च स्तर की बुद्धि होगी जो शादी के बाद प्रज्वलित होगी। उनकी मानसिक क्षमता उच्चतर स्तर पर होगी। वे बहुत रचनात्मक लोग होंगे। वे संगीत, नृत्य, लेखन,

पेंटिंग, डिजाइन या किसी अन्य रचनात्मक कौशल जैसे कुछ रचनात्मक शौक सीखते हैं और उनका पालन करते हैं। वे इन क्षेत्रों में पेशा अपना सकते हैं। वे बड़ी दौलत जमा करेंगे। बच्चे सुंदर और बहुत सफल होंगे।

शुक्र स्वामी:पांचवा भाव स्थान:प्रथम भाव

रचनात्मक व्यक्तित्व। कलात्मक मन। बच्चों के साथ गहरा लगाव। पत्नी के माध्यम से वित्तीय लाभ।

शुक्र जैमिनी सूत्रा | आत्मकारक

Your Atma Karaka planet is Venus or Shukra in Sanskrit. Venus is the planet of beauty, romance, love, passion, creativity, pro-creation, creative life force, relationships, femininity, art and artistry, music. Physically, Venus relates to the reproductive tissues of the body (semen and ovaries) hence the correlation to procreation as well as the hormones that regulate sexuality. Venus also correlates to the immune system and it is well known that love boost immunity and gives a new propensity for life. Art and creativity are just another expression of the act of creation. Venus is also water, which has a life-giving quality to it. Water literally gives life- to all expressions of Nature. Venus can give rejuvenation and health as a result and is responsible for the life-giving qualities that sustain us.

In Vedic lore, it is said that Venus can bring the dead back to life- metaphoric on many different levels. On the physical level, when a person is sick or near death, it is the power of Venus that can cure them and bring health back. (Recitation of the Mrtyunjaya Mantra can be used for this purpose). It is also only through procreation that a soul can be reborn into a human body, thus Venus give us an opportunity at life. Venus is also a guru (teacher) to the demons (asuras), literally to those who don't see the light. Jupiter is the guru of the devas (gods). Venus is considered our ""lower nature"" because it represents our base desires, instincts. It can be connected to overindulgences as a result. Because Venus is an expression of Rajas (guna), at its worst it can create overindulgence and cravings for intoxicants- especially alcohol and sugar- as well as lust and strong desires for ""love"". Pure love is a deva emotion, while jealousy, greed and hatred are asura (demon) emotions.

Because Venus is naturally associate with art and creativity, including music and singing, Venus Atma Karaka indicates that the soul is here to learn the elements of creative acts and creative process. Beauty is important to you as well as being involved with the act of creating and being creative- art is naturally an essential tool for learning and growing in this awareness. Venus AK also means you will be navigating sexual impulses and relationships as well. Part of your work will include navigating and controlling your sexual energy, refraining from lust and illegitimate sex. Working on relationships and being in relation are key concepts for you.

Jaimini Sutras, also called as Upadesa Sutras is an ancient Sanskrit text on the predictive part of Hindu astrology, attributed to Maharishi Jaimini, the founder of the Purva Mimamsa branch of Hindu philosophy, a disciple of Rishi Vyasa and son of Parashara.Karaka means indicator, to make or do, to produce or create, and also that which is instrumental in bringing about an action. The Atma Karaka planet, or soul planet, is the one that you have the most karma to work with in this life.

शनि

शनि प्रतिनिधित्व

Me, शनि प्रतीक संघर्ष, कड़ी मेहनत, दीर्घायु, भय और कर्तव्य.

शनि आपकी कुंडली में 20° डिग्री, आद्रा नक्षत्र, दृष्टि । गुरू

शनि राशि:मिथुन

मिथुन राशि में शनि

बुध मिथुन राशि का स्वामी है और शनि के साथ मित्रवत संबंध रखता है। यहां शनि व्यक्ति के निर्णय को प्रभावित करता है क्योंकि बुध ज्ञान का कारक है। ऐसे लोग कई बार धोखेबाज हो जाते हैं। उच्च संभावना है कि व्यक्ति को किसी प्रकार की लत लग जाएगी। ये लोग कई बार मतलबी और स्वार्थी हो जाते हैं। मिथुन राशि में शनि बहुत भटकने की प्रवृत्ति देता है। इन लोगों में जीवन में स्थिरता और संगठन का अभाव होता है। उनके पास एक भ्रामक और खराब जीवन शैली है।

मिथुन राशि में शनि व्यक्ति को संकीर्ण भी बनाता है। शनि का यह स्थान रासायनिक और यांत्रिक विज्ञानों में भी मूल रुचि देता है। ऐसे लोग अपने दृष्टिकोण में काफी व्यवस्थित और तार्किक होते हैं। उनके पास असाधारण तर्क क्षमता है। उनमें अनावश्यक तर्क-वितर्क करके लोगों को नाराज करने की प्रवृत्ति होती है।

वे काफी दृढ़ हैं और कौशल को हल करने में अच्छी समस्या है। वे परिणाम के बारे में निश्चित होने के बाद ही निर्णय लेते हैं। वे कभी भी गंभीर परिस्थितियों से डरते नहीं हैं और शांत और संतुलित दिमाग के साथ समस्याओं का सामना करते हैं। हालांकि, वे नई जानकारी सीखने में कठिनाई का सामना करते हैं। वे अपने विचारों और जीवन के बारे में लोगों के साथ चर्चा करना पसंद करते हैं।

शनि स्थान:प्रथम भाव

पहला घर व्यक्तित्व, शरीर, सिर आदि को दर्शाता है। पहला घर किसी कुंडली में नींव की तरह होता है। जब कर्म कारक ग्रह के रूप में शनि इस घर में आता है, तो यह दर्शाता है कि कुछ कर्म दायित्व हो सकते हैं जो इस जीवन में किए जाने के लिए लंबित हैं। हालाँकि, यह सब शनि की शक्ति और स्थिति पर निर्भर करता है। जीवन में संघर्ष, बाधाएं आ सकती हैं। शनि जीवन में देर से परिणाम देता है। जब शनि पहले घर में होता है, तो उसके तीसरे घर पर दृष्टि / पहलू होता है, जो प्रयास का घर है। वे आम तौर पर अपने जीवन के पहले भाग में बहुत सक्रिय नहीं हैं। इसलिए आम तौर पर उनके पास बहुत ही आकस्मिक या लापरवाह दिमाग होता है और सभी उपलब्धियां बाद में जीवन में आती हैं। उनके जीवन का पहला भाग उन्हें सबक सिखाता है। प्रारंभिक जीवन आत्मनिरीक्षण का समय है। जब कोई गलतियों और चुनौतियों से सीखता है, तो वह बाद में सफलता प्राप्त करता है। वे आम तौर पर बहुत परिपक्व लोग होंगे। इसके अलावा, उनमें आत्मविश्वास की कमी हो सकती है। वे आलसी होने के साथ-साथ अनुशासित भी हो सकते हैं और यह सब जीवन की स्थितियों और घटनाओं पर निर्भर करता है।

फलादीपिका के अनुसार, यदि शनि लग्न में है, तो संबंधित व्यक्ति किसी शहर के राजा, एक प्रमुख या महापौर के बराबर होगा। वह व्यक्ति दुःख और दुख के साथ बचपन में पीड़ित होगा और गरीबी से त्रस्त होगा। कोई फर्क नहीं पड़ता कि वह कितना अमीर है, वह घटिया जीवन जी सकता है।

शनि स्वामी:आठवां भाव

अष्टम भाव दीर्घायु, परिवर्तन, अचानक घटनाओं आदि का द्योतक है। यह कुंडली में एक रहस्यमय संयोजन है। शनि व्यक्ति में आध्यात्मिकता को बढ़ाता है। व्यक्ति के लिए कई कष्ट हो सकते हैं लेकिन शनि चाहते हैं कि वे कष्टों से सीखें। वे अलग-थलग या एकाकी स्थानों पर काम कर सकते हैं या रह सकते हैं। वे पर्दे के पीछे रहकर काम कर सकते हैं। वे कड़ी मेहनत करेंगे लेकिन क्रेडिट कोई और लेगा। वे किसी भी क्षेत्र में एक शोधकर्ता के रूप में अच्छा कर सकते हैं। करियर के पहलू में परेशानी हो सकती है। यह अध्यात्म का घर है। वे मनोगत विज्ञान का अध्ययन कर सकते हैं और गहन आध्यात्मिक जीवन का अनुभव करना चाहते हैं। वे जीवन के भौतिकवादी पहलुओं के बारे में थोड़ा अलग या अनिच्छुक होंगे। ध्यान और आध्यात्मिकता उन्हें खुशी देंगे। यह उन्हें बहुत सहज बनाता है। उन्हें धन या संपत्ति के उत्तराधिकार में समस्या हो सकती है। जातक के जीवनसाथी को धन संचय करने में समस्या आ सकती है।

शनि स्वामी:आठवां भाव स्थान:प्रथम भाव

अध्यात्म और ज्योतिष में रुचि। अच्छी शिक्षा। लंबी यात्राएँ। कमजोर शरीर। स्वभाव और क्रोध के मुद्दे रिश्तों को प्रभावित करेंगे। दुर्घटनाएं जीवन को प्रभावित करेंगी। गठिया जैसे लाइलाज प्रगतिशील रोग जीवन को प्रभावित करेंगे।

शनि स्वामी:नौवां भाव

नवम भाव भाग्य, ज्ञान, शिक्षण, पिता आदि के लिए है। नवम भाव भाग्य का घर है। जब शनि ऊर्जा यहां आती है, तो यह सब कुछ धीमा कर सकती है। व्यक्ति असहाय, थका हुआ महसूस कर सकता है क्योंकि जीवन में कुछ भी उसकी अपेक्षा के अनुसार नहीं होता है। जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, वह परिपक्व हो जाता है और इसकी आदत पड़ जाती है। व्यक्ति बहुत धार्मिक रूप से झुका हुआ

नहीं हो सकता है। उसका उदार स्वभाव हो सकता है। कभी-कभी उसके पास बहुत अजीब प्रकृति हो सकती है। लेकिन वह वंचितों और गरीबी से पीड़ित लोगों की मदद करना चाहते हैं। आमतौर पर इस घर में शनि व्यक्ति को खुद का व्यवसाय करने के बजाय किसी के अधीन काम करने के लिए बनाता है। वे गरीब वर्ग के नेता बन सकते हैं और अपने न्याय के लिए लड़ सकते हैं। वे पिता से अलग हो सकते हैं। पिता गरीब पृष्ठभूमि के और मेहनती व्यक्तित्व के हो सकते हैं।

शनि स्वामी:नौवां भाव स्थान:प्रथम भाव

भाग्यवान, बुद्धिवान, पिता से अच्छे संबंध

शनि जैमिनी सूत्रा | मात्रकारक

Saturn is the Matrakaraka planet in your chart as it occupies the 4th highest degree after Atmakaraka. Saturn signify Struggle , Hard Work, Longevity , Fear & Duty.Your Education in the fields related to Law/Public Service is indicated. It indicates hard working & Strict mother having profession as clerk, Government servant, Social worker,judicial officer or judge.

WHAT IS MATRAKARAKA

Karaka means indicator, to make or do, to produce or create, and also that which is instrumental in bringing about an action. The Matrakaraka planet is the indicator of Mother ,Property & Education. The Matrakaraka planet governs your mother , Your fixed assets and your education

राहु

राहु प्रतिनिधित्व

Me, राहु प्रतीक विदेशी, भौतिकवाद, महत्वाकांक्षा, भ्रम.

राहु आपकी कुंडली में 23° डिग्री, नीच, ज्येष्ठा नक्षत्र, दृष्टि । मंगल

वक्री राहु

राहु और केतु डिफ़ॉल्ट रूप से वक्री होते हैं। आपकी कुंडली में कोई अन्य ग्रह वक्री नहीं है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
वक्री ग्रह क्या होते हैं
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वैदिक ज्योतिष में पृथ्वी को संदर्भ बिंदु मानकर सभी गणनाएं की जाती हैं। हमारे सौर मंडल में, ग्रह अलग-अलग गति से सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं। पृथ्वी भी ऐसा ही कर रही है। इसलिए, यदि एक निश्चित समय में वे कक्षा में ऐसी स्थिति में आ जाते हैं कि वे पृथ्वी से पीछे जाते हुए प्रतीत होते हैं। यह ग्रहों की वक्री गति है। उस समय के ग्रह को वैदिक ज्योतिष में वक्री ग्रह कहा जाता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
क्या वक्री ग्रह बलवान होता है?
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वक्री ग्रहों को सफलता का स्वाद चखने से पहले कई बार कार्य करने की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि व्यक्ति को कई बाधाओं का सामना करना पड़ेगा लेकिन जीवन में बहुत कुछ हासिल होगा।
ऐसा कहा जाता है कि वक्री ग्रह में विशेष शक्तियां होती हैं जो लगातार बाधाओं का निडर होकर सामना करने से बढ़ती हैं। वक्री ग्रह का सकारात्मक प्रभाव पाने का सबसे अच्छा तरीका है अगर लगन दिखाना है। अभ्यास व्यक्ति को पूर्ण बनाता है, और इसलिए

एक वक्री ग्रह द्वारा आशीर्वादित अंतिम सफलता व्यक्ति की अपेक्षा से कहीं अधिक होती है।

ऐसा कहा जाता है कि वक्री ग्रह का प्रभाव आसान नहीं होगा, लेकिन लंबी अवधि के प्रयास के कारण अंतिम सिद्धि या परिणाम अधिक समृद्ध हो सकता है। इस प्रकार, वक्री ग्रह की अवधि असाधारण रूप से कठिन होगी लेकिन अंत में असाधारण रूप से फलदायी होगी।

नीच राहु

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀
राहु आपकी कुंडली में नीच का है
❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀
राहु हमारे भीतर जुनून है। राहु और केतु शाश्वत राक्षस हैं जो हमारे अंदर मौजूद हैं, ये हमारे मन में नकारात्मक शक्ति हैं जो मन को संश्लेषित और शुद्ध करते हैं। राहु बहुत शक्तिशाली है, यह इस वर्तमान जीवन में पिछले जन्म की इच्छाओं को लाता है। राहु अवचेतन स्तर पर कार्य करता है। राहु कर्म ग्रह है। व्यक्ति को जीवन के उन क्षेत्रों पर काम करने की आवश्यकता होती है जहां राहु और केतु कुंडली में आते हैं।

राहु हमारा आंतरिक अपरिपक्व बच्चा है जो वह सब कुछ चाहता है जो उसे पसंद है। राहु हमारी गहरी अवचेतन भौतिक इच्छा है। राहु हमें उन चीजों के प्रति जुनूनी बनाता है जहां हमें सबक सीखने की जरूरत होती है, ताकि अंततः हम दर्द और गलतियों से गुजरने के बाद उनसे मुक्त हो जाएं।

जब राहु और केतु की धुरी वृश्चिक और वृष राशि में पड़ती है, तो नोड्स को कमजोर माना जाता है। यह "सुरक्षा और असुरक्षा" की धुरी है।

नीच राहु का प्रभाव
➤असुरक्षा और आंतरिक भय
➤बेचैनी और अपरिपक्व व्यवहार
➤व्यसन
➤भावनात्मक मिजाज / तनाव
➤जुनूनी प्रवृत्तियाँ और अंतहीन इच्छाएँ

कुंडली में नीच राहु के उपाय:
➤ध्यान और योग करें
➤क्षमा करना सीखें और अपनी ऊर्जा नकारात्मक लोगों/अतीत पर बर्बाद न करें
➤संतोष धारण करें

➤एक विनम्र और सरल जीवन जीने की कोशिश करें

➤देवी दुर्गा की पूजा करें

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

नीच ग्रह कौन से हैं?

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

स्वोच्चे शुभं फलं पूर्ण त्रिकोणे पादवर्जितम् स्वर्वेऽध मित्रगेहे तु पादमात्रं प्रकीर्तितम् ५९

पादाध समभे प्रोक्तं शून्यं नीचास्तशत्रुभे तदुष्टफलं ब्रूयाद् व्यत्ययेन विचक्षणः ६०

अर्थ :

उच्च का ग्रह 100% अच्छा प्रभाव देता है।

मूलत्रिकोण में स्थित ग्रह 75% शुभ फल देता है।

अपनी राशि में एक ग्रह 50% अच्छा प्रभाव देता है।

मित्र राशि का ग्रह 25 प्रतिशत शुभ फल देता है।

तटस्थ राशि का ग्रह 12% शुभ प्रभाव देता है।

नीच राशि या शत्रु राशि में ग्रह कोई अच्छा प्रभाव नहीं देता है।

जीवन में हम सभी किसी न किसी क्षेत्र में कमजोर होते हैं। ज्योतिष में, एक कमजोरी आमतौर पर नीच ग्रह द्वारा देखी जाती है। आपकी जन्म कुण्डली में वह ग्रह जो अपनी सबसे कमजोर राशि में है, वह दुर्बलता की राशि है। नीच ग्रह यह ग्रह की अचेतन अवस्था में है। इसका अनिवार्य रूप से मतलब है कि या तो हमें ग्रह का लाभ नहीं मिलेगा, या हमें जो मिल रहा है उससे हम संतुष्ट नहीं होंगे। (ग्रहों के संकेत)

यदि आपकी जन्म कुंडली में नीच ग्रह हैं तो आपको उस ग्रह से संबंधित संघर्ष और आपके जीवन में निराशा भी आएगी। नीच ग्रह का मतलब हमेशा अशुभ नहीं होता, बल्कि इसका मतलब यह है कि ग्रह आपको अपना लाभ देने में असमर्थ है। आपको अपने नीच ग्रहों के उपाय करने चाहिए।

राहु राशि:वृश्चिक

वृश्चिक राशि में राहु

वृश्चिक मंगल के स्वामित्व वाली राशि है, जिसकी राहु के प्रति शत्रुता है। वृश्चिक गोपनीयता और रहस्य से जुड़ी एक राशि है और राहु गोपनीय जानकारी और गुप्त ज्ञान का स्वामी भी है। जब राहु वृश्चिक राशि में होता है, तो व्यक्ति स्वभाव से रहस्यमयी प्रवृत्ति का होता है। ऐसा व्यक्ति अपने कार्यों को लेकर काफी गुप्त होता है। आप कभी नहीं जानते कि वे क्या कर रहे हैं और यह भी कि वे क्यों कर रहे हैं। वृश्चिक में राहु छिपी शक्तियों और रहस्यमय ज्ञान प्रदान करता है। यह व्यक्ति को एक मजबूत अंतर्ज्ञान भी देता है।

वृश्चिक में राहु स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का कारण बनता है, विशेष रूप से रक्त से संबंधित। इस स्थिति में राहु दुर्घटना की संभावना भी बनाता है। ऐसे लोग जीवन में बोझ महसूस करते हैं। उनकी दीर्घायु प्रतिकूल रूप से प्रभावित होती है क्योंकि वृश्चिक राशि आठवें घर से जुड़ी होती है। ऐसे लोग हालांकि मजबूत होते हैं और दुश्मनों को हराते हैं। वे शोध में अच्छा करते हैं। वे जीवन में बहुत अधिक धन अर्जित करते हैं, लेकिन अक्सर गलत साधनों का उपयोग करते हैं। वे जीवन में शॉर्टकट तलाशते हैं। असामाजिक और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त होने की प्रवृत्ति भी है। चिकित्सा और सर्जरी जैसे व्यवसाय भी इन लोगों के लिए उपयुक्त हैं।

राहु स्थान:छठा भाव

जब राहु व्यक्तियों की जन्म कुंडली के छठे भाव में होता है, तो यह व्यक्ति को जुनूनी शत्रु बनाता है। अपने दुश्मनों को माफ करना या भूलना आसान नहीं होगा। आप अपने दुश्मनों को कुचल देंगे और तब तक आराम नहीं करेंगे जब तक आप उन्हें पूरी तरह से खत्म नहीं कर देते।

यदि आप नौकरी या सेवा में हैं तो यह एक प्रतिकूल स्थिति है। आप आम लोगों के एक प्राकृतिक नेता हैं और यह आपको एक व्यवसायिक पेशे के लिए उपयुक्त बनाता है। आप शक्तिशाली लोगों के साथ अच्छे संबंध रखेंगे, विशेष रूप से सरकार में। राहु एक लाभकारी ग्रह नहीं है लेकिन यह छठे घर में आरामदायक है जो एक त्रिक गृह है।

शत्रु या विरोधी से निपटने में व्यक्ति में जबरदस्त आक्रामकता और सहनशक्ति होगी। वह उन लोगों के साथ सख्त और निर्मम होगा जो उसका विरोध करते हैं। उसके कई विरोधी हो सकते हैं। उसे अपने दुश्मनों के साथ-साथ दोस्तों से भी सतर्क रहना चाहिए। व्यक्ति को लिवर से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। अपने जीवन में बहुत अधिक कर्ज से बचें।

केतु

केतु प्रतिनिधित्व

Me, केतु प्रतीक मोक्ष, अध्यात्म, सर्जरी, दुख.

केतु आपकी कुंडली में 23° डिग्री, रोहिणी नक्षत्र, दृष्टि । राहु

वक्री केतु

राहु और केतु डिफ़ॉल्ट रूप से वक्री होते हैं। आपकी कुंडली में कोई अन्य ग्रह वक्री नहीं है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
वक्री ग्रह क्या होते हैं
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वैदिक ज्योतिष में पृथ्वी को संदर्भ बिंदु मानकर सभी गणनाएं की जाती हैं। हमारे सौर मंडल में, ग्रह अलग-अलग गति से सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं। पृथ्वी भी ऐसा ही कर रही है। इसलिए, यदि एक निश्चित समय में वे कक्षा में ऐसी स्थिति में आ जाते हैं कि वे पृथ्वी से पीछे जाते हुए प्रतीत होते हैं। यह ग्रहों की वक्री गति है। उस समय के ग्रह को वैदिक ज्योतिष में वक्री ग्रह कहा जाता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
क्या वक्री ग्रह बलवान होता है?
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वक्री ग्रहों को सफलता का स्वाद चखने से पहले कई बार कार्य करने की आवश्यकता होती है। इसका मतलब है कि व्यक्ति को कई बाधाओं का सामना करना पड़ेगा लेकिन जीवन में बहुत कुछ हासिल होगा।
ऐसा कहा जाता है कि वक्री ग्रह में विशेष शक्तियां होती हैं जो लगातार बाधाओं का निडर होकर सामना करने से बढ़ती हैं। वक्री ग्रह का सकारात्मक प्रभाव पाने का सबसे अच्छा तरीका है अगर लगन दिखाना है। अभ्यास व्यक्ति को पूर्ण बनाता है, और इसलिए

एक वक्री ग्रह द्वारा आशीर्वादित अंतिम सफलता व्यक्ति की अपेक्षा से कहीं अधिक होती है।

ऐसा कहा जाता है कि वक्री ग्रह का प्रभाव आसान नहीं होगा, लेकिन लंबी अवधि के प्रयास के कारण अंतिम सिद्धि या परिणाम अधिक समृद्ध हो सकता है। इस प्रकार, वक्री ग्रह की अवधि असाधारण रूप से कठिन होगी लेकिन अंत में असाधारण रूप से फलदायी होगी।

केतु राशि:वृषभ

वृषभ राशि में केतु

वृषभ राशि का स्वामी शुक्र है और यह केतु के साथ औसत संबंध रखता है। यहाँ, केतु एक पृथ्वी राशि में है। हिन्दू पौराणिक कथाओं में केतु का प्रतिनिधित्व बिना सिर के किया जाता है। ऐसे लोग स्वतंत्र रूप से चलना चाहते हैं और खानाबदोश जीवन चाहते हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि वे संतुलित नहीं हैं क्योंकि वृषभ एक पृथ्वी राशि है और यह तत्व उन्हें संतुलित रखता है। केतु द्वारा दिए गए आवेग के कारण, ऐसे लोग हमेशा खानाबदोश जीवन और स्थिर जीवन के बीच होते हैं। वृषभ राशि में केतु व्यक्ति को गंभीर मनोदशा देता है। इन लोगों को विलासिता और भौतिक सुख-सुविधाओं की प्राप्ति में अड़चनों का सामना करना पड़ता है।

वृषभ राशि में केतु प्रेम और दांपत्य जीवन में बाधा उत्पन्न करता है। ऐसे लोग अपने परिवार के भीतर भी मुद्दों का सामना करते हैं। वे अक्सर जीवन में गलत दिशाओं की ओर बढ़ते हैं और अनैतिक कार्यों में शामिल हो जाते हैं। हालाँकि वे काफी प्यार करने वाले, देखभाल करने वाले और दयालु होते हैं, वे बदले में प्यार और करुणा के समान स्तर पाने के लिए संघर्ष करते हैं। वृषभ राशि में केतु व्यक्ति को सुस्त बनाता है। ऐसे लोगों में चीजों में देरी करने की प्रवृत्ति होती है। ये लोग वृषभ बैल की तरह काफी जिद्दी हो सकते हैं। उन्हें अपने अहंकारी स्वभाव के कारण लोगों की निरंतर आलोचना का सामना करना पड़ेगा।

केतु स्थान:बारहवां भाव

केतु बारहवें भाव का कारक है इसलिए केतु की यह स्थिति किसी भी कुंडली में सकारात्मक मानी जाती है। व्यक्ति आध्यात्मिक होगा और ज्योतिष और अन्य गुप्त विज्ञानों में रुचि रखेगा। उनके कार्यों को आत्मज्ञान की ओर प्रेरित किया जाता है, क्योंकि यह जीवन में उनका अंतिम उद्देश्य है। केतु की यह स्थिति अंतर्मुखी स्वभाव भी देती है। व्यक्ति का झुकाव आमतौर पर एकांत की ओर होता है।

व्यक्ति बिना किसी को बताए खर्च करेगा या वह उन चीजों पर खर्च करेगा जिन्हें सार्वजनिक नहीं किया जाना चाहिए। केतु की यह स्थिति अनिद्रा का कारण बनती है। व्यक्ति को अच्छे यौन जीवन का आनंद लेने में परेशानी या बाधा होगी। कुछ आंखों की समस्याओं से भी पीड़ित हो सकते हैं। इससे विदेश जाने का मौका भी मिलता है। ऐसा व्यक्ति शत्रुओं और विपक्ष पर विजय प्राप्त करता है। हालांकि, यदि केतु पीड़ित है, तो व्यक्ति स्वास्थ्य के मुद्दों और अस्पताल में भर्ती हो सकता है। बारहवें घर में केतु भी अप्रत्याशित खर्चों में वृद्धि का कारण बनता है।

व्यक्ति को हड्डियों और जोड़ों से संबंधित स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

प्रथम भाव आपकी कुंडली में

प्रथम भाव प्रतिनिधित्व

Me, प्रथम भाव प्रतीक आप, स्वास्थ्य, व्यक्तित्व, चेहरा.

प्रथम भाव आपकी कुंडली में

राशि :मिथुन, कारक ग्रह : सूर्य, श्रेणी : लग्न , केंद्र,दृष्टि I गुरू

बुध स्वामी:प्रथम भाव

यह आत्म सम्मान, साहस, गौरव का प्रतीक है। व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षाओं से चिंतित होगा और जीवन में विकास और समृद्धि की आवश्यकता होगी। वह समाज में अपनी छवि के प्रति जागरूक होगा। वह अपने दृष्टिकोण में आश्वस्त और दृढ़ रहेगा। वह स्वतंत्र रहना पसंद करता है और यह उसे अहंकारी बना सकता है। यह प्रगति और विकास का द्योतक है। उसके पास गतिविधियों और घटनाओं से भरा जीवन होगा। वह जीवन में कई चीजें हासिल करेगा। उसके पास सुंदर आँखें और बड़ा माथा होगा। जैसा कि सूर्य पित्त को दर्शाता है, व्यक्ति के पास एक अच्छा पाचन तंत्र होगा।

शुक्र स्थान:प्रथम भाव

यह आत्म सम्मान, साहस, गौरव का प्रतीक है। व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षाओं से चिंतित होगा और जीवन में विकास और समृद्धि की आवश्यकता होगी। वह समाज में अपनी छवि के प्रति जागरूक होगा। वह अपने दृष्टिकोण में आश्वस्त और दृढ़ रहेगा। वह स्वतंत्र रहना पसंद करता है और यह उसे अहंकारी बना सकता है। यह प्रगति और विकास का द्योतक है। उसके पास गतिविधियों और घटनाओं से भरा जीवन होगा। वह जीवन में कई चीजें हासिल करेगा। उसके पास सुंदर आँखें और बड़ा माथा होगा। जैसा कि सूर्य पित्त को दर्शाता है, व्यक्ति के पास एक अच्छा पाचन तंत्र होगा।

शनि स्थान:प्रथम भाव

यह आत्म सम्मान, साहस, गौरव का प्रतीक है। व्यक्ति अपनी महत्वाकांक्षाओं से चिंतित होगा और जीवन में विकास और समृद्धि की आवश्यकता होगी। वह समाज में अपनी छवि के प्रति जागरूक होगा। वह अपने दृष्टिकोण में आश्वस्त और दृढ़ रहेगा। वह स्वतंत्र रहना पसंद करता है और यह उसे अहंकारी बना सकता है। यह प्रगति और विकास का द्योतक है। उसके पास गतिविधियों और घटनाओं से भरा जीवन होगा। वह जीवन में कई चीजें हासिल करेगा। उसके पास सुंदर आँखें और बड़ा माथा होगा। जैसा कि सूर्य पित्त को दर्शाता है, व्यक्ति के पास एक अच्छा पाचन तंत्र होगा।

शुक्र-शनि ग्रह युति

शनि + शुक्र

आपकी कुंडली में शनि-शुक्र की युति है क्योंकि शनि और शुक्र एक ही घर में हैं। शनि परिश्रम और न्याय है, शुक्र भौतिकवाद और प्रेम है। यह अनिवार्य रूप से एक ऐसे व्यक्ति को दर्शाता है जो बहुत मेहनत करेगा और बहुत अधिक धन और भाग्य पैदा करेगा। यह एक बहुत ही शुभ संयोग है और आमतौर पर ऐसे लोगों में देखा जाता है जो जाने से पहले अपने जीवन में एक विरासत का निर्माण करते हैं।

ये दोनों मित्र ग्रह हैं लेकिन शुक्र लाभकारी है जबकि शनि लाभकारी नहीं है। जिन लोगों की कुंडली में शुक्र और शनि एक साथ एक घर में होते हैं, वे अक्सर कलाकार होते हैं। ऐसे व्यक्ति के पास एक अच्छा कौशल और ललित कलाओं में रुचि होगी, विशेष रूप से ड्राइंग, पेंटिंग और स्कल्पटिंग। शनि और शुक्र का मिलन भी व्यक्ति को बौद्धिक बनाता है। ऐसे ग्रहों के संयोजन वाले लोगों को यात्रा करना और दुनिया को देखना पसंद है। इसके अलावा, वे साहसी हैं और चुनौतियों से लड़ने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। यह संयोजन कभी-कभी जीवनसाथी / प्रियजनों से अलगाव का कारण भी बन सकता है।

वैवाहिक जीवन के संबंध में प्रतिकूल होने के कारण व्यक्ति घरेलू आनंद का आनंद लेने के लिए संघर्ष कर सकता है। साथी के साथ अक्सर कलह होती है और प्यार में शारीरिक संतुष्टि की कमी होती है। उनका विवाहित जीवन चुनौतियों और परीक्षणों की एक श्रृंखला है। व्यर्थ और एकांत की भावना के साथ व्यक्ति को एक अकेले व्यक्ति की तरह रहना पड़ सकता है। इसके अलावा, व्यक्ति सुख-सुविधाओं का त्याग करता है और जीवन में एक कठिन रास्ता चुनता है जो जिम्मेदारियों और प्रतिबद्धताओं से भरा होता है। हालांकि, जब यह संयोजन सकारात्मक होता है, तो व्यक्ति का विवाह या साथी धन का स्रोत बन जाता है, जिससे समृद्धि होती है।

दूसरा भाव आपकी कुंडली में

दूसरा भाव प्रतिनिधित्व

Me, दूसरा भाव प्रतीक परिवार, धन, भाषण, गर्दन.

दूसरा भाव आपकी कुंडली में

राशि :कर्क, कारक ग्रह : गुरू, श्रेणी : मारक,दृष्टि I राहु

चन्द्र स्वामी:दूसरा भाव

दूसरा घर भाषण, धन, परिवार, भोजन की आदतों का संकेत देता है। वे बृहस्पति के महत्व से धन कमा सकते हैं जैसे कि शिक्षण, बैंकिंग, सार्वजनिक भाषण आदि। वे वित्तीय प्रबंधन और सलाहकार में अच्छे होंगे। परिवार में, वे सभी वित्तीय फैसले बुद्धिमानी से लेंगे। वे एक विद्वान की तरह धाराप्रवाह बोलेंगे और व्याकरण पर नियंत्रण रखेंगे। इसके अलावा वे सच बोलते हैं। उनके खाने की आदत सात्विक हो सकती है लेकिन वे बहुत खाते हैं। वे मनोगत अध्ययन या ज्योतिष में भी रुचि ले सकते हैं।

सूर्य स्थान:दूसरा भाव

दूसरा घर भाषण, धन, परिवार, भोजन की आदतों का संकेत देता है। वे बृहस्पति के महत्व से धन कमा सकते हैं जैसे कि शिक्षण, बैंकिंग, सार्वजनिक भाषण आदि। वे वित्तीय प्रबंधन और सलाहकार में अच्छे होंगे। परिवार में, वे सभी वित्तीय फैसले बुद्धिमानी से लेंगे। वे एक विद्वान की तरह धाराप्रवाह बोलेंगे और व्याकरण पर नियंत्रण रखेंगे। इसके अलावा वे सच बोलते हैं। उनके खाने की आदत सात्विक हो सकती है लेकिन वे बहुत खाते हैं। वे मनोगत अध्ययन या ज्योतिष में भी रुचि ले सकते हैं।

बुध स्थान:दूसरा भाव

दूसरा घर भाषण, धन, परिवार, भोजन की आदतों का संकेत देता है। वे बृहस्पति के महत्व से धन कमा सकते हैं जैसे कि शिक्षण,

बैंकिंग, सार्वजनिक भाषण आदि। वे वित्तीय प्रबंधन और सलाहकार में अच्छे होंगे। परिवार में, वे सभी वित्तीय फैसले बुद्धिमानी से लेंगे। वे एक विद्वान की तरह धाराप्रवाह बोलेंगे और व्याकरण पर नियंत्रण रखेंगे। इसके अलावा वे सच बोलते हैं। उनके खाने की आदत सात्विक हो सकती है लेकिन वे बहुत खाते हैं। वे मनोगत अध्ययन या ज्योतिष में भी रुचि ले सकते हैं।

सूर्य-बुध ग्रह युति

सूर्य + बुध

आपकी कुंडली में सूर्य-बुध की युति है क्योंकि सूर्य और बुध एक ही घर में हैं। यह प्रसिद्ध बुध-आदित्य योग है। यह एक सकारात्मक संयोजन है। व्यक्ति एक विद्वान व्यक्ति होगा और नाम और प्रसिद्धि पाने के लिए अपनी बुद्धि का उपयोग करेगा। व्यक्ति में असाधारण संचार और बोलने की क्षमता है।

यह संयोजन सामान्यतः देखा जाता है क्योंकि सूर्य और बुध हमेशा पास होते हैं। उन क्षेत्रों में अच्छी सफलता देखी जाती है जहां संचार सर्वोपरि है। यदि आपके करियर के लिए लिखित या मौखिक संचार की आवश्यकता है, तो आपको अपार सफलता मिलेगी।

यह संयोजन नेतृत्व और प्रशासनिक गुणों को बढ़ाता है। लोग आपकी सलाह और निर्देशों का पालन करेंगे। लोग आपकी बुद्धिमत्ता और तेजी से निर्णय लेने की क्षमताओं की प्रशंसा करते हैं।

तीसरा भाव आपकी कुंडली में

तीसरा भाव प्रतिनिधित्व

Me, तीसरा भाव प्रतीक साहस, लघु यात्राएँ, वाक्पटुता, भाई-बहन और हाथ.

तीसरा भाव आपकी कुंडली में

राशि :सिंह, कारक ग्रह : मंगल, श्रेणी : उपचय,दृष्टि । गुरू, शनि

सूर्य स्वामी:तीसरा भाव

तृतीय भाव साहस, आत्म प्रयास, संचार, भाइयों आदि को दर्शाता है। यह बहस में अच्छा रहेगा। उन्हें विभिन्न स्थानों की यात्रा करना भी पसंद है। वे स्पोर्ट्समैन के रूप में अच्छा करेंगे क्योंकि तीसरा घर पूर्ण रूप से मंगल ऊर्जा का उपयोग करता है। उनके सह-जन्म विशेष रूप से छोटे भाई-बहन भी स्वभाव से बहुत साहसी और प्रतिस्पर्धी होंगे और व्यक्ति से लाभान्वित होंगे।

मंगल स्थान:तीसरा भाव

तृतीय भाव साहस, आत्म प्रयास, संचार, भाइयों आदि को दर्शाता है। यह बहस में अच्छा रहेगा। उन्हें विभिन्न स्थानों की यात्रा करना भी पसंद है। वे स्पोर्ट्समैन के रूप में अच्छा करेंगे क्योंकि तीसरा घर पूर्ण रूप से मंगल ऊर्जा का उपयोग करता है। उनके सह-जन्म विशेष रूप से छोटे भाई-बहन भी स्वभाव से बहुत साहसी और प्रतिस्पर्धी होंगे और व्यक्ति से लाभान्वित होंगे।

ग्रह युति

04

चौथा भाव आपकी कुंडली में

चौथा भाव प्रतिनिधित्व

Me, चौथा भाव प्रतीक घर, माँ, शिक्षा, खुशी और दिल.

चौथा भाव आपकी कुंडली में

राशि :कन्या, कारक ग्रह : चन्द्र, श्रेणी : केंद्र,दृष्टि । चन्द्र

बुध स्वामी:चौथा भाव

चतुर्थ भाव सुख, गृह सुख, संपत्ति, माता आदि से संबंधित है। चंद्रमा चौथे भाव का कारक है। घर और माँ के साथ उनका भावनात्मक लगाव होगा। यदि चंद्रमा अनुकूल है, तो उनके पास बहुत सुंदर बचपन होगा और वे अपने जीवन के बाकी हिस्सों के लिए इस स्मृति का आनंद लेंगे। लेकिन अगर यह अनुकूल नहीं है, तो उनके पास बचपन की उदास स्मृति होगी। उनमें संतुलित भावनाएं और मानसिकता होगी। वे आम तौर पर बड़े परिवार में रहना पसंद करते हैं और वे भावनात्मक रूप से उनसे जुड़े रहेंगे। वे अक्सर अपना घर बदलते हैं या वे घर के इंटीरियर या फर्नीचर को बहुत बदलते हैं। वे वाहनों से संपन्न हैं। वे अलग-अलग चीजें करने की कोशिश करते हैं और पेशे में प्रयोग करना पसंद करते हैं। वे आध्यात्मिकता के लिए इच्छुक होंगे और उनके पास सहज शक्तियां हो सकती हैं।

पांचवा भाव आपकी कुंडली में

पांचवा भाव प्रतिनिधित्व

Me, पांचवा भाव प्रतीक रचनात्मकता, संतान, बुद्धि, प्रेम.

पांचवा भाव आपकी कुंडली में

राशि :तुला, कारक ग्रह : गुरू, श्रेणी : त्रिकोण,दृष्टि I गुरू, राहु

शुक्र स्वामी:पांचवा भाव

पंचम भाव बुद्धि, रचनात्मकता, पूर्व कर्म, विद्या, संतान, अटकलें आदि का द्योतक है। इनका व्यक्तित्व अत्यंत बुद्धिमान और विद्वतापूर्ण होगा। वे धन्य और संतुष्ट महसूस करेंगे। वे शांतिपूर्ण और मेधावी जीवन जीएंगे। वे शिक्षण और उपदेश के माध्यम से कमा सकते हैं। हर तरह से सफलता और समृद्धि मिलेगी। वे सभी संभव तरीकों से अपने ज्ञान को बढ़ाने की कोशिश करेंगे। उनके बच्चे शिक्षित होंगे और समृद्ध होंगे। पांचवां घर भी गर्भ का संकेत देता है। स्त्री की कुंडली में बृहस्पति गर्भ की रक्षा करेगा। गर्भाशय को कोई समस्या नहीं हो सकती है।

06

छठा भाव आपकी कुंडली में

छठा भाव प्रतिनिधित्व

Me, छठा भाव प्रतीक रोग, दुश्मन, पाचन तंत्र, ऋण और मुकदमेबाजी.

छठा भाव आपकी कुंडली में

राशि :वृश्चिक, कारक ग्रह : शनि, श्रेणी : त्रिक , उपचय,दृष्टि I मंगल

मंगल स्वामी:छठा भाव

छठा भाव सेवा, रोगों, संघर्षों, शत्रुओं, ऋण, प्रतिस्पर्धा आदि का द्योतक है। यह संयोजन यह सुनिश्चित करेगा कि व्यक्ति जीवन में कठिन परिश्रम करे। यहां कड़ी मेहनत उन्हें परिणाम देगी। वे बीमारी और दुश्मनों को दूर करेंगे। लेकिन बुढ़ापे में कुछ असाध्य और प्रगतिशील रोग हो सकते हैं। शनि ग्रह इन घरों की नकारात्मकता को धीमा कर देगा। यह सेवा का घर है। इस घर में शनि ग्रह, सामाजिक कार्यकर्ता बनाता है। वे सामाजिक कल्याण में गहरी रुचि रख सकते हैं और वंचित लोगों के लिए काम कर सकते हैं। उनके पास काफी लंबा जीवन होगा।

राहु स्थान:छठा भाव

छठा भाव सेवा, रोगों, संघर्षों, शत्रुओं, ऋण, प्रतिस्पर्धा आदि का द्योतक है। यह संयोजन यह सुनिश्चित करेगा कि व्यक्ति जीवन में कठिन परिश्रम करे। यहां कड़ी मेहनत उन्हें परिणाम देगी। वे बीमारी और दुश्मनों को दूर करेंगे। लेकिन बुढ़ापे में कुछ असाध्य और प्रगतिशील रोग हो सकते हैं। शनि ग्रह इन घरों की नकारात्मकता को धीमा कर देगा। यह सेवा का घर है। इस घर में शनि ग्रह, सामाजिक कार्यकर्ता बनाता है। वे सामाजिक कल्याण में गहरी रुचि रख सकते हैं और वंचित लोगों के लिए काम कर सकते हैं। उनके पास काफी लंबा जीवन होगा।

ग्रह युति

07

सातवां भाव आपकी कुंडली में

सातवां भाव प्रतिनिधित्व

Me, सातवां भाव प्रतीक पति / पत्नी, साझेदारी, विदेश यात्रा, मूत्र प्रणाली.

सातवां भाव आपकी कुंडली में

राशि :धनु, कारक ग्रह : शुक्र, श्रेणी : मारक , केंद्र,दृष्टि । शुक्र, शनि

गुरू स्वामी:सातवां भाव

सातवां घर विवाहित जीवन, जीवनसाथी, साझेदारी आदि का द्योतक है। इस स्थिति वाले व्यक्ति अच्छे दिखने वाले, भावुक, महत्वाकांक्षी होंगे। उनका दाम्पत्य जीवन सुखमय रहेगा। उनमें कुछ कलात्मक क्षमताएं होंगी। वे जीवन में बहुत भौतिकवादी हो जाएंगे। यह स्थिति व्यक्ति में स्वार्थी व्यवहार पैदा कर सकती है। व्यक्ति का जीवन साथी बहुत आकर्षक होगा। जीवनसाथी को संगीत, नृत्य, चित्रकला, कला या किसी अन्य रचनात्मक प्रतिभा में रूचि होगी। इस घर में शुक्र व्यक्ति में अपार यौन इच्छाएँ पैदा कर सकता है। इस वजह से, वे वर्षों में विवाहित जीवन से असंतुष्ट हो सकते हैं। वे कुछ और रिश्ते बनाने की कोशिश कर सकते हैं जो जीवन में तनाव पैदा करेगा।

08

आठवां भाव आपकी कुंडली में

आठवां भाव प्रतिनिधित्व

Me, आठवां भाव प्रतीक लाइलाज रोग, क्रोध, आध्यात्मिकता, आयु.

आठवां भाव आपकी कुंडली में

राशि :मकर, कारक ग्रह : शनि, श्रेणी : त्रिक,दृष्टि । सूर्य, बुध

शनि स्वामी:आठवां भाव

अष्टम भाव दीर्घायु, परिवर्तन, अचानक घटनाओं आदि का द्योतक है। यह कुंडली में एक रहस्यमय संयोजन है। शनि व्यक्ति में आध्यात्मिकता को बढ़ाता है। व्यक्ति के लिए कई कष्ट हो सकते हैं लेकिन शनि चाहते हैं कि वे कष्टों से सीखें। वे अलग-थलग या एकाकी स्थानों पर काम कर सकते हैं या रह सकते हैं। वे पर्दे के पीछे रहकर काम कर सकते हैं। वे कड़ी मेहनत करेंगे लेकिन क्रेडिट कोई और लेगा। वे किसी भी क्षेत्र में एक शोधकर्ता के रूप में अच्छा कर सकते हैं। करियर के पहलू में परेशानी हो सकती है। यह अध्यात्म का घर है। वे मनोगत विज्ञान का अध्ययन कर सकते हैं और गहन आध्यात्मिक जीवन का अनुभव करना चाहते हैं। वे जीवन के भौतिकवादी पहलुओं के बारे में थोड़ा अलग या अनिच्छुक होंगे। ध्यान और आध्यात्मिकता उन्हें खुशी देंगे। यह उन्हें बहुत सहज बनाता है। उन्हें धन या संपत्ति के उत्तराधिकार में समस्या हो सकती है। जातक के जीवनसाथी को धन संचय करने में समस्या आ सकती है।

नौवां भाव आपकी कुंडली में

नौवां भाव प्रतिनिधित्व

Me, नौवां भाव प्रतीक पिता, भाग्य, बुद्धि, गुरू और धर्म.

नौवां भाव आपकी कुंडली में

राशि :कुम्भ, कारक ग्रह : गुरू, श्रेणी : त्रिकोण,दृष्टि | मंगल

शनि स्वामी:नौवां भाव

नवम भाव भाग्य, ज्ञान, विद्या, पिता आदि के लिए है। जिस व्यक्ति की कुंडली में यह संयोग होता है, वह एक सम्मानित व्यक्ति होगा और विशाल धन अर्जित करेगा। वे धर्म और नैतिक मूल्यों का पालन करेंगे। वे परंपरा और धर्म के कर्मकांड सिद्धांतों का पालन करेंगे। वे शिक्षकों, प्रचारकों, धर्म और आध्यात्मिकता पर सार्वजनिक वक्ताओं आदि के रूप में अच्छा करेंगे। जो काम वे करते हैं वह जरूरी नहीं कि धार्मिक हो लेकिन नैतिक होना चाहिए। वे अपने क्षेत्र के शिक्षकों की तरह होंगे और लोग उनका सम्मान करेंगे और उनसे सलाह लेंगे। व्यक्ति का पिता भी समाज में सम्मानित होगा, और उसके पास धन और भाग्य होगा। अगर बृहस्पति नकारात्मक है, तो वे अपने धर्म में कट्टरपंथी बन सकते हैं। उनके पास बहुत मजबूत विश्वास होगा और वे दूसरों पर भी अपने विचारों को लागू करने की कोशिश करेंगे।

गुरू स्थान:नौवां भाव

नवम भाव भाग्य, ज्ञान, विद्या, पिता आदि के लिए है। जिस व्यक्ति की कुंडली में यह संयोग होता है, वह एक सम्मानित व्यक्ति होगा और विशाल धन अर्जित करेगा। वे धर्म और नैतिक मूल्यों का पालन करेंगे। वे परंपरा और धर्म के कर्मकांड सिद्धांतों का पालन करेंगे। वे शिक्षकों, प्रचारकों, धर्म और आध्यात्मिकता पर सार्वजनिक वक्ताओं आदि के रूप में अच्छा करेंगे। जो काम वे करते हैं वह जरूरी नहीं कि धार्मिक हो लेकिन नैतिक होना चाहिए। वे अपने क्षेत्र के शिक्षकों की तरह होंगे और लोग उनका सम्मान करेंगे

और उनसे सलाह लेंगे। व्यक्ति का पिता भी समाज में सम्मानित होगा, और उसके पास धन और भाग्य होगा। अगर बृहस्पति नकारात्मक है, तो वे अपने धर्म में कट्टरपंथी बन सकते हैं। उनके पास बहुत मजबूत विश्वास होगा और वे दूसरों पर भी अपने विचारों को लागू करने की कोशिश करेंगे।

ग्रह युति

दसवां भाव आपकी कुंडली में

दसवां भाव प्रतिनिधित्व

Me, दसवां भाव प्रतीक पेशा, सार्वजनिक जीवन, प्रसिद्धि, कर्म.

दसवां भाव आपकी कुंडली में

राशि :मीन, कारक ग्रह : सूर्य, श्रेणी : केंद्र , उपचय,दृष्टि | मंगल, शनि, राहु

गुरू स्वामी:दसवां भाव

दशम भाव कर्म, पेशे, गतिविधि आदि के लिए है। व्यापक अर्थ में यह इस जीवन में हमारे द्वारा किए जाने वाले कर्म या कर्तव्यों से संबंधित है। उनके पास स्वाभाविक रूप से नेतृत्व के गुण हैं और वे दूसरों के लिए एक आदर्श बन जाएंगे। वे दूसरों पर हावी होना पसंद नहीं करते। वह व्यक्ति या तो सरकार के साथ काम करता है या अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करता है। राजनीति इन व्यक्तियों को बहुत अच्छी लगती है। चूंकि दशम भाव राशि चक्र का चरम बिंदु है, इसलिए व्यक्ति का सार्वजनिक जीवन घटनापूर्ण होगा। वह अकेले रहना पसंद नहीं करता है और हमेशा यह पसंद करता है कि लोग उसके आसपास राजाओं और राजनेताओं की तरह रहें। जब वह अकेला हो जाएगा या अनदेखा किया जाएगा, तो उसके अहंकार में बाधा आएगी।

चन्द्र स्थान:दसवां भाव

दशम भाव कर्म, पेशे, गतिविधि आदि के लिए है। व्यापक अर्थ में यह इस जीवन में हमारे द्वारा किए जाने वाले कर्म या कर्तव्यों से संबंधित है। उनके पास स्वाभाविक रूप से नेतृत्व के गुण हैं और वे दूसरों के लिए एक आदर्श बन जाएंगे। वे दूसरों पर हावी होना पसंद नहीं करते। वह व्यक्ति या तो सरकार के साथ काम करता है या अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करता है। राजनीति इन व्यक्तियों को बहुत अच्छी लगती है। चूंकि दशम भाव राशि चक्र का चरम बिंदु है, इसलिए व्यक्ति का सार्वजनिक जीवन घटनापूर्ण होगा। वह अकेले रहना पसंद नहीं करता है और हमेशा यह पसंद करता है कि लोग उसके आसपास राजाओं और राजनेताओं की

तरह रहें। जब वह अकेला हो जाएगा या अनदेखा किया जाएगा, तो उसके अहंकार में बाधा आएगी।

ग्रह युति

ग्यारहवां भाव आपकी कुंडली में

ग्यारहवां भाव प्रतिनिधित्व

Me, ग्यारहवां भाव प्रतीक लाभ, इच्छा, मित्र, आसान पैसा और पैर.

ग्यारहवां भाव आपकी कुंडली में

राशि :मेष, कारक ग्रह : गुरू, श्रेणी : उपचय,दृष्टि।

मंगल स्वामी:ग्यारहवां भाव

ग्यारहवां घर लाभ, इच्छाओं, उपलब्धियों आदि के बारे में है। जीवन में उच्च इच्छाएं और महत्वाकांक्षाएं होंगी लेकिन वे सही मायनों में धन अर्जित करेंगे। वे आत्मविश्वास और साहस में उच्च होंगे। यह घर आपके आसपास के लोगों का नेटवर्क दिखाता है। वे दोस्तों और सोशल सर्कल में अपनी छवि का बहुत अच्छे से ख्याल रखेंगे। ज्यादातर वे समान मानसिकता वाले लोगों के साथ जुड़े होंगे। वे स्वभाव से उदार और दानशील होंगे। वे शिक्षण क्षेत्र में व्याख्याता, प्रोफेसर, सट्टा व्यवसाय, वित्तीय प्रबंधन, मीडिया क्षेत्र आदि में काम कर सकते हैं।

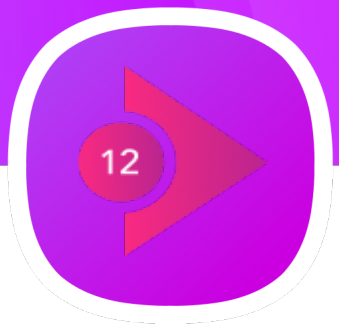

बारहवां भाव आपकी कुंडली में

बारहवां भाव प्रतिनिधित्व

Me, बारहवां भाव प्रतीक हानि, विदेशी भूमि, कारावास, मोक्ष और नींद.

बारहवां भाव आपकी कुंडली में

राशि :वृषभ, कारक ग्रह : शनि, श्रेणी : त्रिक,दृष्टि । राहु

शुक्र स्वामी:बारहवां भाव

बारहवां घर हानि, अस्पतालों, व्यय, मुक्ति, अवचेतन मन आदि का प्रतिनिधित्व करता है। भौतिकवादी जीवन और इच्छाओं से मुक्ति और मुक्ति की तीव्र इच्छा हो सकती है। इस वजह से, वे अकेले महसूस कर सकते हैं और यह कई बार उन्हें उदास कर सकता है। भौतिक सुख की हानि हो सकती है इसलिए वे आध्यात्मिकता की इच्छा महसूस करने लगते हैं। परिवार से अलगाव हो सकता है। आम तौर पर उनके लिए अपनी मातृभूमि से दूर रहना अच्छा होगा। यह स्थिति कभी-कभी व्यक्ति को बहुत कंजूस बना देती है। बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं और अस्पताल में भर्ती हो सकते हैं। शनि ऊर्जा व्यक्ति को विशेष रूप से गरीबों, वंचितों पर खर्च कर सकती है। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उपयुक्त हैं।

केतु स्थान:बारहवां भाव

बारहवां घर हानि, अस्पतालों, व्यय, मुक्ति, अवचेतन मन आदि का प्रतिनिधित्व करता है। भौतिकवादी जीवन और इच्छाओं से मुक्ति और मुक्ति की तीव्र इच्छा हो सकती है। इस वजह से, वे अकेले महसूस कर सकते हैं और यह कई बार उन्हें उदास कर सकता है। भौतिक सुख की हानि हो सकती है इसलिए वे आध्यात्मिकता की इच्छा महसूस करने लगते हैं। परिवार से अलगाव हो सकता है। आम तौर पर उनके लिए अपनी मातृभूमि से दूर रहना अच्छा होगा। यह स्थिति कभी-कभी व्यक्ति को बहुत कंजूस बना देती है। बीमारियों से पीड़ित हो सकते हैं और अस्पताल में भर्ती हो सकते हैं। शनि ऊर्जा व्यक्ति को विशेष रूप से गरीबों, वंचितों पर खर्च कर

सकती है। वे एक सामाजिक कार्यकर्ता के रूप में उपयुक्त हैं।

ग्रह युति

जीवन विश्लेषण - व्यक्तित्व

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

सहानुभूतिपूर्ण (और भावनात्मक भी)

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आप सहानुभूति से भरे हुए हैं और दूसरों के दृष्टिकोण को बहुत स्पष्ट रूप से समझते हैं। आप दूसरों की देखभाल करने और उनकी भलाई सुनिश्चित करने के लिए पैदा हुए हैं। आप अपने परिवार, जीवनसाथी और दोस्तों के साथ गहरे भावनात्मक संबंध रखेंगे। लोग आप पर अत्यधिक निर्भर होंगे, खासकर भावनात्मक जरूरतों के लिए। आपको दूसरों से समान स्नेह और देखभाल नहीं मिल सकती है

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

कल्पनाशील (और fantasist भी)

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आप अत्यधिक कल्पनाशील हैं, और आप उन चीजों की ओर आकर्षित होते हैं जो आपकी कल्पना को प्रज्वलित कर सकते हैं। आपकी कल्पना की जरूरतें साहित्य और फिल्मों जैसी चीजों में रुचि पैदा करेंगी। यह कल्पना आपको दुनिया की अराजकता से दूर होने में मदद करेगी। आप एक फंतासी भी हैं और आपको लेखन या रचनात्मकता जैसे क्षेत्रों में अपनी कल्पना का उपयोग करना चाहिए।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

रोमांठिक (और ईर्ष्या भी)

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

हालांकि आप इसे नहीं दिखाते हैं, लेकिन आप अत्यधिक रोमांठिक हैं और गहरे भावनात्मक बंधनों में विश्वास करते हैं। आप उथले रिश्तों को पसंद नहीं करते हैं, और आप अत्यधिक भावनात्मक भी हैं। मजबूत और गहरे रिश्ते की यह आवश्यकता आपको थोड़ी ईर्ष्या भी कर सकती है क्योंकि आप अपने साथी / पति या पत्नी पर पूर्ण नियंत्रण चाहते हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
युवा व्यक्तित्व (और अपरिपक्व)
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी उम्र के बावजूद, आप हमेशा अपने विचारों और जीवन शैली में युवा रहेंगे। आपके पास एक खानाबदोश मानसिकता है और लंबे समय तक एक ही स्थान पर बसने का विचार पसंद नहीं है। आपकी बचकानी प्रकृति और मजेदार बातचीत को कभी-कभी आपके अपरिपक्व व्यवहार के रूप में माना जा सकता है। आप कभी बूढ़े नहीं होंगे और हमेशा दिल से युवा रहेंगे।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
जल्दबाज़ (और अनियमित भी)
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आप तुरंत सब कुछ चाहते हैं। आप तेजी से सोचते हैं, तेजी से खाते हैं, तेजी से आगे बढ़ते हैं, तेजी से बात करते हैं, चीजों को तेजी से चाहते हैं और आप अपनी मानसिकता को भी तेजी से बदलते हैं। इन व्यवहारों को चंचल और लापरवाह के रूप में देखा जा सकता है। तथ्य यह है कि आप अपनी उच्च बुद्धि और उच्च मस्तिष्क शक्ति के कारण इतनी तेज गति से चीजों को करने में सक्षम हैं। लेकिन आप उन चीजों में वास्तव में अच्छे हैं जिनके लिए सटीकता के बजाय गति की आवश्यकता होती है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
जिज्ञासु (और गपशप करने वाला भी)
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपको यह जानने की बहुत अधिक आवश्यकता है कि क्या हो रहा है। आप न केवल नवीनतम जानकारी प्राप्त करना चाहते हैं, बल्कि इसे फैलाना भी चाहते हैं। आपके पास गुप्त जानकारी को अपने पास रखने की क्षमता नहीं है। आप सभी को सब कुछ बताने और गपशप की तुरही खेलने की इच्छा होगी। इस वजह से, आप हमेशा अपने आस-पास की हर चीज के बारे में अच्छी तरह से जानते हैं, और लोग जानकारी के लिए आपकी ओर देखते हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
आपके अच्छे गुण
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

✔ अच्छा वक्ता / लेखक

✔ बुद्धिमान

✔ विनोदी

✔ जानकार

✔ क्रिएटिव

✔ रोमांटिक

✔ कल्पनाशील

✔ देखभाल

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपके बुरे गुण

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

✔ गपशप करने वाला

✔ चंचल मन

✔ अनावश्यक डींग मारना

✔ अपरिपक्व

✔ भावनात्मक पर

✔ ईर्ष्यापूर्ण

✔ मूडी

✔ जुनूनी

जीवन विश्लेषण - व्यावसायिक जीवन

✔ साहित्य, संगीत या कला के लिए आपका प्यार आपके पेशेवर जीवन में दिखाई देता है। आप जो भी करते हैं उसमें पूर्णता और प्रतिभा का एक निश्चित स्तर होता है।

✔ आप नीरस नौकरियों के लिए नहीं बने हैं, और यदि आपकी नौकरी आपको अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने की अनुमति नहीं देती है तो आप अत्यधिक असंतुष्ट हो जाएंगे।

✔ आप सहानुभूतिपूर्ण हैं और लोगों और व्यवहारों की गहरी समझ रखते हैं। आप उन नौकरियों के लिए अत्यधिक उपयुक्त हैं जिनके लिए करुणा, देखभाल और स्नेह की आवश्यकता होती है।

✔ आपको ज्योतिष / आध्यात्मिकता में रुचि होगी, और यदि आपकी नौकरी / व्यवसाय इस क्षेत्र में है तो आप सफलता का स्वाद लेंगे।

✔ कार्यस्थल पर भावुक न हों और अपने पेशेवर और व्यक्तिगत जीवन को अलग रखें।

✔ आप मानसिक रूप से थकाऊ काम पसंद करते हैं, जिसमें आप अपने मस्तिष्क का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकते हैं

✔ आप नए विचारों और अभिनव समाधानों से भरे हुए हैं। इस कारण से, आप योजना और रचनात्मक प्रयासों के लिए सबसे उपयुक्त हैं।

✔ आप एक मल्टीटास्कर हैं और समय बचाने के लिए समानांतर में दो या अधिक चीजें करना पसंद करते हैं

✔ आप आसानी से दोहराए जाने वाले काम से ऊब सकते हैं क्योंकि आप बस नीरस दिनचर्या से नफरत करते हैं

✔ आप उन व्यवसायों के लिए सबसे उपयुक्त हैं जिनमें आप लोगों के साथ अपने अच्छे बोलने / लेखन कौशल या नेटवर्क का उपयोग कर सकते हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
उपयुक्त व्यवसायों
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

✔ शेयर बाजार निवेशक / विश्लेषक

✔ शिक्षक

✔ जन संचार / विपणन

✔ ब्लॉगिंग / लेखन

✔ ग्राहक केंद्रित नौकरियां

✔ साहित्य / संगीत

✔ डॉक्टर / चिकित्सा

✔ मनोवैज्ञानिक

✔ ज्योतिष / आध्यात्मिकता

✔ होटल / खाद्य व्यवसाय

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
व्यावसायिक जीवन के लिए युक्तियाँ
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

✔ जरूरत पड़ने पर ही बोलें

✔ गपशप से बचें

✔ दिनचर्या से ऊब जाने से बचें

✔ कार्यस्थल पर भावुक होने से बचें

✔ उन नौकरियों का चयन करें जिन्हें रचनात्मकता की आवश्यकता होती है

✔ अपनी प्राथमिकताओं को बाकी सब कुछ से ऊपर रखें

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
व्यवसाय या नौकरी
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
बिजनेस में अच्छी सफलता और पहचान मिलेगी। हालांकि, आपको अपनी व्यावसायिक साझेदारी में सावधान रहना चाहिए क्योंकि आप धोखा दे सकते हैं। नौकरी या बिजनेस दोनों करने में आप सहज रहेंगे। आप अपने पेशेवर जीवन में खुश हैं यदि आपको वांछित धन / मान्यता मिलती है। बस सुनिश्चित करें कि आप उन क्षेत्रों में काम करते हैं जिन्हें हमने ऊपर सूचीबद्ध किया है क्योंकि वे आपके भाग्यशाली कार्य क्षेत्र हैं।

जीवन विश्लेषण - प्रेम और वैवाहिक जीवन

✔ आप अत्यधिक स्नेही व्यक्ति हैं जो किसी ऐसे व्यक्ति के लिए कुछ भी बलिदान कर सकते हैं जिसे आप प्यार करते हैं।

✔ आप उन लोगों की ओर आकर्षित होते हैं जो आपके जटिल भावनात्मक स्वभाव को समझ सकते हैं और आपकी देखभाल कर सकते हैं।

✔ आप संवेदनशील हैं और अपने भागीदारों के व्यवहार में मामूली बदलाव का भी अनुमान लगा सकते हैं।

✔ आप अपने साथी के साथ सब कुछ साझा करते हैं और उसी की उम्मीद करते हैं। पारदर्शिता और भावनात्मक बंधन आपके लिए बहुत महत्वपूर्ण हैं।

✔ अपने साथी से अवास्तविक अपेक्षाओं से बचें और अतिसंवेदनशील न हों

✔ आप अपने रिश्ते में सबसे ज्यादा खुश होते हैं जब आप बौद्धिक स्तर पर जुड़ सकते हैं।

✔ आप साहसी हैं और अपने साथी के साथ नए / विदेशी स्थानों पर यात्रा करना पसंद करते हैं।

✔ आप आसानी से एक रिश्ते में ऊब जाते हैं और इससे कई ब्रेकअप हो सकते हैं (इससे पहले कि आप अपने जीवन साथी को ढूंढ सकें)। आपको जीवन में देर से शादी करनी चाहिए, अन्यथा आपके अपरिपक्व / जल्दबाजी में शादी के फैसले से तलाक / अलगाव हो सकता है।

✔ कभी-कभी आपका साथी संचार, गपशप या मजाक के लिए आपकी उच्च आवश्यकता से थोड़ा अभिभूत या चिढ़ सकता है।

✔ आपको किसी ऐसे व्यक्ति से शादी करनी चाहिए जो आपकी उच्च बुद्धि को समझता है और जीवन में मज़ेदार / उत्साह की

आवश्यकता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
प्यार / विवाहित जीवन के लिए टिप्स
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

✔ रिश्ते में स्थिरता की तलाश करें

✔ कुंडली में मजबूत बुध के साथ एक बुद्धिमान व्यक्ति से शादी करें

✔ शादी का फैसला सोच-समझकर लें

✔ यथार्थवादी उम्मीदें रखें

✔ अपने अतिसंवेदनशील प्रकृति को नियंत्रित करें

✔ अपनी भावनाओं को नियंत्रित करें

जीवन विश्लेषण - संपत्ति

✔ आप पैसे के मामलों से बहुत चिंतित नहीं हैं और अपने जीवन में पैसे को बहुत अधिक महत्व नहीं देते हैं।

✔ आपको अपने वित्तीय विकल्पों में अधिक सावधान रहना चाहिए और निवेश करने से पहले हमेशा एक विशेषज्ञ से परामर्श करना चाहिए। आपको सुरक्षित भविष्य के लिए बेहतर योजना बनाने की जरूरत है।

✔ आपके खर्चों में भावुक होने की प्रवृत्ति रहेगी। यदि आपको कुछ पसंद है, तो आप मूल्य टैग को भी नहीं देखेंगे। आपको अपने वित्तीय निर्णयों में अधिक व्यावहारिक और मितव्ययी होना चाहिए।

✔ आपको अपने लिए वित्तीय लक्ष्यों या सेवानिवृत्ति की योजनाओं को निर्धारित करना सीखना चाहिए क्योंकि निवेश और खर्च करने का आपका मावेरिक तरीका आपके वित्तीय जीवन को अस्थिर कर सकता है।

✔ आपके पास उन चीजों पर खर्च करने की प्रवृत्ति है जिनकी आपको आवश्यकता नहीं है। बड़े वित्तीय निर्णय लेने से पहले आपके लिए दो बार सोचना बहुत महत्वपूर्ण है।

✔ जीवन में ऐश्वर्य और विलासिता रखने की आपकी इच्छा इस जीवन में अच्छी वित्तीय सफलता सुनिश्चित करेगी और यह भी सुनिश्चित करेगी कि आप बहुत सारे धन प्राप्त करें।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
वित्तीय जीवन के लिए युक्तियाँ
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

✔ उन चीजों को खरीदने से बचें जिनकी आपको वास्तव में आवश्यकता नहीं है
✔ एक स्पष्ट वित्तीय लक्ष्य है
✔ अपनी इच्छाओं का गुलाम मत बनो। जीवन का आनंद लें।

✔ वित्तीय निर्णय सावधानी से लें

✔ अपने वित्तीय विकल्पों में अधिक व्यावहारिक बनें

✔ पैसों से जुड़े मामलों पर दूसरों पर आंख मूंदकर भरोसा न करें

जीवन विश्लेषण - आपके जीवन की सर्वश्रेष्ठ अवधि

अगले दशक में आपके लिए सबसे शुभ समय यहां दिए गए हैं। इन अवधियों की गणना आपकी जन्म कुंडली, दशा, आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति, चंद्र राशि और साढ़े साती अवधियों का उपयोग करके की जाती है।

अच्छी अवधि

मकर राशि में शनि

12 जुलाई 2022 से 17 जनवरी 2023 तक।

शनि आपके लिए अत्यधिक अनुकूल और शुभ ग्रह है। यह वह अवधि है जिसमें शनि ग्रह अपनी ही राशि मकर में बहुत मजबूत होगा और इसलिए आपके लिए एक अच्छा समय है।

कुम्भ राशि में शनि

17 जनवरी 2023 से 29 मार्च 2025 तक।

शनि आपके लिए अत्यधिक अनुकूल और शुभ ग्रह है। यह वह अवधि है जब शनि ग्रह अपनी ही राशि कुंभ राशि में बहुत मजबूत होगा और इसलिए आपके लिए एक अच्छा समय है।

तुला राशि में शनि

26 सितंबर 2041 से 12 दिसंबर 2043 तक।

शनि आपके लिए अत्यधिक अनुकूल और शुभ ग्रह है। यह वह अवधि है जिसमें शनि ग्रह तुला राशि में बहुत मजबूत और उच्च का होगा और इसलिए आपके लिए एक अच्छी अवधि है।

जीवन विश्लेषण - मांगलिक दोष

आपकी जन्म कुंडली में मांगलिक दोष नहीं है

मांगलिक दोष आपके चंद्र कुंडली में मौजूद नहीं है

आपकी शुक्र कुंडली में मांगलिक दोष मौजूद नहीं है

बहुत से लोग मांगलिक दोष से डरते हैं, और इस दोष की गणना अक्सर रद्दीकरण मापदंडों पर विचार किए बिना गलत तरीके से की जाती है। मांगलिक दोष का मतलब हमेशा तलाक नहीं होता है और आपको इससे डरना नहीं चाहिए। विवाह में अनुकूलता जांच के लिए यह सबसे महत्वपूर्ण मापदंडों में से एक है। इस दोष के साथ बहुत सारी अनावश्यक नकारात्मकताएँ जुड़ी हुई हैं, लेकिन तथ्य यह है कि बहुत सारे सफल और खुश लोगों में यह दोष होता है और इससे डरने की कोई बात नहीं है। वास्तव में, यह दोष अधिकांश चार्टों में रद्द/शून्य हो जाता है (आप नीचे रद्दीकरण अवधारणाओं को देख सकते हैं)

मंगल ग्रह आक्रामकता, उच्च ऊर्जा, पहल और महत्वाकांक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। पहले, दूसरे, चौथे, सातवें, आठवें या बारहवें भाव में मंगल की स्थिति नकारात्मक मानी जाती है, इसलिए इसे 'दोष' कहा जाता है।

➤ पहला घर स्वयं के बारे में है

दूसरा घर परिवार के बारे में है

चौथा घर घरेलू सुख के बारे में है
सप्तम भाव जीवनसाथी का होता है
आठवां घर दीर्घायु के लिए माना जाता है
बारहवां भाव शारीरिक संबंधों का प्रतिनिधित्व करता है

वैवाहिक जीवन मुख्य रूप से इन्हीं भावों से निर्धारित होता है और जब भी इन भावों में प्रतिकूल मंगल या कूज होता है, तो परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं।

यह मान लेना गलत होगा कि चूंकि हम बारह घरों में से छह के बारे में बात कर रहे हैं, 50% लोगों में यह दोष होगा। अधिकांश कुंडली में दोष को रद्द / शून्य कर दिया गया है और वैदिक शास्त्रों के अनुसार केवल कुछ कुंडली में ही यह दोष सही मायने में है।

वैदिक ज्योतिष के सिद्धांतों के अनुसार, जब कोई मांगलिक व्यक्ति मांगलिक व्यक्ति से विवाह करता है, तो नकारात्मक प्रभाव निष्प्रभावी हो जाते हैं।

इन तीन कुंडली का उपयोग करके मंगल दोष का विश्लेषण किया जाता है:

मैं
जन्म कुंडली में मांगलिक दोष
मैं

जन्म कुंडली में मांगलिक दोष कमजोर माना जाता है।
➤ आपकी जन्म कुंडली आपके भौतिक पहलू / बाहरी अस्तित्व के बारे में है।
यह दोष आमतौर पर शारीरिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है।
➤ यदि आपके पास यह दोष है, तो आपको शादी के बाद अप्रत्याशित चिकित्सा समस्याओं का अनुभव हो सकता है।

मैं
चंद्र राशिफल में मांगलिक दोष
मैं

चंद्र कुंडली में मांगलिक दोष एक मजबूत मांगलिक दोष है।
➤चंद्रमा मन का प्रतिनिधित्व करता है
यह दोष आमतौर पर मानसिक शांति को प्रभावित करता है
रिश्तों में तनाव की आशंका

मैं

शुक्र कुंडली में मांगलिक दोष

मैं

वीनस कुंडली में मांगलिक दोष सबसे अशुभ मांगलिक दोष है और स्पष्ट रूप से विवाहित जीवन में मुद्दों का संकेत देता है।

शुक्र प्रेम और रिश्ते का प्रतिनिधित्व करता है

शादी में स्नेह/प्रेम की कमी

दाम्पत्य जीवन में सामंजस्य की कमी

आक्रामकता और अनावश्यक झगड़े / अहंकार संघर्ष

मैं

मंगल दोष रद्दीकरण मानदंड

मैं

वैदिक शास्त्रों के अनुसार अधिकांश कुंडली में मांगलिक दोष समाप्त हो जाता है। हमने सभी ज्योतिषीय संयोजनों को सूचीबद्ध किया है जो मांगलिक दोष को समाप्त कर सकते हैं। यहां 25 ज्योतिषीय संयोजन दिए गए हैं:

➤ दोषाकारी कुजो यश्य बलीचे दोष दोष कृत्।

दुर्बलः शुभ प्रकाशस्तो सूर्येणस्समऽगतो पिवा।।

यदि मंगल कमजोर हो, नीच का हो, अस्त हो या शुभ ग्रहों से दृष्ट हो।

वाचस्पो नवम पंचम सेंटर

साथवी सुपुत्री सुखी गुनाडढ्या सप्तकप्लर भ वेद शुभग्रहोपि।।

यदि गुरू केंद्र या त्रिकोण में स्थित हो (प्रथम भाव, चतुर्थ भाव, पंचम भाव, सप्तम भाव, नवां भाव या दशम भाव)।

➤चर राशि गते भौमे चतुर व्यय व्यय.

पापविनाशेश लग्स्या शेषा पाप विशेष रूप से।।

यदि मंगल चल राशि जैसे मेष, कर्क, तुला या मकर राशि में स्थित हो।

चतुष्कोणीय कुज दोषस्यात् तु वृषयोर्विना।

पाताल भौम दोषस्तुमे वृश्चिक योरविना।।

यदि मंगल चतुर्थ भाव में अपनी राशि (मेष या वृश्चिक) या शुक्र (वृषभ या तुला) राशि में स्थित हो।

➤ मंगली मंगल ग्रह योगे। न मंगली चंद्र भृगु द्वितीये..

न मंगली केंद्र गते च राहू। न मंगली पश्च्य जीव जीव।।

यदि मंगल राहु के साथ स्थित हो, या चंद्रमा और शुक्र दूसरे घर में हों। यदि राहु केंद्र भाव (प्रथम भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव या दशम भाव) में स्थित हो।

➤ व्यय कुज दोषस्यात् कन्या राशि योर्विना.

द्वादशे भौम दोष दोष वृष धौलिक योर्विना।।

यदि मंगल बुध (मिथुन या कन्या) या शुक्र (वृषभ या तुला) राशि में स्थित हो तो

➤ भौमवेशे के केंद्र की शाखा तदोषशं प्रवदन्ति सन्तः।

यदि मंगल लग्न या चंद्रमा से केंद्र भावों (प्रथम भाव, चतुर्थ भाव, सप्तम भाव या दशम भाव) में स्थित हो तो

➤ सबले गुरौ भृगौ वा लग्ने धनेऽपि वाऽथवा भौमे।

सक्रिणो नोर्तिघरे वार्केपि वा न कुज दोषः।।

यदि गुरू पहले या सातवें भाव में स्थित हो। यदि मंगल वक्री या कमजोर हो या शत्रु राशि में स्थित हो।

➤ पंचक स्थान गे भौमे लग्नेन्दु गुरू विज्ञान थिते।

बुधे न दोषोऽस्ति गुण दोष न चिन्तयेत्।।

यदि मंगल ग्रह चंद्रमा, बृहस्पति या बुध के साथ युति में हो या उनमें से किसी एक से दृष्ट हो।

➤ अत्यधिक उच्चाश्रशि उच्चाशं स्वंभूऽपि वा।

अंगारको न दोषस्यर्त्यां सिंहे दोषभाक्।।

यदि जन्म कुंडली में मंगल ग्रह अपनी राशि (मेष या वृश्चिक) या उच्च राशि (मकर) में है। यदि मंगल नवांश कुंडली में अपनी राशि (मेष या वृश्चिक) या उच्च राशि (मकर) या कर्क / सिंह राशि में स्थित है।

➤ चतुसप्तमगे भौमे मीनठ कतेर्याली नक्रगे।

यदा राशौ शुभ प्रोक्तं कुज दोषो न विद्द्यते।।

यदि मंगल मेष, कर्क, वृश्चिक या मकर राशि में चौथे या सातवें भाव में स्थित हो।

➤ अर्केन्दुक्षेत्रफल कुज दोषो न विद्दते।

स्वोच्च् मित्रम् प्रसन्नता दोष दोष न भवेत्किल।।

यदि मंगल कर्क/सिंह राशि में स्थित हो या अपनी ही राशि (मेष या वृश्चिक) या उच्च राशि (मकर) में स्थित हो।

➤ बुधाश्युक्तप्यथवा निरीक्षते तद्दोष नाशं प्रवदन्ति सन्ततः।

यदि मंगल बुध ग्रह की युति में हो या बुध ग्रह से दृष्ट हो।

➤ अष्टमे भौम दोषस्तु धनु मीन द्वियोर्विना।

अष्टमे कुज दोषस्यात् कर्कठ मकरोर्विना।।

यदि मंगल आठवें भाव का स्वामी हो और नौवें, बारहवें, चौथे या दसवें भाव में स्थित हो।

➤ गुरू मंगल संयोग भौमे दोषो वघते।

यदि मंगल गुरू के साथ स्थित हो।

➤ चंद्र केन्द्र गते वापि तस्य दोषो न मंगली।

यदि चन्द्रमा केन्द्र भावों (प्रथम, चतुर्थ, 7वें या 10वें भाव) में स्थित हो।

जीवन विश्लेषण - काल सर्प दोष

आपकी कुंडली में काल सर्प दोष नहीं है

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
काल सर्प दोष क्या है
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

किसी भी कुंडली में राहु और केतु 180 डिग्री रेखा बनाते हैं और एक दूसरे से सात घर दूर होते हैं। जब सभी ग्रह इन 7 घरों (राहु और केतु के बीच) में आते हैं और शेष पांच घर खाली होते हैं, तो इसे काल सर्प दोष कहा जाता है।

तो अनिवार्य रूप से जब कुंडली में काल सर्प दोष होता है, तो सभी ग्रह राहु और केतु के बीच सीमित हो जाते हैं। यह ग्रहों की आपके जीवन में सकारात्मक परिणाम लाने की क्षमता को सीमित करता है।

कालसर्प दोष बारह प्रकार के होते हैं:

अनंत, कुलिका, वासुकी, शंखपाल, पद्म, महापद्म, तक्षक, कर्कोटक, शंखचूर, घटक, विशधर और शेष नाग।

यह एक दुर्लभ दोष है और वैदिक ज्योतिष में अत्यधिक अशुभ माना जाता है। यह दोष विवाह, करियर, वित्त, स्वास्थ्य, बच्चों आदि सहित जीवन में बहुत सारे संघर्षों का कारण बनता है।

जीवन विश्लेषण - पितृ दोष

आपकी कुंडली में पितृ दोष नहीं है

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
पितृ दोष क्या है
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वैदिक ज्योतिष में पितृ दोष वह कर्म ऋण है जो आपके पूर्वजों द्वारा आपको दिया जाता है। आपके पूर्वजों के कर्म आपको इस पितृ श्राप से पीड़ित कर सकते हैं।

जिस तरह से आप अपने पूर्वजों से संपत्ति और धन प्राप्त करते हैं, वैसे ही आपको उनके बुरे कर्म भी विरासत में मिलते हैं जो कुंडली में स्पष्ट रूप से इंगित होते हैं। अगली पीढ़ी का यह कर्तव्य है कि वह या तो कर्म के नियम के अनुसार दंड वहन करके ऋण का भुगतान करे।

वैकल्पिक रूप से, अच्छे कर्म करके और इस तरह सजा की डिग्री को कम करके इस ऋण को कम किया जा सकता है।

यदि इनमें से एक या अधिक ज्योतिषीय संयोजन सत्य हैं तो पितृ दोष बनता है:

राहु, केतु या शनि, चंद्रमा या सूर्य के साथ युति बना रहे हैं

या तो राहु या केतु नवम भाव के स्वामी या पंचम भाव के स्वामी के साथ युति बना रहे हैं

राहु, केतु या शनि नवम या पंचम भाव में हो

पितृ दोष का नकारात्मक प्रभाव दोष बनाने वाले ग्रहों और उस घर पर भी निर्भर करता है जिसमें पितृ दोष बनता है। आप इस अशुभ दोष के उपाय ऐप के उपाय अनुभाग में देख सकते हैं।

वैकल्पिक रूप से, यदि आप चाहते हैं कि हम आपकी कुंडली को ध्यान से पढ़ें और आपको व्यक्तिगत समाधान प्रदान करें तो आप ऐप के संस्थापक के साथ टेलीफोन पर परामर्श का विकल्प चुन सकते हैं।

उपाय और रत्न - जीवन रत्न

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
प्राकृतिक हरा पन्ना
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

हरा पन्ना आपका जीवन रत्न है। आपको इस रत्न को आजीवन धारण करने की सलाह दी जाती है।
वैकल्पिक रत्न: पेरिडॉट या जेड। वे लगभग पन्ना के समान ही प्रभावी हैं।

वजन (पन्ना) : 2.5-4 कैरेट
वजन (पेरिडॉट / जेड): 5-6 कैरेट
धातु: सोना

दाहिने हाथ की कनिष्ठा अंगुली में सोने की अंगूठी में धारण करें।
सर्वोत्तम परिणामों के लिए केवल वीवीएस गुणवत्ता वाला रत्न ही खरीदें।
आपको सलाह दी जाती है कि केवल आईजीआई प्रमाणित रत्न ही पहनें।

"पन्ना ठंडा, मीठा और रेचक है, पाचन में मदद करता है, पित्त को ठीक करता है, अपमान को दूर करता है, पौष्टिक होता है, और वर्णक्रमीय प्रभाव को दूर करता है।" - मणि माला, भाग II, 70.

"ऐसे पन्ने मनुष्यों को सभी पापों से शुद्ध करते हैं।" - मणि माला, भाग I, 375।

"अधिकारियों के अनुसार पन्ना धन की वृद्धि का कारण बनता है, युद्ध में सफलता लाता है, जहर के मामलों को ठीक करता है और अथर्व-वेद के अनुसार किए गए संस्कारों को सफल बनाता है।" - मणि माला, भाग I, 376

बुध आपके लिए सबसे शुभ ग्रह है। आपके जीवन में बुध का अत्यधिक महत्व है क्योंकि यह ग्रह आपकी जन्म कुंडली में सबसे

शक्तिशाली प्रथम भाव का स्वामी है।

आपकी कुंडली में बुध की स्थिति बुद्धि, सफल करियर और जीवन में समृद्धि सुनिश्चित करती है। बुध आपको व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन के बीच एक अच्छा संतुलन बनाए रखने में मदद करेगा। आपकी कुंडली में बुध की स्थिति अच्छे संचार कौशल, उच्च स्थिति, धन और व्यापार में सफलता का संकेत देती है। आपको बुध का रत्न पन्ना (या पेरिडॉट / जेड) धारण करके उसे बल देना चाहिए। इससे आपको अपने जीवन में इस शक्तिशाली ग्रह का लाभ प्राप्त करने में मदद मिलेगी।

पन्ना (या पेरिडॉट / जेड) आपको निम्नलिखित में मदद करेगा:

1. धन, ऐश्वर्य और व्यापार वृद्धि
2. बुद्धि और अच्छा संचार कौशल
3. रोगों/शत्रुओं से सुरक्षा
4. जीवन में आने वाली बाधाओं और विलम्बों को दूर करना
5. रिश्तों में सामंजस्य, अच्छा सामाजिक जीवन और सुखी पारिवारिक जीवन
6. मानसिक शांति और आनंद
7. बेहतर फोकस और एकाग्रता

प्रक्रिया :

1. रत्न को रात भर गंगाजल (पवित्र गंगा नदी का पानी) में भिगो दें और अगली सुबह इसे बुध द्वारा शासित नक्षत्र में धारण करें। इस शक्तिशाली रत्न को धारण करने के लिए अश्लेषा, ज्येष्ठ और रेवती सर्वश्रेष्ठ नक्षत्र हैं।
2. रत्न को शुद्ध और ऊर्जा प्रदान करने का मंत्र : ओम् बुम बुधाय नमः।
रत्न धारण करते समय इस मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए।
3. आपको सलाह दी जाती है कि चंद्रमा के बढ़ते चरण में रत्न धारण करें। (शुक्ल पक्ष)
4. अपनी कुंडली में व्यक्तिगत रत्न विश्लेषण के लिए, कृपया लाइव चैट पर हमसे संपर्क करें
5. सर्वोत्तम परिणामों के लिए हर समय (दिन और रात) रत्न धारण करें।

उपाय और रत्न - भाग्यशाली रत्न

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀
प्राकृतिक हीरा
❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀

प्राकृतिक हीरा आपका भाग्यशाली रत्न है। आपको सलाह दी जाती है कि इस रत्न को केवल अपनी वर्तमान शुक्र महादशा (20 वर्ष की प्रमुख ग्रह अवधि) के दौरान ही पहनें।

वैकल्पिक रत्न: सफेद जिक्रोन, सफेद पुखराज या स्पष्ट क्वार्ट्ज। वे लगभग हीरे के समान ही प्रभावी हैं।

वजन (डायमंड): .50 - 1 कैरेट
वजन (सफेद जिक्रोन, सफेद पुखराज या साफ क्वार्ट्ज): 4-5 कैरेट
धातु: प्लेटिनम या सफेद सोना

दाहिने हाथ की अनामिका में प्लेटिनम या सफेद सोने की अंगूठी में पहनें।
सर्वोत्तम परिणामों के लिए केवल वीवीएस गुणवत्ता वाला रत्न ही खरीदें।
आपको सलाह दी जाती है कि केवल आईजीआई प्रमाणित रत्न ही पहनें।

"हीरे में सभी छह स्वाद होते हैं, हर तरह की बीमारी को ठीक करता है, अपच में अच्छा है, एक आशीर्वाद है, और मजबूती लाता है" - मणि माला, भाग II, 67।

"जो व्यक्ति अपने पास एक तेज नुकीला, बेदाग और असली हीरा ध्यान से रखता है, उसे जीवन भर धन, सौभाग्य और पुत्रों का आशीर्वाद प्राप्त होता है।" - मणि माला, भाग I, 102।

"एक व्यक्ति जो सोने पर सेट एक स्टर्लिंग रॉक क्रिस्टल (क्वार्ट्ज) पहनता है, वह जीवन में सफलता प्राप्त करता है।" - मणि माला,

भाग I, 447।

"क्रिस्टल (क्वार्ट्ज) शक्ति देता है और पित्त, रुग्ण गर्मी और नालव्रण को ठीक करता है। इसकी माला किसी भी अन्य की तुलना में असीम रूप से अधिक प्रभावशाली है।" - मणि माला, भाग II, 74.

आपको इस रत्न की सलाह दी जाती है क्योंकि आपकी कुंडली में शुक्र एक अत्यधिक लाभकारी और शुभ ग्रह है और आप वर्तमान में अपनी 20 साल की शुक्र महादशा (ग्रहों की प्रमुख अवधि) से गुजर रहे हैं। इस शुक्र महादशा में शुक्र आपके लिए अत्यधिक प्रभावशाली और महत्वपूर्ण ग्रह है। आपको सलाह दी जाती है कि इस रत्न को वर्तमान शुक्र महादशा के लिए ही धारण करें। यह रत्न आपको वर्तमान महादशा के नकारात्मक प्रभावों से बचाएगा और आपके जीवन में सौभाग्य और समृद्धि को भी बढ़ाएगा। आपको सलाह दी जाती है कि आप अपनी वर्तमान शुक्र महादशा की समाप्ति के बाद इस रत्न को हटा दें।

प्राकृतिक हीरा (या सफेद जिक्रोन, सफेद पुखराज या स्पष्ट क्वार्ट्ज) आपको निम्नलिखित में मदद करेगा:

1. धन और ऐश्वर्य
2. बढ़ा हुआ आत्मविश्वास और अनिर्णय को दूर करना
3. रोगों/बुराई से सुरक्षा
4. वर्तमान शुक्र महादशा में विघ्नों एवं विलम्बों को दूर करना
5. रिश्तों में सामंजस्य और सुखी वैवाहिक जीवन
6. मानसिक शांति और आनंद

प्रक्रिया :

1. रत्न को रात भर गंगाजल (पवित्र गंगा नदी का पानी) में भिगो दें और अगली सुबह शुक्र द्वारा शासित नक्षत्र में धारण करें। इस शक्तिशाली रत्न को धारण करने के लिए भरणी, पूर्वा फाल्गुनी या पूर्वा आषाढ़ सर्वश्रेष्ठ नक्षत्र हैं।
2. रत्न को शुद्ध और ऊर्जावान करने का मंत्र : Om शुं शुक्राय नमः।
रत्न धारण करते समय इस मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए।
3. आपको सलाह दी जाती है कि चंद्रमा के बढ़ते चरण में रत्न धारण करें। (शुक्ल पक्ष)
4. अपनी कुंडली में व्यक्तिगत रत्न विश्लेषण के लिए, कृपया लाइव चैट पर हमसे संपर्क करें
5. सर्वोत्तम परिणामों के लिए रत्न को 24/7 पहनें

उपाय और रत्न - रुद्राक्ष

आपको तीन मुखी रुद्राक्ष धारण करने की सलाह दी जाती है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

तीन मुखी रुद्राक्ष

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपको मृगशिरा / चित्रा / धनिष्ठा नक्षत्र के दौरान चांदी के पेंडेंट में तीन मुखी रुद्राक्ष की माला पहनने की सलाह दी जाती है।
इस रुद्राक्ष का स्वामी ग्रह मंगल है।
मंगल आपके लिए अत्यधिक नकारात्मक ग्रह है क्योंकि यह आपकी कुंडली में छठे भाव और एकादश भाव का स्वामी है।
आपकी कुंडली में मंगल की स्थिति इतनी सकारात्मक नहीं है। मंगल ग्रह को शांत करने और अपने जीवन में इसके दुष्प्रभाव को कम करने के लिए आपको इस रुद्राक्ष को पहनना चाहिए। इस रुद्राक्ष को जीवन भर धारण करना चाहिए।
यह रुद्राक्ष निम्नलिखित तरीकों से आपकी मदद करेगा:

1. आपके जीवन में मंगल ग्रह के नकारात्मक प्रभाव को शांत करना
2. अपने जीवन में क्रोध और बाधाओं को कम करना
3. अच्छा स्वास्थ्य
4. बढ़ी हुई सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

रुद्राक्ष धारण करने की विधि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤रुद्राक्ष की माला को घी में 24 घंटे के लिए भिगो दें। अगले दिन रुद्राक्ष को पूर्ण वसा वाले दूध में 24 घंटे के लिए भिगो दें। (यह प्रक्रिया हर छह महीने में करनी चाहिए)

➤रुद्राक्ष को पानी से धोकर साफ कपड़े से पोंछ लें। इसे साबुन या किसी सफाई सामग्री से न धोएं।

➤सुझाए गए नक्षत्र के दौरान आपको “m नमः शिवाय” मंत्र का 108 बार जाप करना चाहिए।

➤माला को लाल रेशमी धागे में धारण करना चाहिए।

➤आप इसे सोते समय भी पहन सकते हैं। आप इसे शॉवर के दौरान भी पहन सकते हैं, अगर आप नहाने के लिए ठंडे पानी का इस्तेमाल करते हैं और किसी केमिकल साबुन का इस्तेमाल नहीं कर रहे हैं। रुद्राक्ष और आपके शरीर पर पानी का बहना विशेष रूप से अच्छा है। यदि आप रासायनिक साबुन और गर्म पानी का उपयोग कर रहे हैं, तो रुद्राक्ष कुछ दिनों के बाद टूट सकता है।

➤आपको अपना रुद्राक्ष किसी और के साथ साझा नहीं करना चाहिए, क्योंकि रुद्राक्ष पहनने वाले के अनुकूल होता है।

➤रुद्राक्ष को अत्यंत सावधानी और सम्मान के साथ धारण करना चाहिए। रुद्राक्ष को गहनों की तरह धारण कर अलग नहीं रखना चाहिए। जब आप रुद्राक्ष धारण करने का निर्णय लेते हैं, तो वह आपके अपने शरीर के अंग जैसा हो जाना चाहिए।

➤यदि आप अपने रुद्राक्ष को लंबे समय तक नहीं पहनने का निर्णय लेते हैं, तो उसे पूजा कक्ष में एक रेशमी कपड़े में रखना चाहिए।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
रुद्राक्ष हिंदू शास्त्रों में
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

उपनिषदों ने रुद्राक्ष की माला के निर्माण, पहनने और उपयोग के साथ-साथ उनके पौराणिक मूल को रुद्र के आँसू के रूप में वर्णित किया है।

तन गुहः प्रत्युवाच प्रवालमौक्तिकस्फटिकशः रजताष्टापदचन्द पुत्रजीविकाब्जे रुद्राक्ष इति। सावधान रहना सौवर्णं राजं ताम्रं तन्मुखे मुखं तत्पुच्छे पुच्छं तदंतरावर्तनक्रमण योजयेत्

ऋषि गुहा ने उत्तर दिया: (यह निम्नलिखित 10 सामग्रियों में से किसी एक से बना है) मूंगा, मोती, क्रिस्टल, शंख, चांदी, सोना, चंदन, पुत्र-जीविका, कमल या रुद्राक्ष। प्रत्येक सिर को समर्पित किया जाना चाहिए और सोचा जाना चाहिए कि अकरा के देवताओं की अध्यक्षता में क्षकार को अध्यक्षता की जाती है। सुनहरे धागे को मोतियों को छेदों से बांधना चाहिए। इसके दाहिने चांदी (ढोपी) और बाएं तांबे पर। एक मनके का चेहरा, दूसरे सिर और पूंछ का चेहरा, पूंछ होना चाहिए। इस प्रकार एक गोलाकार गठन किया जाना चाहिए।
— अक्षमालिका उपनिषद

अथ कालाग्निरुद्रं भगवन्तं सनत्कुमारः पप्रच्छाधीहि भगवन्नुद्राक्षधारणविधिं स होवाच रुद्रस्य नयनादुत्पन्ना रुद्राक्षा इति लोके ख्यायन्ते सदाशिवः संहारकाले संहारं कृत्वा संहाराक्षं मुकुलीकरोति तन्नयनाज्जाता रुद्राक्षा इति होवाच तस्माद्रुद्राक्षत्वमिति तद्रुद्राक्षे

वाग्विषये कृते दशगोप्रदानेन यत्फलमवाप्नोति तत्फलमश्नुते स एष भस्मज्योती रुद्राक्ष इति तद्रुद्राक्षं करेण स्पृष्ट्वा धारणमात्रेण द्विसहस्रगोप्रदानफलं भवति। तद्रुद्राक्षे एकादशरुद्रत्वं च गच्छति। तद्रुद्राक्षे शिरसि धार्यमाने कोटिगोफलं भवति

ऋषि सनतकुमार भगवान कालाग्नि रुद्र के पास पहुंचे और उनसे पूछा, "भगवान, कृपया मुझे रुद्राक्ष पहनने की विधि समझाएं।" उन्होंने उससे जो कहा, "रुद्राक्ष उस नाम से प्रसिद्ध हुआ क्योंकि शुरू में, यह रुद्र की आंखों से उत्पन्न हुआ था। विनाश के समय और विनाश के कार्य के बाद, जब रुद्र ने विनाश की अपनी आंख बंद कर दी, तो रुद्राक्ष उत्पन्न हुआ। आँख। वह रुद्राक्ष की संपत्ति है। इस रुद्राक्ष को छूने और पहनने से एक हजार गायों को दान देने का समान प्रभाव मिलता है।"

— बृहज्जाबाला उपनिषद
तुलसीपारिजातश्रीवृक्षमूलादिविकस्थले । पद्माक्ष तुलसीकाष्ठरुद्राक्षकृतमालया

उसे उस माला (माला) से गिनना चाहिए जिसकी माला या तो तुलसी के पौधे या रुद्राक्ष से बनी हो।

— राम रहस्य उपनिषद
हृदयं कुंडली भस्मरुद्राक्षगणदर्शनम्। तारसारं महावाक्यं पंचब्रह्माग्निहोत्रकम्

अपने हृदय में श्री महादेव-रुद्र के प्रतिष्ठित रूप के सामने स्वयं को समर्पित करने के बाद, पवित्र भस्म और रुद्राक्ष की पूजा करते हुए और मानसिक रूप से महान महावाक्य-मंत्र, तारासर का पाठ करते हुए, ऋषि शुक ने अपने पिता गीता ऋषि व्यास से पूछा।

— रुद्रहृदय उपनिषद
अथन है कालाग्निरुद्रं भुसुंदः पप्रच्छक कथं रुद्राक्षोत्पतिः । तद्भवनत्किं फलमिति । तं होवाचक्कलग्निरुद्रः । त्रिपुरवधार्थमहं निमिलिताक्षोऽभवम् ।निमिलिताक्षोऽभवम् तेभ्यो जलबिन्दवो भूमौ पतिस्तास्ते रुद्राक्षाः । सर्वानुर्थाय तेषां नामोच्चारणमात्रे दशगोग्रह फल दर्शन दर्शन दर्शन द्विगुणं फलमत उर्ध्वं ट्युं न शनोनोमि

ऋषि भुसुंडा ने भगवान कालाग्नि-रुद्र से प्रश्न किया: रुद्राक्ष की माला की शुरूआत क्या है? इन्हें शरीर पर धारण करने से क्या लाभ होता है? भगवान कालाग्नि-रुद्र ने उन्हें इस प्रकार उत्तर दिया: मैंने त्रिपुरासुर को नष्ट करने के लिए अपनी आँखें बंद कर लीं। मेरी इस तरह बंद हुई आँखों से पानी की बूँदें धरती पर गिरीं। आंसुओं की ये बूंदें रुद्राक्ष में बदल गईं। रुद्राक्ष के नाम के उच्चारण मात्र से दस गायों को दान में देने का फल प्राप्त होता है। इसे देखने और छूने से व्यक्ति को दोगुना लाभ मिलता है। मैं अब इसकी प्रशंसा नहीं कर सकता।

— रुद्राक्षजबला उपनिषद

उपाय और रत्न - भाग्यशाली मंत्र

यहां आपकी कुंडली के लिए चार सबसे शक्तिशाली मंत्र दिए गए हैं। यदि संभव हो तो आपको या तो इनका पाठ करना चाहिए या जितना हो सके इन्हें सुनना चाहिए:

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

बुध गायत्री मंत्र

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने के लिए प्रतिदिन बुध गायत्री मंत्र का जाप करें।

यह बुध ग्रह के लिए है जो आपका लग्नेश या स्वयं के प्रथम भाव का स्वामी है।

ॐ गजध्वजाय विद्यामहे सुखहस्ताय धीमहि तन्नो बुध: प्रचदित्य

Om गजध्वजय विद्दमहे सुखा हस्तय धीमहि तन्नो बुद्ध प्रचोदयात

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

बुध बीज मंत्र

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

अच्छे स्वास्थ्य और जीवन में शांति के लिए हर बुधवार सुबह बुध बीज मंत्र का जाप करें।

यह बुध ग्रह के लिए है जो आपका लग्नेश या स्वयं के प्रथम भाव का स्वामी है।

ॐ ब्रां ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः

Om ब्रं ब्रीम ब्रौं साह: बुढाय नमः:

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

शुक्र कवच

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

यह बहुत लंबा मंत्र है और इसलिए इसका पाठ करना कठिन होगा। लेकिन आपको यह मंत्र सुबह के समय जरूर सुनना चाहिए।

आप वर्तमान में शुक्र की महादशा से गुजर रहे हैं और यह मंत्र आपको बाधाओं, देरी और बीमारियों से बचाएगा।

द्वितीय शुक्रकवचम् ॥

अथ शुक्रकवचम्

अस्य श्रीशुक्रकवचस्तोत्र मंत्रस्य भारद्वाज ऋषिः ।

अनुष्टुपछन्दः मैं शुक्रो देवता मैं

शुर्क्यार्थं जपेनिनिगः ॥

मृणालकुंडेन्दुष्योजसुप्रभं पीतांबरं प्रस्रुतमक्षमालिनम् ।

सूक्ष्मार्थनिधिं महांतं ध्यायेत्कविंर्थ सिद्धये ॥ 1 ॥

ॐ शिरो मे भार्गवः पातु भालं पातु ग्रहधिपः ।

नेत्र दैत्यगुरूः पातु श्रोतरे मे चन्दनद्युतिः द्वितीय 2 ॥

पातु मे नासिक काव्यो वदन दैत्यवन्दितः मैं

जिह्वा मे चोशनाः पातु कंठं श्रीकंठभक्तिमां ॥ 3 ॥

भुजौ तेजोनिधिः पातु कुक्षिं पातु मनोव्रजः मैं

नाभिं भृगुसुतातु मध्यं पातु महीप्रियः ॥ 4 ॥

कटिं मे पातु विश्वगुरू उरू मे सुरपूजितः मैं

जानू जाद्याहरः पातुजंघे ज्ञानवतं वरः ॥ 5 ॥

गुल्फ़ौनिधिः पातु पातु पादौ वरांबरः आई

सर्वण्यङ्गानि मे पातु स्वर्णमालापरिष्कृतः ॥ 6 ॥

य इदं कचं दैत्यं पतति श्रज्ञान्वितः ।

न तस्य जायते पीडा भार्गवस्य प्रसाद द्वितीय 7 ॥

॥ इति श्रीब्रह्मांडपुराणे शुक्रकवचं संपूर्णं ॥

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

शुक्रा अष्टोत्तर शतनामावली

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

यह बहुत लंबा मंत्र है और इसलिए इसका पाठ करना कठिन होगा। लेकिन आपको यह मंत्र सुबह के समय जरूर सुनना चाहिए। आप वर्तमान में शुक्र महादशा से गुजर रहे हैं और यह मंत्र आपको इस दशा के सकारात्मक प्रभावों को प्राप्त करने में मदद करेगा।

उपाय और रत्न - हवन/पूजा उपाय

आपकी कुंडली के लिए सबसे शुभ हवन / पूजा नीचे दी गई है। ये सिफारिशें आपकी कुंडली में ग्रहों की स्थिति और आपकी महादशा (प्रमुख ग्रहों की अवधि) को ध्यान में रखकर की गई हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
विष्णु सहस्रनाम हवन और सरस्वती पूजा
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
बुध आपके प्रथम भाव का स्वामी है और आपके लिए सबसे अधिक लाभकारी और सकारात्मक ग्रह है। हिंदू शास्त्रों में ग्रह पारा को दिव्य बुद्धि (बुद्धी) के रूप में चित्रित किया गया है। मन से परे बुद्धि (बुद्धि) है। ऋषि पाराशर के अनुसार, भगवान विष्णु बुध ग्रह से जुड़े मुख्य देवता हैं। वह ब्रह्मांडीय बुद्धि के देवता हैं, ब्रह्मांड के संरक्षक हैं। बुद्धि और विद्या की देवी सरस्वती बुध ग्रह की बुद्धि को प्रतिबिम्बित करने वाली देवी हैं। सरस्वती का अर्थ है "बहने वाला"। वह रचनात्मक बुद्धि की देवी हैं, प्राचीन सरस्वती नदी की तरह प्रेरणा की बहती धारा। सरस्वती की पहचान विचार और बुद्धि से की जाती है। इसलिए आपको अपने जीवन में इस शुभ ग्रह का आशीर्वाद और सकारात्मक प्रभाव प्राप्त करने के लिए भगवान विष्णु और देवी सरस्वती की पूजा करवानी चाहिए।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
लक्ष्मी सहस्रनाम हवन और इंद्राणी पूजा
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
आप वर्तमान में शुक्र महादशा (20 वर्ष की प्रमुख ग्रह अवधि) से गुजर रहे हैं। हिंदू शास्त्रों में शुक्र ग्रह से जुड़ी मुख्य देवी लक्ष्मी हैं। उन्हें अक्सर भगवान विष्णु की समर्पित पत्नी के रूप में चित्रित किया जाता है। वह पृथ्वी, सृष्टि, नारी शक्ति, प्रचुरता, विलासिता और सुख है। उसे अक्सर कमल के फूल पर बैठे हुए चित्रित किया जाता है, जो दो हाथियों से घिरा होता है, जो उस पर ब्रह्मांडीय जल की वर्षा कर रहे होते हैं जो उर्वरक वर्षा का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऋषि पाराशर कहते हैं कि भगवान इंद्र की पत्नी देवी इंद्राणी भी शुक्र की एक महत्वपूर्ण देवी हैं और उनका आशीर्वाद जीवन में ऐश्वर्य, आराम और भौतिक सफलता ला सकता है। इसलिए आपको देवी लक्ष्मी और देवी इंद्राणी की पूजा करवानी चाहिए। यह आपको वर्तमान शुक्र महादशा का लाभ प्राप्त करने में मदद करेगा और आपके जीवन में इसके नकारात्मक प्रभाव को कम करेगा।

उपाय और रत्न - उपाय

बुध आपके लिए सबसे शुभ ग्रह है क्योंकि यह आपके लग्न (या प्रथम भाव) का स्वामी है, जो आपका सबसे महत्वपूर्ण घर है और आपको दर्शाता है। बुध ग्रह के उपाय आपके जीवन में सुख, सौभाग्य और सफलता सुनिश्चित करेंगे।

आपको शुक्र ग्रह के उपाय भी करने चाहिए क्योंकि आप वर्तमान में शुक्र की महादशा (महादशा) से गुजर रहे हैं। कृपया ध्यान दें कि शुक्र ग्रह के लिए उपाय शुक्र की वर्तमान ग्रह अवधि (महादशा) के दौरान ही करना चाहिए

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
बुध ग्रह के उपाय
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
आपको पढ़ना और लिखना कभी बंद नहीं करना चाहिए। आपको हमेशा सीखते रहना चाहिए। संगोष्ठियों, चर्चाओं या किसी भी गतिविधि में भाग लें जिसके लिए आपको अपने संचार कौशल का उपयोग करने की आवश्यकता होती है।

आपको कभी भी अपने दोस्तों को धोखा नहीं देना चाहिए। आपको अपने मित्रों और सहकर्मियों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंध बनाए रखने चाहिए। एक अच्छा सामाजिक जीवन आपके लिए बेहद शुभ रहेगा।

अपने आहार में ढेर सारी हरी सब्जियां जैसे पालक, मेथी, हरी मटर आदि शामिल करें। अपने भोजन के साथ सलाद खाना आपके लिए बेहद फायदेमंद होगा।

सुबह-सुबह हरी घास पर नंगे पैर चलें

आपको प्रतिदिन अपने मस्तिष्क का अच्छा उपयोग करना चाहिए; यह पहेलियों को सुलझाने या कुछ नया सीखने के द्वारा हो सकता है।

अपने दांतों की अच्छी देखभाल करें और अपने दांतों को दिन में दो बार ब्रश करें। आपको ऑयल पुलिंग भी करनी चाहिए, जो एक

आयुर्वेदिक तकनीक है जिसमें बैक्टीरिया को हटाने और मौखिक स्वच्छता को बढ़ावा देने के लिए आपके मुंह में तेल डालना शामिल है।

ब्राह्मी का सेवन करें, जो एक आयुर्वेदिक औषधि है

विंटरग्रीन ऑयल या पैशनफ्लावर ऑयल के साथ घर पर डिफ्यूज़र का इस्तेमाल करें।

अपने घर में एक नीम का पेड़ लगाएं और उस पर नियमित रूप से पानी डालना शुरू करें।

घर में बिना बंद तोता रखें या उन्हें खिलाएं। कबूतरों और अन्य पक्षियों को हरे चने खिलाएं। आप

अपने घर में बुध यंत्र स्थापित करें

अपनी बहनों, बहनों और मौसी का सम्मान करें और अपनी बेटी या अन्य छोटी लड़कियों के प्रति अत्यधिक पालन-पोषण करें।

दूसरों को स्टेशनरी/किताबें दान करें और गरीब बच्चों को पढ़ाएं या उनका मार्गदर्शन करें

किन्नरों / किन्नरों को हरे कपड़े दान करें और उनका आशीर्वाद लें।

बुधवार के दिन गणेश जी की पूजा करें और गणेश जी को दुर्बा का भोग लगाएं।

आपको इनमें से एक या अधिक भगवान गणेश मंदिरों में जाना चाहिए, क्योंकि यह आपके लिए अत्यधिक शुभ होगा। इन मंदिरों के दर्शन करने से आपके जीवन की बाधाएं और नकारात्मकताएं दूर होंगी:

श्री सिद्धिविनायक मंदिर, मुंबई
श्रीमंत दगदूशेठ हलवाई गणपति मंदिर, पुणे
कनिपकम विनायक मंदिर, चित्तूरी
मनाकुला विनयगर मंदिर, पांडिचेरी
मधुर महागणपति मंदिर, केरल
रणथंभौर गणेश मंदिर, राजस्थान
मोती डूंगरी गणेश मंदिर, जयपुर
गणेश टोक मंदिर, गंगटोक
गणपतिपुले मंदिर, रत्नागिरी, महाराष्ट्र

रॉकफोर्ट उच्ची पिल्लयार कोइल मंदिर, तमिलनाडु

करपगा विनयगर मंदिर, पिल्लैयारपट्टी, तमिलनाडु

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

शुक्र ग्रह के उपाय

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

अपने शरीर को साफ रखें और रोजाना नहाएं। अच्छे परफ्यूम का प्रयोग करें और अव्यवस्थित दिखने से बचें। हमेशा धुले हुए कपड़े पहनें और कोई भी गंदा, फीका या फटा हुआ कपड़ा पहनने से बचें।

छोटी कन्याओं की पूजा करें और उनके चरण स्पर्श कर आशीर्वाद लें।

नहाते समय थोड़ा सा गुलाब जल मिलाएं। वैकल्पिक रूप से, आप इलायची के भीगे हुए पानी का भी उपयोग कर सकते हैं।

दूसरों के बारे में अच्छी बातें और गुण बोलें। जितना हो सके दूसरों की आलोचना करने से बचें।

अपने शौक या जुनून पर ध्यान दें, खासकर अगर यह संगीत, कला या किसी रचनात्मक प्रयास से संबंधित है

अपने घर में सुखदायक और मधुर संगीत बजाएं।

गुलाब के तेल या केसर के तेल के साथ घर पर डिफ्यूज़र का प्रयोग करें।

चांदी के आभूषण जैसे चांदी की अंगूठी या जंजीर पहनें।

देवी लक्ष्मी या देवी दुर्गा की पूजा करें। बाधाओं को दूर करने और जीवन में सफलता प्राप्त करने के लिए श्री सूक्तम भजन का पाठ करें। सफेद कमल का फूल मां लक्ष्मी को अर्पित करें।

अपने साथी या जीवनसाथी का सम्मान करें। महिलाओं के साथ टकराव से बचें। आपको एक अच्छा चरित्र भी बनाए रखना चाहिए।

शुक्रवार को दिन में केवल एक बार भोजन करें।

घर में शुक्र यंत्र स्थापित करें

कपालभाति योग आपके स्वास्थ्य के लिए बेहद शुभ रहेगा।

शुक्रवार के दिन शुक्र से संबंधित वस्तुएं जैसे चावल, दही, चांदी, चीनी, गेहूं का आटा और इत्र का दान करें।

आपको इनमें से एक या अधिक देवी लक्ष्मी मंदिरों में जाना चाहिए, क्योंकि यह आपके लिए अत्यधिक शुभ होगा। इन मंदिरों के दर्शन करने से आपके जीवन की बाधाएं और नकारात्मकताएं दूर होंगी:

श्रीपुरम स्वर्ण मंदिर, वेल्लोर, भारत
लक्ष्मी नारायण मंदिर (बिड़ला मंदिर), दिल्ली, भारत
महालक्ष्मी मंदिर, मुंबई, भारत
लक्ष्मी देवी मंदिर, हसन, भारत
अष्टलक्ष्मी मंदिर, चेन्नई, भारत
कैला देवी मंदिर, करौली, राजस्थान
गोरावनहल्ली महालक्ष्मी मंदिर, तुमकुर, भारत

उपाय और रत्न - भाग्यशाली रंग

हमने आपके लिए भाग्यशाली और अशुभ रंगों को नीचे सूचीबद्ध किया है। ये रंग उन दैनिक चीजों में लागू होते हैं जिनका आप या तो उपयोग करते हैं या प्रभावित होते हैं, जैसे कपड़े का रंग, कार का रंग, दीवार का रंग आदि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

भाग्यशाली रंग

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

नीला

काला

सफेद

हरा

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

अशुभ रंग

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

लाल

गुलाबी

पीला

ब्राउन

उपाय और रत्न - काल सर्प दोष उपाय

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी कुंडली में काल सर्प दोष नहीं है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपको कालसर्प दोष के लिए किसी भी उपाय की सलाह नहीं दी जाती है।

उपाय और रत्न - पितृ दोष उपाय

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी कुंडली में पितृ दोष नहीं है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपको पितृ दोष के लिए कोई उपाय करने की सलाह नहीं दी जाती है।

वर्ष 2024 आपके लिए - व्यावसायिक जीवन 2024 में

1. 2024 की शुरुआत कठिन है क्योंकि मंगल (आपका 11वां घर और 6ठे घर का स्वामी) 23 जनवरी 2024 तक अस्त रहेगा। नौकरी या सेवारत लोगों के लिए यह एक कठिन अवधि है क्योंकि गलतफहमियां कार्यस्थल पर उनके रिश्तों को खतरे में डाल सकती हैं।

2. बृहस्पति आपके करियर को नियंत्रित करता है और बृहस्पति (आपके 7वें और 10वें भाव का स्वामी) 1 मई 2024 को आपके 11वें भाव से 12वें भाव में गोचर करेगा। यह गोचर आपके लिए अनुकूल नहीं है क्योंकि आप अचानक पेशेवर जीवन में बाधाओं और देरी से घिर सकते हैं। 1 मई 2024 के बाद। एकमात्र रास्ता केवल दृढ़ता है।

3. शनि (आपका 8वां और 9वां घर का स्वामी) 17 फरवरी 2024 से 26 मार्च 2024 के बीच अस्त होगा और इसलिए आपकी ओर से आलस्य और विलंब होगा। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि इस अवधि में आप अपनी प्रेरणा न खोएं। इस समय सफलता की कल्पना करने के बजाय कड़ी मेहनत और उत्कृष्टता पर ध्यान दें।

4. मंगल (आपका 11वां घर और 6ठे घर का स्वामी) 7 दिसंबर 2024 से 24 फरवरी 2025 के बीच प्रतिगामी रहेगा। यह वह अवधि है जिसमें आप ऊर्जा से भरपूर रहेंगे और अद्भुत काम करेंगे। आपके काम की न केवल सराहना होगी बल्कि पुरस्कृत भी किया जाएगा।

5. सबसे कठिन काम है कार्य करने का निर्णय, बाकी सब है केवल दृढ़ता. डर कागजी शेर हैं। आप जो भी करने का निर्णय लेते हैं वह कर सकते हैं। आप अपने जीवन को बदलने और नियंत्रित करने के लिए कार्य कर सकते हैं, और इस प्रक्रिया के अपने पुरस्कार हैं।

6. बृहस्पति (आपके 7वें और 10वें घर का स्वामी) 9 अक्टूबर 2024 से 4 फरवरी 2025 के बीच प्रतिगामी रहेगा। यह कुछ नया सीखने या अपना डोमेन/नौकरी बदलने के लिए एक अद्भुत अवधि होगी।

7. शनि (आपके 8वें और 9वें भाव का स्वामी) 30 जून 2024 से 15 नवंबर 2024 के बीच प्रतिगामी रहेगा और इस तरह आपके आस-पास की कठिन परिस्थितियों से निपटने के लिए आपके अंदर बहुत लचीलापन लाएगा।

8. यह आपके ज्ञान को बढ़ाने और नए कौशल सीखने के लिए एक अच्छा वर्ष है।

******** 2024 में फोकस क्षेत्र ********

ढालमठोल से बचें.

मेहनत पर ध्यान दें.

और अधिक जानें।

अधिक ज्ञान प्राप्त करें.

दिवास्वप्न देखने से बचें.

******** करियर के लिए टिप्स ********

तुलना से बचें.

बेहतर संचार पर ध्यान दें.

अधिक सक्रिय रहें.

******** अच्छे महीने ********

2024 में करियर के नजरिए से ये सबसे अच्छे महीने हैं। नौकरी बदलने या नया व्यवसाय शुरू करने या बड़े पेशेवर फैसले लेने के लिए भी ये महीने अच्छे हैं।

अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर, दिसंबर

******** चुनौतीपूर्ण महीने ********

2024 में करियर के नजरिए से ये सबसे चुनौतीपूर्ण महीने हैं। आपको इन महीनों में नौकरी बदलने या नया व्यवसाय शुरू करने या बड़े पेशेवर फैसले लेने से बचना चाहिए।

फरवरी, मार्च, नवंबर

वर्ष 2024 आपके लिए - प्रेम और वैवाहिक जीवन 2024 में

1. जहां तक आपके रिश्तों की बात है तो 2024 की शुरुआत धीमी रहेगी। मंगल (आपका 11वां घर और 6ठे घर का स्वामी) 23 जनवरी 2024 तक अस्त है और इसलिए आपके स्वभाव पर नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। जनवरी में आपकी सहनशीलता का स्तर कम होगा और आप अहंकार के टकराव के भी शिकार होंगे। शांत मानसिकता बनाए रखने का प्रयास करें और किसी भी कीमत पर बहस से बचें।

2. रिश्ता पहले आना चाहिए. आपका रिश्ता आपकी प्राथमिकता होनी चाहिए - आपके करियर, बच्चों, विस्तारित परिवार या किसी अन्य चीज़ से ऊपर। यदि आप चाहते हैं कि आपके जीवन के अन्य सभी पहलू खुश और स्वस्थ रहें तो यह आपके जीवन का केंद्रबिंदु होना चाहिए।

3. 2024 में आपके रिश्तों में कुछ गलतफहमी हो सकती है, खासकर जब बृहस्पति (आपके 7वें और 10वें घर का स्वामी) 7 मई 2024 से 6 जून 2024 के बीच अस्त हो। अफवाहों के बजाय अपने साथी पर पूरे दिल से भरोसा करें।

4. बृहस्पति आपके वैवाहिक जीवन को नियंत्रित करता है क्योंकि बृहस्पति विवाह के महत्वपूर्ण 7वें चतुर्थांश घर का स्वामी है। बृहस्पति (आपके 7वें और 10वें घर का स्वामी) 1 मई 2024 को आपके 11वें घर से 12वें घर में गोचर करेगा। यह आपके लिए एक नकारात्मक गोचर है क्योंकि जिस तरह से आपका व्यक्तिगत जीवन आकार ले रहा है, उससे आप थोड़ा तनाव महसूस कर सकते हैं, खासकर 1 मई के बाद 2024

5. आपकी मानसिकता अत्यधिक कठोर होगी, विशेषकर उस चरण के दौरान जब 17 फरवरी 2024 से 26 मार्च 2024 के बीच शनि (आपका 8वें और 9वें भाव का स्वामी) अस्त हो जाएगा। आपको लचीला दृष्टिकोण अपनाने की कोशिश करनी चाहिए और दूसरों के दृष्टिकोण को भी समझना चाहिए। आपके लिए अपने पार्टनर की बात सुनना जरूरी है।

6. बृहस्पति (आपके 7वें और 10वें घर का स्वामी) 9 अक्टूबर 2024 से 4 फरवरी 2025 के बीच प्रतिगामी होगा। यह वह चरण है जिसमें आपका ध्यान विवाहित जीवन पर होगा, और आप रिश्ते में बहुत उतार-चढ़ाव का अनुभव कर सकते हैं। इस चरण में खुशी

की कुंजी अपने साथी को सभी सकारात्मक और नकारात्मकताओं के साथ स्वीकार करना है।

******** अच्छे महीने ********

2024 में प्रेम जीवन और रिश्तों के नजरिए से ये सबसे अच्छे महीने हैं। ये महीने रिश्तों में खुशी, सौहार्दपूर्ण प्रेम जीवन और घरेलू जीवन में भी सामंजस्य सुनिश्चित करेंगे।

अक्टूबर नवम्बर दिसम्बर

******** चुनौतीपूर्ण महीने ********

2024 में प्रेम जीवन और रिश्तों के नजरिए से ये सबसे चुनौतीपूर्ण महीने हैं। ये महीने रिश्तों में बाधाएं पैदा कर सकते हैं और आपके प्रेम जीवन और घरेलू जीवन पर भी नकारात्मक प्रभाव डालेंगे।

जनवरी, मई, जून

******** 2024 में फोकस क्षेत्र ********

कार्य संतुलन।

समानुभूति।

******** बेहतर प्रेम/विवाहित जीवन के लिए टिप्स ********

क्रोध पर नियंत्रण रखें.

अपने रिश्तों को प्राथमिकता दें.

वर्ष 2024 आपके लिए - 2024 में वित्तीय जीवन

1. खर्च करने का रोमांच अल्पकालिक होता है। जिस बचत के लिए आपने काम किया उस पर गर्व करना आपके जीवन के लिए हमेशा बेहतर रहेगा। इसके लिए प्रयास और अनुशासन की आवश्यकता होती है, लेकिन वित्तीय जिम्मेदारी हमेशा दिन के अंत में अच्छा फल देती है।

2. 2024 आपके लिए एक कठिन वर्ष होने वाला है जिसमें आपको अच्छे वित्तीय अनुशासन की आवश्यकता है अन्यथा आप वित्तीय अस्थिरता के साथ समाप्त हो जाएंगे।

3. बृहस्पति (आपके 7वें और 10वें भाव का स्वामी) 1 मई 2024 को आपके 11वें भाव से 12वें भाव में गोचर करेगा। यह एक अनुकूल गोचर नहीं है क्योंकि बृहस्पति हानि के 12वें भाव में चला जाएगा। आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप अनावश्यक खर्चों पर नियंत्रण रखें, खासकर 1 मई 2024 के बाद।

4. 2024 अनावश्यक विलासिता पर खर्च करने का वर्ष भी नहीं है. आपको यह सुनिश्चित करना चाहिए कि आप अपनी जरूरतों पर नियंत्रण रखें और केवल उन्हीं चीजों पर खर्च करें जिनकी आपको वास्तव में जरूरत है। मंगल (आपका 11वां घर और 6ठे घर का स्वामी) 7 दिसंबर 2024 से 24 फरवरी 2025 के बीच प्रतिगामी है और इसलिए आपको इस अवधि में अपने खर्चों से सावधान रहना चाहिए।

5. बृहस्पति (आपके 7वें और 10वें घर का स्वामी) 7 मई 2024 से 6 जून 2024 के बीच अस्त रहेगा। यह एक ऐसा समय होगा जब स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आपकी जेब पर असर डाल सकती हैं।

6. 2024 में पैसा उधार लेने से बचें क्योंकि संभावना है कि यह आपके वित्तीय जीवन में अस्थिरता पैदा करेगा। आपको 2024 में रियल एस्टेट निवेश से भी बचना चाहिए क्योंकि संभावना है कि आपको अपने फैसले पर पछताना पड़ेगा।

******** अच्छे महीने ********

2024 में वित्तीय जीवन के दृष्टिकोण से ये सबसे अच्छे महीने हैं। ये महीने धन लाभ, निवेश, वित्तीय योजना और कोई भी बड़ा वित्तीय निर्णय लेने के लिए अच्छे हैं।

मार्च अप्रैल

******** चुनौतीपूर्ण महीने ********

2024 में वित्तीय जीवन के दृष्टिकोण से ये सबसे चुनौतीपूर्ण महीने हैं। ये महीने धन लाभ, निवेश, वित्तीय योजना और कोई भी बड़ा वित्तीय निर्णय लेने के लिए अनुकूल नहीं हैं।

जुलाई, दिसंबर

******** 2024 में फोकस क्षेत्र ********

वित्तीय योजना।

अनुशासन।

******** अच्छे वित्तीय जीवन के लिए टिप्स ********

अनावश्यक खर्च से बचें.

कर्ज मुक्त रहें.

वर्ष 2024 आपके लिए - 2024 के शुभ और अशुभ दिन

❁❁❁❁❁❁❁

2024 में आपके लिए सबसे अच्छा चरण

23 सितंबर 2024 से 10 अक्टूबर 2024 तक

उच्च का बुध!

❁❁❁❁❁❁❁

बुध आपके प्रथम भाव का स्वामी है और आपके लिए सबसे महत्वपूर्ण ग्रह है। इस अवधि में बुध उच्च राशि में होगा और इसलिए आपके लिए बहुत अच्छा समय होगा।

- कुछ नया शुरू करें.

- अपने संचार कौशल का प्रभावी ढंग से उपयोग करें।

-महत्वपूर्ण वित्तीय निर्णय लें.

❁❁❁❁❁❁❁

2024 में आपके लिए सबसे बुरा दौर

17 फरवरी 2024 से 26 मार्च 2024 तक

शनि अस्त!

❁❁❁❁❁❁❁

शनि आपके लिए अत्यधिक शुभ ग्रह है क्योंकि यह शुभ नौवें घर का स्वामी है और इसलिए आपकी कुंडली में अत्यधिक महत्वपूर्ण ग्रह है। इस अवधि में शनि अस्त या कमजोर होगा।

- आप पाचन संबंधी समस्याओं से ग्रस्त रहेंगे।

- मानसिक थकान।

-अप्रत्याशित खर्च.

वर्ष 2024 आपके लिए - 2024 के लिए टिप्स

यहां आपकी कुंडली के आधार पर वर्ष 2024 के लिए आपकी व्यक्तिगत सलाह दी गई है।

1. **अपने क्रोध पर नियंत्रण रखें**
गुस्सा निकलने के बाद अच्छा महसूस होना कुछ मिनटों तक रहता है। नकारात्मक प्रभाव लंबे समय तक रहते हैं। पछतावा, तनाव और अप्रसन्नता गुस्से के विस्फोट के उपोत्पाद हैं। अपनी भावनाओं को संप्रेषित करने के स्वस्थ तरीके सीखें, और जब क्रोध आए, तब तक दूर रहें जब तक कि वह शांत न हो जाए।

2. ** दयालु बनें. **
दयालुता के छोटे-छोटे कार्य अन्य लोगों और आपकी अपनी ख़ुशी पर बहुत बड़ा सकारात्मक प्रभाव डालते हैं। दयालु होने के लिए ज़्यादा कुछ नहीं करना पड़ता। अपने जीवन के हर दिन, हर स्थिति में इसका अभ्यास करें, जब तक कि यह आपका स्वाभाविक तरीका न बन जाए।

3. **रिश्तों को मजबूत करें। *
वास्तविक और खुला होना लोगों को आमंत्रित करता है और उन्हें आपसे अधिक गहरे और अधिक अंतरंग स्तर पर जुड़ने की अनुमति देता है। सुरक्षित और प्यार करने वाले लोगों के साथ अभ्यास की गई भेद्यता, भावनात्मक दर्द को ठीक कर सकती है और रिश्तों को मजबूत कर सकती है।

4. ** प्रतिदिन व्यायाम करें। **
व्यायाम हर किसी के लिए दैनिक प्राथमिकता होनी चाहिए। यह आपको शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक रूप से मजबूत बनाता है। यह आपके स्वास्थ्य और आपके दृष्टिकोण को बेहतर बनाता है। यह लगभग हर चीज़ के लिए रामबाण है।

5. ** द्वेष पीड़ा का कारण बनता है। **
द्वेष पालते रहना हर दिन अपने शरीर में जहर डालने जैसा है। माफ कर दो और जाने दो। कोई अन्य रास्ता नहीं है। यदि आपका

अहंकार आपको क्षमा करने और कुछ जाने देने से रोक रहा है, तो अपने अहंकार को दूर जाने के लिए कहें। आपका अहंकार आपकी ख़ुशी और खुशहाली के आड़े आता है।

वर्ष 2024 आपके लिए - 2024 के गोचर

****

2024 में प्रमुख गोचर

****

बृहस्पति 1 मई 2024 को मेष से वृषभ राशि में गोचर करेगा

23 जनवरी 2024 तक मंगल अस्त रहेगा

बृहस्पति 7 मई 2024 से 6 जून 2024 के बीच अस्त है

17 फरवरी 2024 से 26 मार्च 2024 के बीच शनि अस्त

मंगल ग्रह 7 दिसंबर 2024 से 24 फरवरी 2025 के बीच वक्री होगा

बृहस्पति 9 अक्टूबर 2024 से 4 फरवरी 2025 के बीच वक्री होगा

30 जून 2024 से 15 नवंबर 2024 के बीच शनि वक्री होगा

उपछाया चंद्र ग्रहण 25 मार्च 2024

पूर्ण सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल 2024

आंशिक चंद्र ग्रहण 18 सितंबर 2024

वलयाकार सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर 2024

****

जनवरी

****

7 जनवरी 2024 को बुध वृश्चिक से धनु राशि में गोचर करेगा

शुक्र 18 जनवरी 2024 को वृश्चिक से धनु राशि में गोचर करेगा

मंगल ग्रह का ढहन 23 जनवरी 2024 को समाप्त होगा

****

फ़रवरी

****

5 फरवरी 2024 को मंगल धनु से मकर राशि में गोचर करेगा

1 फरवरी 2024 को बुध धनु से मकर राशि में गोचर करेगा

20 फरवरी 2024 को बुध मकर राशि से कुंभ राशि में गोचर करेगा

शुक्र 12 फरवरी 2024 को धनु से मकर राशि में गोचर करेगा

7 फरवरी 2024 से 11 मार्च 2024 के बीच बुध अस्त

17 फरवरी 2024 से 26 मार्च 2024 के बीच शनि अस्त

****

मार्च

****

मंगल 15 मार्च 2024 को मकर से कुंभ राशि में गोचर करेगा

7 मार्च 2024 को बुध कुंभ राशि से मीन राशि में गोचर करेगा

26 मार्च 2024 को बुध मीन राशि से मेष राशि में गोचर करेगा

शुक्र 7 मार्च 2024 को मकर से कुंभ राशि में गोचर करेगा

शुक्र 31 मार्च 2024 को कुंभ से मीन राशि में गोचर करेगा

उपछाया चंद्र ग्रहण 25 मार्च 2024

****

अप्रैल

****

मंगल 23 अप्रैल 2024 को कुंभ से मीन राशि में गोचर करेगा

9 अप्रैल 2024 को बुध मेष से मीन राशि में गोचर करेगा

शुक्र 25 अप्रैल 2024 को मीन से मेष राशि में गोचर करेगा

4 अप्रैल 2024 से 1 मई 2024 के बीच बुध अस्त

शुक्र अस्त 25 अप्रैल 2024 से 29 जून 2024 के बीच

पूर्ण सूर्य ग्रहण 8 अप्रैल 2024

2 अप्रैल 2024 से 25 अप्रैल 2024 के बीच बुध वक्री

****

मई

****

बृहस्पति 1 मई 2024 को मेष से वृषभ राशि में गोचर करेगा

10 मई 2024 को बुध मीन राशि से मेष राशि में गोचर करेगा

31 मई 2024 को बुध मेष से वृषभ राशि में गोचर करेगा

शुक्र 19 मई 2024 को मेष से वृषभ राशि में गोचर करेगा

बृहस्पति 7 मई 2024 से 6 जून 2024 के बीच अस्त है

****

जून

****

मंगल 1 जून 2024 को मीन से मेष राशि में गोचर करेगा

14 जून मई 2024 को बुध वृषभ से मिथुन राशि में गोचर करेगा

29 जून 2024 को बुध मिथुन से कर्क राशि में गोचर करेगा

शुक्र 12 जून 2024 को वृषभ से मिथुन राशि में गोचर करेगा

2 जून 2024 से 25 जून 2024 के बीच बुध का अस्त होना

30 जून 2024 से 15 नवंबर 2024 के बीच शनि वक्री होगा

****

जुलाई

****

मंगल 12 जुलाई 2024 को मेष से वृषभ राशि में गोचर करेगा

19 जुलाई 2024 को बुध कर्क राशि से सिंह राशि में गोचर करेगा

शुक्र 7 जुलाई 2024 को मिथुन से कर्क राशि में गोचर करेगा

शुक्र 31 जुलाई 2024 को कर्क से सिंह राशि में गोचर करेगा

****

अगस्त

****

26 अगस्त 2024 को मंगल वृषभ से मिथुन राशि में गोचर करेगा

22 अगस्त 2024 को बुध सिंह से कर्क राशि में गोचर करेगा

25 अगस्त 2024 को शुक्र सिंह से कन्या राशि में गोचर करेगा

4 अगस्त 2024 से 28 अगस्त 2024 के बीच बुध का अस्त होना

5 अगस्त 2024 से 29 अगस्त 2024 के बीच बुध वक्री

****

सितम्बर

****

4 सितंबर 2024 को बुध कर्क राशि से सिंह राशि में गोचर करेगा

23 सितंबर 2024 को बुध सिंह से कन्या राशि में गोचर करेगा

शुक्र 18 सितंबर 2024 को कन्या से तुला राशि में गोचर करेगा

20 सितंबर 2024 से 27 अक्टूबर 2024 के बीच बुध का अस्त होना

आंशिक चंद्र ग्रहण 18 सितंबर 2024

****

अक्टूबर

****

मंगल 20 अक्टूबर 2024 को मिथुन से कर्क राशि में गोचर करेगा

10 अक्टूबर 2024 को बुध कन्या राशि से तुला राशि में गोचर करेगा

29 अक्टूबर 2024 को बुध तुला राशि से वृश्चिक राशि में गोचर करेगा

शुक्र 13 अक्टूबर 2024 को तुला से वृश्चिक राशि में गोचर करेगा

बृहस्पति 9 अक्टूबर 2024 से 4 फरवरी 2025 के बीच वक्री होगा

वलयाकार सूर्य ग्रहण 2 अक्टूबर 2024

****

नवंबर

****

शुक्र 7 नवंबर 2024 को वृश्चिक से धनु राशि में गोचर करेगा

बुध का अस्त 29 नवंबर 2024 से 12 दिसंबर 2024 के बीच

26 नवंबर 2024 से 16 दिसंबर 2024 के बीच बुध वक्री

****

दिसंबर

****

शुक्र 2 दिसंबर 2024 को धनु से मकर राशि में गोचर करेगा

शुक्र 28 दिसंबर 2024 को मकर से कुंभ राशि में गोचर करेगा

मंगल ग्रह 7 दिसंबर 2024 से 24 फरवरी 2025 के बीच वक्री होगा

साढ़े साती - साढ़े साती - विश्लेषण

आप वर्तमान में अपनी शनि साढ़े साती अवधि से गुजर रहे हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी वर्तमान साढ़े साती अवधि

17 जनवरी 2023 से 17 अप्रैल 2030 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

प्रथम चरण: 17 जनवरी 2023 से 29 मार्च 2025 तक

दूसरा चरण: 30 मार्च 2025 से 23 फरवरी 2028 तक

तीसरा चरण: 24 फरवरी 2028 से 17 अप्रैल 2030 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी पिछली साढ़े साती अवधि

5 मार्च 1993 से 7 जून 2000 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

पहला चरण: 5 मार्च 1993 से 2 जून 1995 तक

दूसरा चरण: 3 जून 1995 से 17 अप्रैल 1998 तक

तीसरा चरण: 18 अप्रैल 1998 से 7 जून 2000 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

वैदिक ज्योतिष में शनि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

हिंदू पौराणिक कथाओं में भगवान शनि न्याय के देवता हैं। वह सबसे बड़ा पुरस्कार देने वाला है, लेकिन आपके कर्म के आधार पर दुर्भाग्य और दंड का अग्रदूत भी है। शनि सूर्य और छाया के पुत्र हैं। इसलिए, उन्हें छायापुत्र के नाम से भी जाना जाता है। भगवान शनि भगवान विष्णु के अवतार हैं, जिन्होंने उन्हें कर्म का फल देने का कार्य दिया।

ज्योतिष की दृष्टि से शनि ग्रह सबसे धीमा ग्रह है। यह किसी राशि में लगभग ढाई वर्ष तक रहता है। धीमी गति का प्रतीक है कि भगवान शनि धीरे-धीरे चलते हैं ताकि सभी पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

शनि की साढ़े साती को लेकर बहुत सारे भय हैं। साढ़े साती संघर्ष, कड़ी मेहनत और असंतोष की लंबी अवधि लाती है। ज्योतिष में शनि को सबसे अशुभ ग्रहों में से एक माना जाता है। यह आपको आपके कर्म या कर्मों के आधार पर आंकता है। यदि आप अच्छे कर्म करते हैं, तो यह निश्चित रूप से आपको आशीर्वाद देगा। शनि की साढ़े साती के दौरान, सफलता में देरी हो सकती है लेकिन निश्चित रूप से तब मिलेगी जब भगवान शनि आपके धैर्य और दृढ़ता का परीक्षण करेंगे।

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀
साढ़े साती क्या है
❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀

जहां चंद्रमा आराम / भावनाओं / देखभाल / पोषण के बारे में है, वहीं शनि कड़ी मेहनत / दिनचर्या / कर्तव्यों / न्याय के बारे में है। स्वाभाविक रूप से ये दोनों ग्रह एक दूसरे के शत्रु हैं और इसलिए उनकी निकटता की अवधि के दौरान जीवन में परेशानी पैदा करते हैं। साढ़े साती का समय आपके जीवन को कुछ हद तक परेशान करने वाला है। शनि की साढ़े साती का दूसरा चरण सबसे अधिक कष्टदायक होता है क्योंकि इस दौरान जन्म का चंद्रमा शनि की युति में होता है। इस अवधि के दौरान आपकी विचार प्रक्रिया प्रभावित होती है, और आपको कई भावनात्मक संकटों से भी गुजरना पड़ सकता है। अपने पूरे जीवन में, जातक आमतौर पर दो बार साढ़े साती का अनुभव करता है क्योंकि शनि 30 वर्षों में (सभी राशियों का) एक चक्कर पूरा करता है।

प्रत्येक साढ़े साती के तीन चरण होते हैं- उदय, शिखर और अस्त काल जिसकी गणना शनि ग्रह के गोचर के आधार पर की जाती है। इस 7.5 वर्ष की अवधि के दौरान, जातक को व्यक्तिगत, वित्तीय और व्यावसायिक जीवन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

शनि कर्म का स्वामी है, और हमारे पिछले कर्मों के अच्छे/बुरे परिणाम सबसे अधिक साढ़े साती काल में प्रकट होते हैं। यह शनि की 7.5 वर्ष की अवधि है, जो तब शुरू होती है जब शनि जन्म के चंद्रमा से पहले के घर में चला जाता है। शनि प्रत्येक राशि में लगभग 2.5 वर्ष व्यतीत करता है, इसलिए शनि के जन्म के चंद्रमा से बारहवें घर में प्रवेश करने के समय से ही शनि की साढ़े साती शुरू हो जाती है। जब शनि जन्म के चंद्रमा से दूसरे भाव से तीसरे भाव में चला जाता है तो शनि की साढ़े साती समाप्त हो जाती है। कई लोगों को इस अवधि से जुड़े दुष्प्रभावों के कारण साढ़े साती का डर होता है। शनि एक पाप ग्रह है इसलिए जातक को साढ़े साती के दौरान संघर्ष करना पड़ता है लेकिन डरने की कोई बात नहीं है।

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀
भगवान शनि
❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀

भगवान शनि लोगों को उनके पापों के लिए पीड़ित करते हैं, ताकि उन्हें और नकारात्मक कर्म जमा करने से रोका जा सके।

भगवान शनि अनुशासन, कड़ी मेहनत, निर्णय लेने के प्रतीक हैं। जो लोग जीवन में नेक मार्ग का अनुसरण नहीं करते हैं, शनि उन्हें दंड देते हैं, ताकि उन्हें अनुशासित और मेहनती बनाया जा सके। भगवान शनि व्यक्तिगत और व्यावसायिक जीवन दोनों में ईमानदारी और न्याय की वकालत करते हैं।

शनि एक अभिभावक की तरह काम करता है, हमें अपनी गलतियों का एहसास कराता है और वास्तविकता को देखने में हमारी मदद करता है। यह हमें हमारे माता-पिता की तरह हमारी गलतियों के लिए सजा देता है। यह हमारे जीवन में अनावश्यक पीड़ा पहुँचाने के लिए नहीं है, बल्कि हमें जीवन के महत्वपूर्ण सबक सिखाने के लिए है। शनि देव एक न्यायप्रिय, सख्त लेकिन परोपकारी देवता हैं। वह न्याय के देवता हैं जो हमारे कर्म बैलेंस शीट के मुख्य लेखाकार की तरह हैं। शनिदेव हमें विनम्र, कर्तव्यपरायण और यथार्थवादी बने रहने में मदद करते हैं।

साढ़े साती - साढ़े साती - प्रभाव

अपनी साढ़े साती अवधि के दौरान शीर्ष दस चीजें जो आप उम्मीद कर सकते हैं। कृपया ध्यान दें कि ये भविष्यवाणियां केवल आपकी साढ़े साती अवधि के लिए हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
कड़ी मेहनत
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤आपको एक आसान/आरामदायक/गतिहीन जीवन जीना बंद कर देना चाहिए।

➤आसान शॉर्टकट, आसान पैसा, आसान जीवनशैली से बचना चाहिए।

➤कठिन परिश्रम ही आपके लक्ष्यों की प्राप्ति का एकमात्र तरीका है, क्योंकि विलंब/आलस्य विफलता और निराशा का कारण बन सकता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤वर्तमान कठिनाइयाँ और कठिन समय वास्तव में दीर्घावधि में आपके लिए अच्छा रहेगा।

➤अपने कौशल को उन्नत करने या नए कौशल सीखने का यह सही समय है। पुराने ➤सुविधाजनक तरीके अब काम नहीं करेंगे

➤अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने और उन चीजों को करने का समय है जिनसे आप डरते थे।

➤उत्साह के साथ अपने डर का सामना करने का समय

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
बाधाएं
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤जीवन आसान / आरामदायक नहीं होगा

➤बाधाओं का सामना करें और अपने कर्तव्यों / जिम्मेदारियों पर ध्यान दें

➤हार मत मानो! ये बाधाएं आपके जीवन में अस्थायी हैं

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

तनाव

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤बिना वजह तनाव महसूस करेंगे

➤कोशिश करें और ज्यादा सोचने से बचें

➤इस तनाव से छुटकारा पाने का एक ही उपाय है : बस अपने कर्तव्यों को पूरे मन से करो और आलस्य से दूर रहो

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

स्वाभिमान की हानि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤कुछ स्थितियां आपको ऐसा महसूस करा सकती हैं कि आप अपना सम्मान या आत्म सम्मान खो रहे हैं

➤लोग षडयंत्र करेंगे, अपमान करेंगे और आपको नीचा महसूस कराएंगे।

➤आपको सही काम करने पर ध्यान देना चाहिए, न कि नकारात्मक लोगों पर

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

यथास्थिति समाप्त हो जाएगी

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤आप यथास्थिति बनाए नहीं रख पाएंगे

➤या तो आपको परिवर्तन को अपनाना होगा, या परिवर्तन आप पर लाद दिया जाएगा

➤परिवर्तन को गले लगाओ, चाहे वह किसी भी रूप में आए।

➤जितना अधिक आप यथास्थिति बनाए रखने की कोशिश करेंगे, उतना ही आपको प्रतिरोध का सामना करना पड़ेगा।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

शॉर्ट टर्म लॉस बनाम लॉन्ग टर्म गेन

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤इस अवधि में असफलता भविष्य की सफलता की सीढ़ी होगी

➤लंबी अवधि के बारे में सोचें और छोटी अवधि की विफलताओं या नुकसान के बारे में सोचने से बचें

➤दीर्घकालिक सफलता या अल्पकालिक विफलता? चुनना आपको है। वर्तमान ➤विफलताओं को स्वीकार करें और अपने दीर्घकालिक लक्ष्यों पर अधिक ध्यान केंद्रित करें।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

दिनचर्या

❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤आप एक ऐसी दिनचर्या में फंस सकते हैं जो आपको पसंद नहीं है।

➤दिनचर्या को अपनाएं और अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से करें

➤अभी के लिए अपनी दिनचर्या का पालन करना और धैर्यपूर्वक काम करना आपके हित में है

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

अनुशासन

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤अनुशासित रहिये नहीं तो भगवान शनि आपको अपने ही अप्रिय तरीके से अनुशासन सिखाएंगे

➤कोई भी आलस्य, लापरवाही या शॉर्टकट आपको मुसीबत में डाल देगा

➤असफलताओं को दूर करने का एक ही तरीका है - अनुशासन

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

जीवन के लिए सबक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤साढे सती जीवन के लिए सबसे अच्छा सबक सिखाती है

➤ अपनी गलतियों को पहचानें और इन पाठों से लाभ उठाएं

➤भगवान शनि आपके कर्मों पर नज़र रख रहे हैं, अच्छा करो और अंत में आपके साथ अच्छा ही होगा।

साढ़े साती - पहला चरण - प्रारंभ

बढ़ती साढ़ेसाती का काल - पहला चरण !

यह वह अवधि है जिसमें शनि आपके चंद्र चार्ट में बारहवें भाव में गोचर करता है। आप वर्तमान में अपनी साढ़े साती की पहली अवधि से गुजर रहे हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
आपकी वर्तमान साढ़े साती पहली अवधि
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
17 जनवरी 2023 से 29 मार्च 2025 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
आपकी पिछली साढ़े साती पहली अवधि
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
5 मार्च 1993 से 2 जून 1995 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁
प्रमुख ज्योतिषीय विवरण
❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤इस अवधि के दौरान शनि ग्रह आपकी चंद्र कुंडली में बारहवें भाव में गोचर करेगा।

➤शनि अपनी ही राशि कुम्भ में गोचर करेंगे

➤आपकी चंद्र कुंडली में शनि अनुकूल ग्रह नहीं है क्योंकि यह अशुभ बारहवें भाव का स्वामी है और आपके राशि स्वामी बृहस्पति का शत्रु भी है।

➤बारहवां भाव विदेश भूमि, हानि, व्यय, सीमा और एकांत का भाव है।

➤बारहवें भाव में अपनी स्थिति से शनि आपके छठे भाव को देख रहा है। छठा भाव ऋण, रोग, शत्रु और सेवा का प्रतिनिधित्व करता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

भविष्यवाणी

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤अनावश्यक व्यय

➤अकेलापन

➤स्वास्थ्य के मुद्दे

➤ऑफिस में दुश्मनी/तनाव

➤अनावश्यक टकराव / तर्क में पड़ने की प्रवृत्ति

➤ एक विदेशी देश में सेवा करना या विदेशी ग्राहकों / कंपनी के लिए सेवा करना

साढ़े साती - दूसरा चरण - कठिन अवधि

पीक साढ़े साती अवधि - दूसरा चरण!

यह वह अवधि है जिसमें शनि आपके चंद्र चार्ट के पहले भाव में गोचर करता है। आप वर्तमान में साढ़े साती के प्रथम काल से गुजर रहे हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी वर्तमान साढ़े साती दूसरी अवधि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

30 मार्च 2025 से 23 फरवरी 2028 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी पिछली साढ़े साती दूसरी अवधि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

3 जून 1995 से 17 अप्रैल 1998 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

प्रमुख ज्योतिषीय विवरण

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤इस अवधि के दौरान शनि ग्रह आपकी चंद्र कुंडली में पहले भाव में गोचर करेगा।

➤शनि मीन राशि में रहेगा जिस पर बृहस्पति ग्रह का शासन है

➤आपकी चंद्र कुंडली में शनि अनुकूल ग्रह नहीं है क्योंकि यह अशुभ बारहवें भाव का स्वामी है और आपके राशि स्वामी बृहस्पति का शत्रु भी है।

➤प्रथम भाव स्वास्थ्य, व्यक्तित्व, स्वयं और दूसरों के प्रति आपकी धारणा का भाव होता है।

➤पहले भाव में अपनी स्थिति से शनि आपके सप्तम भाव को देख रहा है। सप्तम भाव विवाह और साझेदारी का प्रतिनिधित्व करता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

भविष्यवाणी

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤अधिक सोचना

➤मानसिक थकान और तनाव

➤आप कुछ खो देंगे ताकि आप कुछ नया हासिल कर सकें। उदाहरण के लिए, नौकरी छूटना या रिश्तों में कठिनाई

➤वैवाहिक जीवन या प्रेम जीवन में समस्या

➤आपके जीवन में बड़े बदलाव। आपको ये बदलाव पसंद नहीं आएंगे, लेकिन ये दीर्घकालिक लाभ के लिए अच्छे होंगे।

➤विलंब और नकारात्मक सोच

साढ़े साती - अंतिम चरण

अवरोही साढ़े साती काल - अंतिम चरण!

यह वह अवधि है जिसमें शनि आपके चंद्र चार्ट में दूसरे भाव में गोचर करता है। आप वर्तमान में साढ़े साती के प्रथम काल से गुजर रहे हैं।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी वर्तमान साढ़े साती तीसरी अवधि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

24 फरवरी 2028 से 17 अप्रैल 2030

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

आपकी पिछली साढ़े साती तीसरी अवधि

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

18 अप्रैल 1998 से 7 जून 2000 तक

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

प्रमुख ज्योतिषीय विवरण

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤इस अवधि के दौरान शनि ग्रह आपकी चंद्र कुंडली में दूसरे भाव में गोचर करेगा।

➤शनि मेष राशि में रहेगा जिस पर मंगल ग्रह का शासन है

➤शनि अपनी नीच राशि में गोचर करेगा

➤आपकी चंद्र कुंडली में शनि अनुकूल ग्रह नहीं है क्योंकि यह अशुभ बारहवें भाव का स्वामी है और आपके राशि स्वामी बृहस्पति का शत्रु भी है।

➤दूसरा भाव धन, परिवार, वाणी और भाग्य का भाव होता है।

➤दूसरे भाव में अपनी स्थिति से शनि आपके अष्टम भाव को देख रहा है। आठवां घर दीर्घायु, दुख, देरी और विरासत का प्रतिनिधित्व करता है।

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

भविष्यवाणी

❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁❁

➤पारिवारिक जीवन में समस्याएं। पति या पत्नी के माता-पिता के साथ गलतफहमी / समस्याएं

➤देरी और बाधाएं

➤अशिष्टता से बोलने की प्रवृत्ति और इस प्रकार शत्रु बनाना

➤दुख और तनाव

➤पैसा बचाने में कठिनाई

➤इस अवधि में आप बहुत मेहनत करेंगे और इससे आपके जीवन की बड़ी समस्याओं में कमी आएगी

साढ़े साती - साढ़े साती - उपाय

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀

शनि की साढ़े साती के उपाय

❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀❀

आप इस समय शनि की साढ़े साती के दौर से गुजर रहे हैं। हालांकि यह एक अशुभ समय है, लेकिन आपको डरना नहीं चाहिए क्योंकि आपकी कुंडली अन्य पहलुओं में अच्छी है। इस अवधि के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के लिए आपको निम्नलिखित उपाय करने चाहिए:

➤वैदिक शास्त्रों में शनि को एक ऐसे ग्रह के रूप में चित्रित किया गया है जो लंगड़ा कर चलता है और इसलिए आकाशगंगा में सबसे धीमी गति से चलने वाला ग्रह है। इस कारण से विकलांग लोगों या पैर में विकलांग लोगों को दान करना शनि के सर्वोत्तम उपायों में से एक है। आपको समाज के कमजोर वर्गों को भी दान देना चाहिए जिन्हें नीचा या दरकिनार किया जाता है।

➤प्रतिदिन शनि स्तोत्र का पाठ करें। वैकल्पिक रूप से, आप इस स्तोत्र को सुन सकते हैं। यह आपको सभी बाधाओं का आसानी से सामना करने के लिए पर्याप्त रूप से मजबूत बनाएगा और आपको अपने लक्ष्यों के प्रति अधिक मेहनत करने के लिए भी तैयार करेगा:

नीलांजनसमाभासं रविपुत्रं यमाग्रजम।

छाया मार्तण्डसम्भूतं तं नमामि शनैश्चरम्।।

➤अपनी गलतियों को स्वीकार करने में संकोच न करें। जब भी आप कोई गलती करें तो दूसरों से क्षमा मांगें और अपनी गलतियों का बचाव करने या अपनी गलतियों को छिपाने से बचें।

➤यदि स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं आपको परेशान कर रही हैं, तो आपको प्रतिदिन शनि वज्रपंजारा कवचम का पाठ करना चाहिए।

➤शराब और मांसाहारी भोजन का सेवन न करें। नशे का सेवन आपके लिए मुश्किलें खड़ी करेगा। आपको जानवरों के प्रति बहुत सहानुभूतिपूर्ण और दयालु होना चाहिए।

➤जीवन में शॉर्टकट से बचें। आपको अपने लक्ष्य की ओर ले जाने से पहले शनि चाहता है कि आप जीवन में सभी बाधाओं का सामना करें। आपको कड़ी मेहनत करनी चाहिए और हेरफेर से बचना चाहिए। इस कठिन साढ़े साती अवधि को पार करने में आपकी मदद करने के लिए ईमानदारी और कड़ी मेहनत प्रमुख गुण हैं।

➤दक्षिण दिशा में सिर करके सोएं। यह सुनिश्चित करेगा कि इस कठिन समय में सही निर्णय लेने में आपकी मदद करने के लिए आपका शरीर और दिमाग आपके परिवेश के साथ पूर्ण सामंजस्य में है।

➤परिवर्तन को पूरे मन से स्वीकार करें। जितना अधिक आप परिवर्तन का विरोध करने की कोशिश करेंगे, यह आपके लिए उतना ही कठिन होगा। शनि की साढ़े साती की अवधि आपके जीवन में कठिन बदलाव लाएगी और ये जीवन परिवर्तन आपको मजबूत बनाने के लिए शनि के मार्ग हैं। पेशेवर जीवन में समस्याएं इस बात का संकेत हैं कि आपको अपने कौशल को बढ़ाना चाहिए और कड़ी मेहनत करनी चाहिए। निजी जीवन में समस्याएं इंगित करती हैं कि आपको विनम्र और अधिक सहिष्णु होने की आवश्यकता है। आपके सामने आने वाली सभी बाधाएं और परिवर्तन आपको मजबूत बनाएंगे और बेहतर भविष्य सुनिश्चित करेंगे।

➤अपने घर में कोई भी अनावश्यक वस्तु न रखें जिसका आप वास्तव में उपयोग नहीं करते हैं। खराब मोबाइल फोन, खराब घड़ी और खराब इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स को त्याग दें। अपने घर को अनावश्यक फर्नीचर, गद्दे या कपड़े से न भरें। इसके बजाय सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने के लिए आपके घर में अधिकतम खुली जगह होनी चाहिए।

➤जिन चीजों की आपको जरूरत नहीं है उन पर खर्च करने से बचें। संतोष, धैर्य और दृढ़ता ऐसे गुण हैं जो आपके लिए अत्यधिक शुभ होंगे।

➤वैदिक शास्त्रों में कौवे को शनि देव का वाहन माना गया है। इस दौरान जितना हो सके कौवे को खाना खिलाएं। यह वाहन आपको मुश्किल समय से आसानी से गुजरने में मदद करेगा।

➤शनिवार के दिन काले तिल की मिठाई बनाकर छोटे बच्चों को खिलाएं।

➤यदि आप जीवन में बहुत सारी बाधाओं और अनावश्यक देरी का सामना कर रहे हैं, तो आपको बजरंग बान को सुनना चाहिए। यह आपको शत्रुओं से भी बचाएगा।

➤चमड़े के सामान, चमड़े के कपड़े और जानवरों के शरीर/त्वचा से बनी किसी भी चीज से बचें। आपको पशु क्रूरता के बाद बनी किसी भी चीज का उपयोग करने से बचना चाहिए।